



मैं हमेशा राज्य के विकास से देश के विकास का मंत्र लेकर चला: प्रधानमंत्री

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि पिछले 25 वर्षों से सरकार के प्रमुख के तौर पर कार्य के दौरान लोकतंत्र की दो शक्तियों पर उनका विश्वास लगातार मजबूत हुआ है। यह शक्तियां हैं देश की जनता और सहकारी संघवाद। उन्होंने कहा, “मैं हमेशा राज्य के विकास से देश के विकास का मंत्र लेकर चला। प्रधानमंत्री मोदी आज तमिलनाडु के दौर पर चेन्नई पहुंचे। उन्होंने पहले चेन्नई मेट्रो में पोर्तुगैज स्टेशन से पुनामल्ली बाईपास स्टेशन तक की यात्रा की और फिर वापस लौटे। इसके बाद जलकंडेश्वर मंदिर में दर्शन और पूजा की। फिर आईआईटी मद्रास स्थित मस्तिष्क केंद्र का दौरा किया। प्रधानमंत्री ने 13 हजार करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी, उनका उद्घाटन किया और राष्ट्र को समर्पित किया। इसके बाद उन्होंने जनसभा को संबोधित किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत अपनी सांस्कृतिक विरासत से प्रेरणा लेकर विज्ञान की प्रगति और आधुनिक

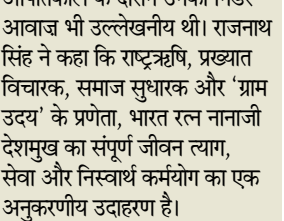
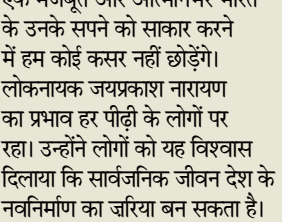


बुनियादी ढांचे के माध्यम से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने आज तमिलनाडु में 13 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं से परिवहन, उद्योग और व्यापार को मजबूती मिलेगी तथा युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि बेहतर परिवहन के लिए केवल सड़कों को चौड़ा करना पर्याप्त नहीं है। बल्कि आधुनिक शहरों में समग्र बुनियादी ढांचे की जरूरत है। इसी उद्देश्य से पिछले एक दशक में देशभर में मेट्रो नेटवर्क का विस्तार किया गया है। वर्ष 2014 में देश के केवल पांच शहरों में मेट्रो सेवा उपलब्ध थी, जबकि अब 25 शहरों में मेट्रो चल रही है। मोदी ने कहा कि तमिलनाडु के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। करीब 13 हजार करोड़ रुपये की

परियोजनाओं के तहत कई पुरी हो चुकी परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया है और नई परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई है। इनसे दैनिक आवागमन आसान होगा, उद्योग और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा तथा राज्य के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर तैयार होंगे। उन्होंने कहा कि मंदिरों से लेकर मेट्रो तक तमिलनाडु के अनुभव भारत की भावना को दर्शाते हैं। भारत अपनी सांस्कृतिक विरासत से प्रेरणा लेता है और विज्ञान की प्रगति के साथ आगे बढ़ता है। आधुनिक बुनियादी ढांचा नए अवसर पैदा कर रहा है। देश की विरासत और भविष्य की आकांक्षाएं साथ-साथ आगे बढ़ रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में बंदरगाहों के बुनियादी ढांचे को भी मजबूत किया जा रहा है, ताकि समुद्री परिवहन क्षेत्र नई ऊंचाइयों तक पहुंच सके। केंद्र सरकार करीब 17 हजार करोड़ रुपये के निवेश से तूतीकोरिन स्थित वी.ओ. चिंदंबरनार बंदरगाह को विश्वस्तरीय विशाल कंटेनर और हरित ऊर्जा केंद्र के रूप में विकसित कर रही है। इसके पूरा होने पर बंदरगाह दुनिया के बेहतरे कंटेनर जहाजों को संभाल सकेगा। इससे तमिलनाडु को उद्योग

और परिवहन के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले ही उन्होंने देशवासियों के आशीर्वाद और प्रेम से सरकार के प्रमुख के रूप में 25 वर्ष पूरे किए हैं। अक्टूबर 2001 में मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद से उन्हें मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा करने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि इन 25 वर्षों में लोकतंत्र की दो शक्तियों, देश की जनता और सहकारी संघवाद में उनका विश्वास लगातार मजबूत हुआ है। वह हमेशा राज्य के विकास से देश के विकास के मंत्र के साथ आगे बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि भारत आज दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल डिजिटल देश है। वर्ष 2014 के बाद से देश का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 11 गुना बढ़ा है, जबकि रक्षा निर्यात में 50 गुना वृद्धि हुई है। इंजीनियरिंग उत्पादों के निर्यात ने भी नया रिकॉर्ड बनाया है। विनिर्माण क्षेत्र की इस वृद्धि से देश में युवाओं के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाखों रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के लोगों ने देश में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

प्रधानमंत्री व अन्य ने अग्रसेन, नानाजी और जयप्रकाश नारायण की जयंती पर दी श्रद्धांजलि



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा रक्षा मंत्री समेत कई नेताओं ने रविवार को महाराजा अग्रसेन, नानाजी देशमुख और लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, “जन-सेवा और सामाजिक समरसता के अग्रदूत महाराजा अग्रसेन का जीवन और उनके आदर्श हमें निरंतर मानवता के पथ पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उनके महान विचार भारत के सांस्कृतिक पुनरुत्थान के लिए सदैव प्रेरणा के स्रोत बने रहेंगे। वहीं, नानाजी देशमुख को एक ऐसे असाधारण राष्ट्र-निर्माता के रूप में याद किया जाता है जिन्होंने अपने विचारों और कार्यों से यह दिखाया कि वास्तविक बदलाव जमीनी स्तर से ही शुरू होता है। उनके जीवन में राजनीतिक प्रतिबद्धता और रचनात्मक सामाजिक कार्यों का अनूठा संगम था। उन्होंने खुद को ग्रामीण विकास और सामुदायिक भागीदारी के लिए समर्पित कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

सीजेपी ने युवाओं से शांतिपूर्ण तरीके से विरोध जारी रखने की अपील की

नई दिल्ली। काँकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका और सौरभ दास ने रविवार को छात्र संगठनों और देश के युवाओं से संविधान तथा लोकतंत्र की रक्षा के लिए शांतिपूर्ण तरीके से सड़कों पर उतरने और विरोध दर्ज कराने की अपील की। सीजेपी प्रवक्ताओं ने दिल्ली स्थित प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया और केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस पर लोकतंत्र को दबाने तथा शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शनों को कुचलने के गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि शनिवार को विरोध प्रदर्शन के दौरान दिल्ली को सैन्य छावनी में तब्दील कर दिया गया था और देश में 1975 जैसी अधोषिठ आपातकाल जैसी स्थिति निर्मित कर दी गई है। सौरभ दास ने आरोप लगाया और कहा कि दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरते ही दिल्ली पुलिस ने उन्हें, आशुतोष रांका और अभिजीत दीपके को बिना किसी वैध दस्तावेज या गिरफ्तारी वारंट के जबरन विमान से हिरासत में ले लिया। उनके फोन जब्त कर लिए गए और कानूनी प्रक्रिया के तहत जरूरी जल्दी सुची भी उपलब्ध नहीं कराई गई। उन्होंने आशंका जताई कि हिरासत के दौरान उनके डिजिटल उपकरणों के साथ छेड़छाड़ या डेटा प्लांटिंग की जा सकती है। इसके अलावा, हिरासत के दौरान वकीलों से संपर्क करने के मौलिक अधिकार से भी वंचित रखने का आरोप लगाया गया।

उपराष्ट्रपति व अन्य ने नवरात्रि के पावन अवसर पर देशवासियों को दी शुभकामनाएं नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह समेत कई नेताओं ने रविवार को नवरात्रि के पावन अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने एक्स पर लिखा, “माँ दुर्गा का आशीर्वाद हम सभी को शक्ति, साहस और उत्तम बुद्धि प्रदान करे। माँ जगदम्बा की कृपा से हम एक सशक्त, समृद्ध और विकसित भारत के निर्माण का अपना संकल्प अवश्य पूरा करेंगे।” प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि माँ जगदम्बा की कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य का संचार हो, तथा राष्ट्रीय एकता और प्रगति का संकल्प और सुदृढ़ हो। ओम बिरला ने कहा कि पर्वतों के राजा हिमालय की पुत्री, माँ शैलपुत्री धैर्य, अटूट संकल्प, पवित्रता और अडिग विश्वास की प्रतीक हैं। उनकी दिव्य पूजा संयम, साहस, कर्तव्य-निष्ठा और आंतरिक शक्ति के साथ जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। माँ भगवती की असीम कृपा हर हृदय को करुणा से, हर परिवार को सुख-समृद्धि से और समाज को प्रेम, एकता और सद्भाव से भर दे। माँ शैलपुत्री के आशीर्वाद से देश शांति, न्याय, सदाचार और मानवीय मूल्यों के पथ पर निरंतर आगे बढ़े और यह पवित्र त्योहार सभी के जीवन में नई ऊर्जा, सकारात्मकता एवं आशा का संचार करे, साथ ही एक सशक्त, सौहार्दपूर्ण और विकसित भारत के निर्माण के देश के संकल्प को और मजबूत बनाए। राजनाथ सिंह ने कहा कि माँ का यह दिव्य स्वरूप प्रकृति के प्रति श्रद्धा, जीवन में दृढ़ता और हर परिस्थिति में अडिग रहने का संकल्प लेने की प्रेरणा देता है।

अब सीजेपी के साथ प्रदर्शन में उतरेंगे राहुल गांधी

नई दिल्ली। काँकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के तीन प्रमुख नेताओं, अभिजीत दीपके, आशुतोष रांका और सौरभ दास को हिरासत में लिए जाने के बाद दिल्ली में राजनीतिक सगर्मी तेज हो गई है। पार्टी ने अजिंक्य शिंदे को विरोध प्रदर्शन का नया कप्तान नियुक्त किया है, जिन्होंने ऐलान किया है कि रविवार को भी आंदोलन नहीं थमेगा। राहुल गांधी ने कहा कि इस बार प्रदर्शन की आवाज पूरे देश में गुंजेगी और पहले से कहीं ज्यादा जोरदार होगी। उन्होंने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, अमित शाह की दिल्ली पुलिस खुद तो गुंडागर्दी पर उतर ही आई। गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह को सीधे चुनौती देते हुए कहा, अमित शाह, जितनी पुलिस लानी है, 10 हजार, 20 हजार, 40 हजार, ले आइए।

बाजपा आरएसएस के जितने गुंडे बुलाने हैं, बुला लीजिए। हम डरने वाले नहीं हैं। पीछे हटने वाले नहीं हैं। ये लड़ाई अब रुकने वाली नहीं है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि सोमवार को वे मुख्य न्यायाधीश से भी मुलाकात करेंगे और मांग करेंगे कि जब दिल्ली की सड़कों पर संविधान को तार-तार किया जा रहा है और लोकतंत्र को कुचला जा रहा है, तब कानून के संरक्षक आंखों पर पट्टी डाल कर नहीं बैठ सकते। उन्होंने और देकर कहा, संविधान की धंजियां उड़ेंगी और हम चुप बैठेंगे? ऐसा हरगिज नहीं होगा। जवाबदेही तय करवाकर रहें। राहुल गांधी ने अपने विरोधियों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि वे नरेंद्र मोदी और आरएसएस के लोगों के खिलाफ एक दशक से भी ज्यादा समय से लड़ रहे हैं और उन्हें अच्छी तरह समझते हैं।

माता रूपी सोरेन की स्मृति में हेमंत सोरेन ने निभाई पारंपरिक रस्में

नेमरा में श्रद्धा और सादगी के साथ किया दिवंगत मां को नमन

रामगढ़। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रविवार को अपने पैतृक गांव नेमरा में दिवंगत माता रूपी सोरेन की स्मृति में सामाजिक एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों का निर्वहन किया। इस दौरान उन्होंने पत्थरा के अनुसार दातून, पानी और भोजन परोसने की रस्म पूरी की। मुख्यमंत्री ने नम आंखों से अपनी मां को याद करते हुए उन्हें नमन किया। इस अवसर पर परिवार के सदस्य, सगे-संबंधी और गांव के लोग मौजूद रहे।

भारतीय रेलवे ने 3,548 एनटीपीसी स्नातक पदों पर भर्ती की शुरू

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे में सरकारी नौकरी का इन्त में भारतीय रेलवे ने 3,548 स्नातक-स्तरीय पदों की घोषणा की है। इन पदों के लिए 8 अक्टूबर से ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, जो 6 नवंबर 2026 तक जारी रहेगी। रेलवे मंत्रालय के अनुसार इस भर्ती के जरिए ट्रेन संचालन, वाणिज्यिक सेवाओं, लेखा और प्रशासन से जुड़े चार प्रमुख पदों को भरा जाएगा। इनमें मालगाड़ी प्रबंधक के लिए 2,750 पद, वरिष्ठ क्लर्क सह टाइपिस्ट 371 पद, कनिष्ठ लेखा सहायक सह टाइपिस्ट 300 पद, मुख्य वाणिज्यिक सह टिकट पर्यवेक्षक के लिए 127 पद हैं। मूल वेतन के अतिरिक्त 7वें केंद्रीय वेतन आयोग के अनुसार निर्धारित भत्ते और सेवा लाभ भी लागू होंगे। आवेदक 6 नवंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकता है और आवेदन शुल्क भुगतान की अंतिम तिथि 8 नवंबर तक है। वहीं, आवेदन पत्र में सुधार या संशोधन के लिए 9 नवंबर से 18 नवंबर तक किया जा सकता है।

काला सागर में हमले के बाद तीन भारतीयों की सुरक्षित वतन वापसी, भारत ने रोमानिया का जताया आभार

एजेंसी। बुखारेस्ट

काला सागर में हमले का शिकार हुए वाणिज्यिक जहाज एमवी रोयाद ममादोव से बचाव गए तीन भारतीय नागरिक रोमानिया से शनिवार को स्वदेश के लिए रवाना हो गए। बुखारेस्ट स्थित भारतीय दूतावास ने इसकी जानकारी देते हुए उनकी सुरक्षित वापसी में सहयोग के लिए रोमानियाई अधिकारियों, चिकित्सा कर्मियों और बचाव दलों का आभार जताया। दूतावास के अनुसार, स्वदेश लौटने वाले भारतीय नागरिकों में साहिल संधू, अश्विनी कुमार और हरमन सिंह शामिल हैं। दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि तीनों की वापसी के लिए आवश्यक सहायता और व्यवस्थाएं की गईं। जहाज पर मंगलवार को हमला हुआ था, जिसके बाद तीनों भारतीयों को बचाया गया। बुधवार को

भारतीय दूतावास के एक प्रतिनिधि ने उनसे मुलाकात की थी। इनमें दो भारतीयों को होटल में ठहराया गया, जबकि घायल तीसरे नागरिक का कॉन्स्टांटा के काउंटी अस्पताल में उपचार चल रहा था। दूतावास ने उनकी जल्द और सुरक्षित स्वदेश वापसी सुनिश्चित करने के लिए जरूरी सहायता उपलब्ध कराई। जहाजरानी कंपनी के स्थानीय एजेंट के माध्यम से मोबाइल फोन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की व्यवस्था की गई। इसके अलावा, उनके लिए भारतीय भोजन

का भी इंतजाम किया गया। इस घटना के बाद भारत ने काला सागर क्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाए जाने की निंदा की थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने नई दिल्ली में मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा कि ऐसे हमले समुद्री व्यापार के लिए खतरा पैदा करते हैं और समुद्री क्षेत्र में काम करने वाले लोगों की जान जोखिम में डालते हैं। उन्होंने कहा कि जहाज पर तीन भारतीय नागरिक सवार थे। तीनों सुरक्षित हैं, हालांकि उनमें से एक घायल हुआ था और उसका उपचार किया जा रहा था। जायसवाल ने इस मामले में सहायता के लिए रोमानियाई अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। भारत ने क्षेत्र में तनाव कम करने, शांति बहाल करने और विवादों का समाधान निकालने के लिए संवाद एवं कूटनीतिक का रास्ता अपनाने की अपील भी दोहराई।

दिल्ली से हटाए जाएं अनावश्यक बैरिकेड्स, नागरिकों को प्रदर्शन का अधिकार: सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली में 10 अक्टूबर को हुए विरोध-प्रदर्शनों के दौरान पुलिस कार्रवाई, प्रदर्शनकारियों की हिरासत और सार्वजनिक आवाजाही पर लगी पाबंदियों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने रविवार को विशेष सुनवाई की। जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस सी. मोहना की पीठ ने निर्देश दिया कि जब तक अत्यंत आवश्यक न हो, दिल्ली में लगाए गए बैरिकेड्स हटाए जाएं और आम नागरिकों की आवाजाही सामान्य की जाए। अदालत ने प्रदर्शनकारियों की हिरासत और अन्य प्रतिबंधों से जुड़े मामलों में दिल्ली पुलिस, केंद्रीय गृह सचिव और दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी)

सहित संबंधित अधिकारियों को नोटिस भी जारी किए। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि नागरिकों को शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन करने का अधिकार है, लेकिन प्रदर्शनों की प्रक्रिया कानून के अनुरूप होनी चाहिए। पीठ ने कहा कि विरोध करने के अधिकार पर कोई विवाद नहीं है, मगर इसके लिए पुलिस अधिनियम और लागू नियमों का पालन करना जरूरी है। अदालत ने यह भी जोर दिया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के नाम पर आम लोगों की स्वतंत्र आवाजाही पर अनावश्यक

बाधाएं नहीं होनी चाहिए। किस मामले में हुई सुनवाई? : सुप्रीम कोर्ट की यह सुनवाई अधिवक्ता शैलेन्द्र त्रिपाठी की ओर से दायर अवमानना याचिका पर हुई। इसमें 9 अक्टूबर को अदालत द्वारा दिए गए आदेश का हवाला दिया गया था। वह आदेश दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान मेट्रो स्टेशनों को बंद करने और दिल्ली आने वाली ट्रेनों को रद्द किए जाने से संबंधित मामलों में दिया गया था। नई सुनवाई में प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेने, मेट्रो सेवाओं और बैरिकेडिंग

के कारण नागरिकों की आवाजाही प्रभावित होने जैसे मुद्दे उठाए गए। हिरासत और निषेधाज्ञा पर कपिल सिब्बल की दलील : वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिए जाने और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएसएसएफ) की धारा 163 को तहत प्रतिबंधात्मक आदेश लागू करने पर खयाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि कुछ लोगों को ट्रेनों से उतारकर हिरासत में लिया गया। सिब्बल ने इंटरनेट सेवाओं पर प्रतिबंध का मुद्दा भी उठाया और अनुरुद्धा भसीन बनाम भारत संघ मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिया।

उपद्रव प्रदेश से उत्सव प्रदेश बना यूपी, नारी शक्ति बनी विकास की धुरी: मुख्यमंत्री योगी

एजेंसी। लखनऊ

शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के क्षेत्र में आए बदलाव को रेखांकित किया है। उन्होंने कहा कि मातृशक्ति के स्वास्थ्य से लेकर बेटियों के उज्ज्वल भविष्य तक डबल इंजन सरकार की कल्याणकारी योजनाएं नारी सशक्तीकरण को नित्य नई मजबूती प्रदान कर रही है। मुख्यमंत्री ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार ने उत्तर प्रदेश को उपद्रव प्रदेश से उत्सव प्रदेश बनाने के साथ ही नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को नई दिशा प्रदान की है। वर्ष 2017 से पहले

जिन बेटियों के लिए घर की चौखट पार करना भी चुनौती थी, आज वही बेटियां नाइट रिफ्ट में काम करते हुए प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान कर रही हैं। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश के 50 प्रतिशत से अधिक स्टार्टअप का नेतृत्व आज नारी शक्ति कर रही है। वहीं, महिला कार्यबल भागीदारी दर 12 प्रतिशत से बढ़कर 36 प्रतिशत से अधिक हो गई है। यह महिलाओं के बढ़ते विश्वास और उनके लिए उपलब्ध अवसरों के विस्तार का स्पष्ट प्रमाण है। उन्होंने कहा कि मातृशक्ति के स्वास्थ्य

से लेकर बेटियों के उज्ज्वल भविष्य तक डबल इंजन सरकार की कल्याणकारी योजनाएं नारी सशक्तीकरण को निरंतर मजबूती प्रदान कर रही हैं। 'प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना' और 'पोषण अभियान' से माताओं एवं शिशुओं के स्वास्थ्य और पोषण को संभल मिला है। 'मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना' और 'सुकन्या समृद्धि योजना' बेटियों के भविष्य को आर्थिक सुरक्षा प्रदान कर रही हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि मिशन शक्ति, ऑपरेशन कायाकल्प, कस्तूरबा बालिका विशालय, सेफ सिटी, रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना और लोकमित्रता से अहिल्याबाई होल्कर वर्किंग वुमन हॉस्टल जैसी पहले महिलाओं की शिक्षा, सुरक्षा, गतिशीलता और आत्मनिर्भरता के नए रास्ते खोल रही हैं।

रियाद एयरपोर्ट पर हमले की भारत ने की कड़ी निंदा

नई दिल्ली। भारत ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद स्थित किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट और अन्य नागरिक बुनियादी ढांचों पर हाल ही में हुए हमलों की कड़े शब्दों में निंदा की है। विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया, “हम पिछले कुछ दिनों में रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बार-बार हुए हमलों की कड़ी निंदा करते हैं, जिसमें 10 अक्टूबर को हुआ कायराणा हमला भी शामिल है। इन हमलों में लोगों की जान गई, वे घायल हुए और संपत्ति को नुकसान पहुंचा। हम मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदन व्यक्त करते हैं और घायलों के जल्द ठीक होने की कामना करते हैं। आम नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचे पर बार-बार होने वाले हमले पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं और इन्हें तुरंत रोकना चाहिए। हम सऊदी अरब साम्राज्य की संप्रभुता की रक्षा में वहाँ की जनता और सरकार के साथ एकजुटता से खड़े हैं और उम्मीद करते हैं कि इस क्षेत्र में जल्द से जल्द शांति और सामान्य स्थिति बहाल होगी। उल्लेखनीय है कि पहले हमला मंगलवार को आभा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुआ। यहाँ पर मोरक्को और अल्जीरिया की दो महिलाओं की मौत हो गई।

मणिपुर में अब तक 9 की मौत, सीएम ने की हत्या व हिंसा की निंदा

इम्फाल। मणिपुर के हिंसा प्रभावित पहाड़ी जिलों में रविवार को भी तनाव बना रहा और दो समुदायों के बीच ताजा झड़पों में मरने वालों की संख्या अब 9 हो गई है। इस बीच सीएम वाई खेमचंद सिंह ने शांति और संयम बनाए रखने की अपील की और अधिकारियों से स्थिति को नियंत्रण में लाने को कहा। बता दें शुक्रवार-शनिवार को कामजोंग, उखरल और कांगपोकपी जिलों में हिंसा की ताजा घटनाओं में कई लोगों की मौत की खबरें सामने आईं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम ने पोस्ट में कहा कि मैं निंदोष नागरिकों की हत्या और हिंसा की निंदा करता हूँ। मैंने संबंधित अधिकारियों को शांति और कानून-व्यवस्था बहाल तथा सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल और प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। सभी समुदायों से स्थिति को शांत करने के लिए संयम बरतने और शांति, संवाद तथा सद्भाव को प्रोत्साहित करने की भी अपील की। सबसे ज्यादा प्रभावित कांगपोकपी और कामजोंग जिलों में अतिरिक्त सुरक्षा बल भेजे गए हैं। अधिकारियों के मुताबिक शनिवार को संदिग्ध उग्रवादी कामजोंग जिले में भारत-म्यांमा सीमा के पास तंगखुल नामा समुदाय की बस्ती निंगची गांव में भी घुस गए और गोलीबारी की।

संक्षिप्त समाचार

जेपी का नाम लेने वाले अनेक लेकिन उनके विचारों को नीति और व्यवहार में उतारने वाले सिर्फ नीतीश कुमार - उमेश

पटना। जदयू प्रदेश कार्यालय, पटना में शनिवार को महान स्वतंत्रता सेनानी एवं संपूर्ण क्रांति के प्रणेता, भारत रत्न लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा सहित वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उनके तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके विचारों एवं आदर्शों को स्मरण किया। कार्यक्रम में विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उप-नेता सह विधान पार्षद ललन कुमार सर्राफ, मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी, पूर्व विधायक विक्रम कुँवर, प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी अंजुम आरा, प्रदेश महासचिव चंदन कुमार सिंह, शिवनंदन सिंह, जेपी सेनानी अशोक भगत सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती पर नीतीश कुमार ने किया नमन

पटना।जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार ने महान स्वतंत्रता सेनानी, प्रखर समाजवादी नेता, सम्पूर्ण क्रांति के प्रणेता एवं भारत रत्न लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन किया। उन्होंने लोकनायक के लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक न्याय और जनहित के प्रति समर्पण को स्मरण करते हुए कहा कि उनका संघर्ष, त्याग और विचार भारतीय लोकतंत्र की अमूल्य विरासत हैं। अन्याय के विरुद्ध उनकी आवाज और सम्पूर्ण क्रांति का संदेश आज भी समाज को प्रेरित करता है। लोकनायक के आदर्श समतामूलक, न्यायपूर्ण एवं संवेदनशील समाज के निर्माण की दिशा में सदैव मार्गदर्शन करते रहेंगे।

शारदीय नवरात्रि पर नीतीश कुमार ने प्रदेशवासियों को दाँ हार्दिक शुभकामनाए

पटना।जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार ने शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने शुभकामना देते हुये कहा कि मां दुर्गा शक्ति, साहस, करुणा और कल्याण की अधिष्ठात्री देवी हैं। नवरात्रि का पावन पर्व श्रद्धा, आस्था, आत्मसंयम और सदाचार के साथ मानवता की सेवा तथा परंप्रकार का संदेश देता है। मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना हमें अन्याय के विरुद्ध खड़े होने, सद्भाव बनाए रखने और समाज में सकारात्मक मूल्यों को सुदृढ़ करने की प्रेरणा देती है। नीतीश कुमार ने कामना की कि मां दुर्गा की कृपा से बिहार सहित समस्त देश में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली बनी रहे तथा सभी प्रदेशवासियों के जीवन में आरोग्य, उत्साह और नई ऊर्जा का संचार हो।

जेपी की जयंती पर सोशलिस्ट ग्रीन अलायंस का आगाज

पटना। सोशलिस्ट पार्टी (इंडिया) के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव संदीप पांडेय एवं इंडिया ग्रीन्स पार्टी के संस्थापक सुरेश नौटियाल की पहल पर लंबाई तथा पर्यावरण के गंभीर संकेत के महोत्सव देश में दूसरी बार राजनैतिक गठबंधन के निर्माण की प्रक्रिया शुरू की गई है, जिसमें प्रथम चरण में छह राजनैतिक पार्टियों ने कुछ कॉमन एजेंडों के साथ गठबंधन में शामिल होने की स्वीकृति दे दी है, जिसमें सोशलिस्ट पार्टी (इंडिया), इंडिया ग्रींस पार्टी, तमिलनाडु ग्रीन पार्टी, वोटस पार्टी इंटरनेशनल, राइटटू रिक्लॉक पार्टी और आदर्श संग्राम पार्टी शामिल हैं।राजनैतिक गठबंधन की प्रक्रियाओं के इस प्रारंभिक चरण में तय किया गया है कि गठबंधन का नाम सोशलिस्ट ग्रीन अलायंस है। गठबंधन की समन्वय समिति में दो संयोजक तय किये गये हैं, जिसमें दक्षिण भारत तमिलनाडु से डॉ. एसपी उदय कुमार तथा उत्तर भारत (लखनऊ) से डॉ संदीप पांडेय (रेमन मैसैसे पुरस्कार से सम्मानित) शामिल हैं।समन्वय समिति के अन्य पदाधिकारियों एवं सदस्यों की घोषणा शीघ्र की जायेगी। गठबंधन का विस्तृत उद्देश्य एवं कॉमन एजेंडा शीघ्र प्रकाशित किया जाएगा। गठबंधन की पूर्ण स्वरूप की औपचारिक घोषणा अगले माह नवम्बर के प्रथम सप्ताह में दिल्ली में की जायेगी।

नीतीश कुमार ने पटना के गांधी मैदान में किया 71वें श्री रामलीला महोत्सव का उद्घाटन

पटना। पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में 71वें श्री रामलीला महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर पिछले 20 वर्षों में हुए विकास-कार्यों पर प्रशंसी भी लगाई गई है। महोत्सव एवं प्रदर्शनी का उद्घाटन बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने किया। आज से शुरू होकर 21 अक्टूबर 2026 तक चलने वाला इस महोत्सव एवं प्रदर्शनी का आयोजन श्री दशहरा कमिटी ट्रस्ट ने किया है। इस मौके पर विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उपनेता ललन सर्राफ, मुख्य सचेतक संजय गांधी, श्री दशहरा कमिटी ट्रस्ट के चेयरमैन कमल नोपानी, अध्यक्ष अरुण कुमार, महासचिव प्रिंस कुमार राजू, कोषाध्यक्ष डॉ धनंजय कुमार, संयोजक मुकेश नंदन, सुष्मा साहू सहित अन्य पदाधिकारी एवं सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह के दौरान नीतीश कुमार ने कहा कि श्रीराम भारतीय संस्कृति के पर्याय हैं। आज जरूरत इस बात की है कि हम केवल उनकी संकनीति नहीं लें, बल्कि उनके आदर्शों को भी जीवन में उतारें। उन्होंने आयोजन समिति को बधाई देते हुए कहा कि इस महोत्सव से लाखों श्रद्धालुओं को मयार्द पुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन और आदर्शों से जुड़ने का अवसर मिलता है। संस्कृति को संरक्षने की यह प्रशंसीय पहल है। नीतीश कुमार ने आगे कहा कि पिछले दो दशकों में बिहार की जितनी पहचान सुरासासन और विकास-कार्यों से बनी है, उतनी ही इसकी सांस्कृतिक विरासत और परंपरा को नई भव्यता मिलने से भी बनी है। श्री रामलीला महोत्सव जैसी जीवंत सांस्कृतिक परंपरा ने बिहार की पहचान को और सशक्त बनाया है।

स्टारलिक पर कांग्रेस का यू-टर्न या राजनीतिक सुविधा? राहुल गांधी देश को जवाब दें! : सुमन

पटना। राष्ट्रीय अध्यक्ष, हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (से.) एवं लघु जल संसाधन मंत्री, — डॉ. संतोष कुमार सुमन ने कहा कि मार्च 2025 में कांग्रेस महासचिव जयसम रमेश ने स्टारलिक की भारत में एंटी को लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा के सवाल उठाए थे। लेकिन अक्टूबर 2026 में एलन मस्क ने भारत में स्टारलिक की मंजूरी में देरी और भारतीय उद्योगपतियों के प्रभाव पर सवाल उठाए, तो राहुल गांधी ने उनका स्वागत करते हुए लिखा राहुल गांधी जी, जब आपको पार्टी खुद स्टारलिक की एंटी पर सुरक्षा संबंधी चिंताएँ जता रही थी, तो आज आप उसी कंपनी के मालिक का स्वागत किस नीतिगत आधार पर कर रहे हैं?आपको देश को तीन सवालों का स्पष्ट जवाब देना चाहिए। पहला, क्या कांग्रेस आज भी मानती है कि स्टारलिक के संचालन पर भारत का पूरा नियामकीय और सुरक्षा नियंत्रण सुनिश्चित होना चाहिए? दूसरा, क्या आपने एलन मस्क से डेटा सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े सवालों पर कोई जवाब माँगा है? तीसरा, यदि आपकी पार्टी की चिंताएँ वास्तविक थीं, तो आज उन पर आपकी चुप्पी या बदला हुआ रुख किस बात का संकेत है? राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे गंभीर विषय पर कांग्रेस का रुख राजनीतिक सुविधा के अनुसार नहीं बदलना चाहिए

मुख्यमंत्री ने पटना मेट्रो रेल परियोजना का निर्माण वर्ष 2028 तक पूर्ण करने तथा नेहरू पथ पर दो फुट ओवरब्रिज बनाने का दिया निर्देश

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को नेहरू पथ पर चल रहे पटना मेट्रो रेल परियोजना के निर्माण कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने इनकम टैक्स गोलंबर, हाई कोर्ट चौराहा एवं हनुमान मंदिर के समीप पहुंचकर निर्माण कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों से कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पटना मेट्रो रेल परियोजना का निर्माण कार्य वर्ष 2028 तक पूर्ण करें। परियोजना के क्रियान्वयन में गुणवत्ता एवं सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन करें। उन्होंने कहा कि जे०डी० मिमेंस कॉलेज तथा हाईकोर्ट चौराहा-बिहार म्यूजियम के पास नेहरू पथ पर फुट ओवरब्रिज का निर्माण करावें। मुख्यमंत्री ने



निर्देश दिया कि मेट्रो निर्माण कार्य के दौरान आम नागरिकों को कम से कम असुविधा हो, इसके लिए व्यवस्थित एवं समन्वित तरीके से कार्य किया जाए। निर्माण स्थलों के आसपास यातायात प्रबंधन, आवागमन की सुगमता तथा नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता

देने पर उन्होंने जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि निर्माण कार्य इस प्रकार संचालित किए जाएं कि शहरवासियों के दैनिक आवागमन पर न्यूनतम प्रभाव पड़े और विकास कार्यों के साथ-साथ जनसुविधाओं का भी पूरा ध्यान रखा जाए।

देश की संस्कृति का कस्टूडियन हैं बिहार : राज्यपाल

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।बिहार राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सेवानिवृत्त सैयद अता हसनैन ने कहा कि देश के भूगोल में बिहार में असली कल्चर दिखता है। इसलिए देश की संस्कृति का कस्टूडियन बिहार है। वे रविवार को रवींद्र भवन, पटना में स्पीक मैके एवं श्रीम एजुकेशनल ट्रस्ट की ओर से आयोजित तीन दिवसीय दुर्गा स्वर्त्सव 2026 का समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्पीक मैके के साथ उनका संबंध बहुत ही पुराना है और यह संस्था देश की संस्कृति को जागृत करता है।उन्होंने कहा कि बिहार कला संस्कृति की भूमि रहा है और बिहार का संस्कृति के साथ जुड़ाव रहा है। बिहार में इस कार्यक्रम का आयोजन कला संस्कृति के लिए एक मूलबिध जैसा है। राज्यपाल ने प्रदेश वासियों को दशहरा की शुभकामना देते हुए कहा कि अगले दस दिनों तक बिहार में संस्कृति व परंपरा के साथ जुड़ाव दिखेगा। रविवार को भारतीय शास्त्रीय नृत्य और सांस्कृतिक परंपराओं की दो विशिष्ट प्रस्तुतियों के साथ हुआ। स्पिक मैके और श्रीम एजुकेशनल



ट्रस्ट द्वारा बिहार सरकार के कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के सहयोग से आयोजित इस महोत्सव ने दुर्गा पूजा के अवसर पर पटना की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा को पुनर्जीवित करने के प्रयास को आगे बढ़ाया। समापन समारोह में बिहार सरकार के कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के सचिव प्रणव कुमार तथा स्पिक मैके की अध्यक्ष डॉ. माया शंकर भी इस अवसर पर उपस्थित रहें। संस्था की पहली प्रस्तुति में पद्मश्री सम्मान से अलंकृत विदुषी गीता चंद्रन और उनके नाट्य वृक्ष डॉस कलेक्टिव ने शिव शक्ति के माध्यम से भरतनाट्यम की भावपूर्ण अभिव्यक्ति प्रस्तुत की। इस नृत्य-रचना में भगवान शिव और

देवी शक्ति के संबंध तथा सृष्टि की विविध ऊर्जाओं को शास्त्रीय नृत्य, लय और भावों के माध्यम से दर्शाया गया। इसके बाद तमल कांति रजक और उनके पुरलिया छऊ नृत्य दल ने महिषासुर मर्दिनी की प्रभावशाली प्रस्तुति दी। पारंपरिक मुखौटों, ऊर्जावान नृत्य-गितियों और नाटकीय अभिव्यक्ति के माध्यम से माँ दुर्गा की महिषासुर पर विजय की पौराणिक गाथा को मंच पर साकार किया गया। इस प्रस्तुति ने शक्ति, साहस और अधर्म पर धर्म की विजय के शाश्वत संदेश को रेखांकित किया। दुर्गा स्वर्त्सव का उद्देश्य दुर्गा पूजा के दौरान पटना में शास्त्रीय संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियों की पुरानी

विद्युत सुरक्षा मानक का हो पालन : ऊर्जा सचिव

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।दुर्गापूजा के अवसर पर राजधानी पटना में निर्बाध, गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ऊर्जा सचिव एवं अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, बिहार स्टेट पावर हेरिल्डिंग कंपनी लिमिटेड, अजय यादव तथा साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक सौरभ जोरवाल ने राजधानी के प्रमुख चौराहों पर बन रहे दुर्गा पूजा पंडालों का निरीक्षण किया।इनमें 33/11 केवी विद्युत शक्ति उपकेंद्र, श्रीकृष्ण मेमोरियल,डाकबंगला चौराहा स्थित विद्युत पूजा समिति के पंडाल,भूमि विकास बैंक, बुद्ध मार्ग स्थित दुर्गा पूजा पंडाल,बेली रोड स्थित खाजपुरा शिव मंदिर के समीप दुर्गा पूजा पंडाल शामिल है। निरीक्षण के दौरान पूजा पंडालों में विद्युत व्यवस्था, तारों एवं विद्युत उपकरणों की सुरक्षा, विद्युत लाइनों की स्थिति, ट्रांसफार्मर एवं फीडर

» दुर्गापूजा के दौरान सुरक्षित एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु पटना के प्रमुख पूजा पंडालों का निरीक्षण

की तैयारी तथा आपातकालीन परिस्थिति में त्वरित कार्रवाई की व्यवस्था की समीक्षा की गई। पंडालों के आसपास लटके या जर्जर तारों को तत्काल दुरुस्त कराने, भीड़भाड़ वाले स्थानों से गुजरने वाली लाइनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा विद्युत संबंधी किसी भी खतरे को समय रहते समाप्त करने के निर्देश दिए गए। ऊर्जा सचिव अजय यादव ने संबंधित अधिकारियों एवं अभियंताओं को निर्देश दिया कि दुर्गा पूजा के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने सभी प्रमुख पूजा पंडालों एवं उनके आसपास के क्षेत्रों में विद्युत नेटवर्क

का गहन निरीक्षण कर आवश्यक अनुरक्षण कार्य निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया के अनुरूप पूरा करने को कहा।उन्होंने विशेष रूप से एचटी एवं एलटी विद्युत नेटवर्क, वितरण ट्रांसफॉर्मरों तथा संबंधित विद्युत उपकरणों का समुचित रखरखाव, आवश्यकतानुसार गुणवत्तापूर्ण डाइइलेक्ट्रिक पेंट का उपयोग तथा सभी सुरक्षा मानकों के अनुपालन पर जोर दिया। साथ ही, विद्युत कार्यों में लगे सभी कर्मियों को निर्धारित वर्दी में रहने तथा कार्यस्थल पर अनुशासन एवं सुरक्षा नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने का निर्देश दिया।प्रबंध निदेशक सौरभ जोरवाल ने कहा कि दुर्गापूजा के दौरान विद्युत वितरण क्षेत्र में नियंत्रण कक्ष सक्रिय रखे जाएंगे। म्यूज कॉल सेंटर, फील्ड टीमें एवं आपातकालीन रिपेयरिंग दलों को पूरे त्योंहार के दौरान अलर्ट रखा जाएगा, ताकि किसी भी शिकायत या विद्युत खराबी की सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई की जा सके।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की जयंती के अवसर पर भावभीनी श्रद्धांजलि दी



नई सोच एक्सप्रेस

पटना।लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की जयंती के अवसर पर आयकर गोलम्बर स्थित प्रतिमा स्थल पर आयोजित राजकीय समारोह में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) श्री सैयद अता हसनैन एवं मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, सहकारिता मंत्री राम

कृपाल यादव, विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री शौला कुमारी, विधान पार्षद संजय मयूख, पूर्व विधान पार्षद कुमुद वर्मा सहित अनेक सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ताओं एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्-शत नमन किया एवं श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग के कलाकारों द्वारा आरती-पूजन, राष्ट्रीय गीत, राष्ट्र गान, बिहार गीत एवं देश भक्ति गीतों का गायन भी किया गया।

लोकतंत्र के सशक्त प्रहरी थे लोकनायक जयप्रकाश नारायण : राजीव रंजन प्रसाद

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती पर ग्लोबल कायस्थ कॉफ्रेंस (‘जीकेसी’) की ओर से उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं जीकेसी के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और सामाजिक परिवर्तन के लिए जयप्रकाश नारायण का संघर्ष सदैव देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने कहा कि जयप्रकाश नारायण का जीवन त्याग, संघर्ष, नैतिकता और जनसेवा का अनुपम उदाहरण है। उनके संपूर्ण क्रांति आंदोलन ने युवाओं, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को भ्रष्टाचार, सामाजिक विषमता तथा सार्वजनिक जीवन में नैतिक मूल्यों के हास के खिलाफ आवाज उठाने की प्रेरणा दी। आपातकाल के दौरान लोकतंत्र और नागरिक स्वतंत्रताओं की रक्षा के लिए उनका संघर्ष

भारतीय इतिहास में विशेष महत्व रखता है। जीकेसी की प्रबंध न्यासी रागिनी रंजन ने कहा कि जयप्रकाश नारायण के विचार आज भी सुशासन, पारदर्शिता, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती के लिए प्रासंगिक हैं। राष्ट्रीय महासचिव नवीन कुमार ने उनके आदर्शों को आत्मसात करने और न्यायपूर्ण एवं समतामूलक समाज के निर्माण का संकल्प लेने का आह्वान किया। प्रदेश अध्यक्ष दीपक अभिषेक ने उन्हें भारतीय लोकतंत्र की चेतना का प्रतीक बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मधुकर वर्मा ने की। इस अवसर पर नीलेश रंजन, धनंजय प्रसाद, रवि सहाय, मुकेश महान, बब्बू श्रीवास्तव, सुमन श्रीवास्तव, प्रवीण कुमार वर्मा, आलोक वर्मा, अतुल कुमार श्रीवास्तव, आकाश राज, अजय श्रीवास्तव, राजीव कुमार, आयुष राहुल, अनिल कुमार श्रीवास्तव, प्रिंस कुमार श्रीवास्तव, मधुमाला, नीतेश कुमार और प्रसून श्रीवास्तव सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

अनीश अंकुर की पुस्तक अवलोकन पुनरावलोकन का लोकार्पण

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।कला समीक्षक अनीश अंकुर की पुस्तक अवलोकन पुनरावलोकन का लोकार्पण 11 अक्टूबर को पटना संग्रहालय में किया गया। पुस्तक का लोकार्पण बिहार संग्रहालय के महानिदेशक अंजनी कुमार सिंह, लेखक एवं कला समीक्षक सुमन कुमार सिंह, बिहार संग्रहालय के अपर निदेशक अशोक कुमार सिन्हा, बापू टावर के निदेशक विनय कुमार तथा पटना कला एवं शिल्प महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य अजय पाण्डे ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम का संचालन जयप्रकाश ने किया।इस अवसर पर बिहार संग्रहालय के अपर निदेशक

अशोक कुमार सिन्हा ने कहा कि अनीश अंकुर बिहार संग्रहालय में आयोजित कला प्रदर्शनीयों की लगातार समीक्षा लिखते रहे हैं। ह्यअवलोकन पुनरावलोकनहू उन्होंने समीक्षाओं का संग्रह है। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक कला को समझने की एक नई दृष्टि प्रदान करती है।लेखक एवं कला समीक्षक सुमन कुमार सिंह ने बिहार में कला लेखन और उसके दस्तावेजीकरण की कमी की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि बिहार में कला के क्षेत्र में लेखन का काम काफी पीछे रहा है। पटना के चित्रकारों और पटना कला महाविद्यालय के इतिहास से संबंधित दस्तावेज बहुत कम उपलब्ध हैं। ऐसे में अनीश अंकुर का लेखन महत्वपूर्ण है। वे

कला के क्षेत्र में दस्तावेजीकरण का जरूरी काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब कोई कलाकार स्वयं अपनी कला पर लिखता है, तो कई बार इतिहास की दृष्टि का अभाव रह जाता है। बिहार में किसी व्यक्ति द्वारा कला पर लगातार लेखन किया जाना एक महत्वपूर्ण घटना है। अनीश अंकुर कला जगत के लिए बड़ा काम कर रहे हैं। पुस्तक के लेखक अनीश अंकुर ने अपने वक्तव्य में कहा कि कला पर लेखन का सिलसिला काफी समय से चल रहा था। कला से उनका जुड़ाव आंदोलन के रास्ते हुआ। बिहार संग्रहालय की स्थापना के बाद यहां लगातार कला प्रदर्शिनियां आयोजित होने लगीं, जिससे उनके लेखन को गति मिली।

समाज सेवा के मिशाल थे अग्रसेन महाराज : सरावगी

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। अग्रसेन सेवा न्यास, पटना की ओर से महाराज अग्रसेन की जयंती रविवार, 11 अक्टूबर 2026 को भव्य समारोह के रूप में मना। इस मसैके पर उद्घाटन कर्ता बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि अग्रसेन महाराज समाज सेवा के मिशाल के रूप में जाने जाते हैं उनके ही प्रयास से आज 18 गोत्रों में बंटे उनके वंशज दान व समाज सेवा की परंपरा का निर्वहन कर रहे हैं। उन्होंने अगसेन समाज से हा कि वे समाज सेवा में बहचढ़ कर भाग ले और लोगों को मदद करें। इस मौके पर बिहार विधान विधान परिषद में उपनेता ललन शर्माफ ने कहा कि महाराज अग्रसेन महाराज ने हमलोगों को सहज दिया वह प्रेरणादायक है। जरूरत है वैश्य समाज की सभी 56 उपजातियों को मिलकर अभियान चलाने की तब हमारा मुकाबला काई वर्ग नहीं कर सकता है। इस मौके पर महाधिवक्ता एस दी संजय ने कहा कि महाराज अग्रसेन की वजह से ही आत अग्र वंशजों में एकता है जो प्रजातंत्र के जिए सरकार के प्रयास से हिसार प्यरपोट के नम महाराज अग्रसेन के नाम पर हुआ।



बल ही सबसे अहम हथियार है। इस मौक पर बिहार विधान विधान परिषद में उपनेता ललन शर्माफ ने कहा कि महाराज अग्रसेन महाराज ने हमलोगों को सहज दिया था। उनके लोग 18 गोत्रों में बंटे हैं और उनके द्वारा जगह जगह स्कूल, कॉलेज, धर्मशाला व गोशाला बनाया जा रहा है। बिहार सरकार ने भी अग्रसेन महाराज को सम्मान दिया जिसके चलते पुराने बैंक रोड का नाम महाराज अग्रसेन पथ हुआ। साथ ही केन्द्र सरकार के प्रयास से हिसार प्यरपोट के नम महाराज अग्रसेन के नाम पर हुआ।

उन्होंने बताया कि भारत सरकार ने अग्रसेन महाराज पर डाक टिकट जारी किया जो देश में सबसे अधिक बिकने वाला डाक टिकट बना। न्यास की ओर से सभी समाज बंधुओं ने समारोह में सपरिवार उपस्थित होकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई तथा महाराजा अग्रसेन के आदर्शों, सामाजिक समरसता, सेवा और आपसी सहयोग के संदेश को ग्रहण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री पी. के. अग्रवाल ने किया, आप अग्रवाल चैरिटेबल ट्रस्ट एवं बिहार चैबर और आफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज

■ अग्रसेन सेवा न्यास द्वारा अग्रसेन जयंती समारोह का भव्य आयोजन

■ विशिष्ट अतिथि ललन सर्राफ और सत्यदर्शी संजय हुए शामिल

के अध्यक्ष हैं। महाराजा अग्रसेन जी की जयंती समाज में एकता, समानता, सेवा भावना और लोककल्याण के आदर्शों को स्मरण करने का महत्वपूर्ण अवसर है। इस आयोजन के माध्यम से समाज के लोगों को इन आदर्शों से प्रेरणा लेने और सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इस मौके पर संयोजक अक्षय कुमार अग्रवाल सचिव निर्मल अग्रवाल, अश्वी पोद्दार, अग्रवाल महिला समाज की अध्यक्ष डॉ गीता जैन,

विजय किशोर पुरिया, संजय भालोटिया, हनुमान गोयल, एन के अग्रवाल डॉ बीके अग्रवाल,डॉ शशि मोहनका, डॉ सुवाष कुमार सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। समाज गौरव सम्मान : दसवीं और बारहवीं में उत्कृष्ट प्रदर्श करने वाले विद्यार्थी को सम्मानित किया गया। इसमें स्वाति स्नेह, आरव शौर्य, कृष्णा खेरिया, अद्विक अग्रवाल, वैदिका अग्रवाल, आरव अग्रवाल, आदित्य गौरव, सानवी, यतीश अग्रवाल, रिद्धिमा अग्रवाल, अक्षरा पोद्दार को दिया गया। इन किस्तिस्कों को किया गया सम्मानित : डा.कन्हैया अग्रवाल, डा.सुभाष कुमार, डा.शशि मोहनका, डा.नितिन मैतिन, डा. बी के अग्रवाल, डा.सुनील अग्रवाल, डा. रचना जैन, डा.शोभा देवी। समाज रत्न से इन्हें किया गया सम्मानित : सीताराम बंका, सूर्य नारायण, राजेश मखरिया, रमेश कुमार अग्न रवाल। डॉडिया पर खुब झुमी महिलाएं: अग्रसेन जयंति समारोह के समापन के बाद डॉडिया कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। एक से बढ़कर एक हिंदी फिल्मी गीतों पर महिलाओं ने खूब टुमके लगाए।

संक्षिप्त समाचार

पूजा पर्व के दौरान सुरक्षित एवं समयबद्ध रेल परिचालन सुनिश्चित करने के लिए सोनपुर मंडल ने शुरू किया ‘साप्ताहिक मेगा ब्लॉक अभियान

पटना।आगामी प्रमुख त्योहारों दशहरा, दिवाली एवं छठ पूजा के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ तथा अतिरिक्त एवं स्पेशल ट्रेनों के संचार, सुरक्षित और समयबद्ध परिचालन को ध्यान में रखते हुए पूर्व मध्य रेल के सोनपुर मंडल ने एक सुनियोजित साप्ताहिक मेगा ब्लॉक अभियान की शुरुआत की है। इस विशेष पहल के तहत सप्ताह में एक दिन 5 घंटे का सर्मांचित ब्लॉक रखरखाव से जुड़े विभिन्न विभागों जैसे इंजीनियरिंग, सिग्नल एवं दूरसंचार (S&T), विद्युत,टीआरडी (TRD), गति शक्ति एवं निर्माण इकाइयों को प्रदान किया जाएगा। इस मेगा ब्लॉक का मुख्य उद्देश्य रेल परिसंपत्तियों (Track, Signaling, OHE आदि) के प्रदर्शन और कार्यक्षमता में व्यापक सुधार करना है, जिससे आगामी त्योहारी सीजन में होने वाले संभावित परिसंपत्ति विफलताओं (Asset Failures) को न्यूनतम,शून्य किया जा सके। इसके परिणामस्वरूप ट्रेनों की रकड़अलिटी (समयबद्धता) बेहतर होगी और यात्रियों को निर्बाध व सुरक्षित यात्रा का अनुभव मिलेगा। इस अभियान का पहला मेगा ब्लॉक 10 अक्टूबर 2026 को शाहपुर पटोरी हाजीपुर रेलखंड पर सफलतापूर्वक संचालित किया गया है। 5 घंटे के इस संयुक्त ब्लॉक के दौरान सभी विभागों ने एक साथ मिलकर कार्य किया और कुल 23 घंटे 05 मिनट के संचयी (Cumulative) रखरखाव कार्य का सफल निष्पादन किया गया।

गुजरात में बिहार के मजदूरों के शोषण पर मौन क्यों है भाजपा व बिहार सरकार: डॉ अजय

पटना। गुजरात के झूठे विकास मॉडल के नाम पर पूरे देश में चेहरा चमकाने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पोल बिहार से एनडीए शासन काल में पलायन को मजबूर बिहारी मजदूरों ने खेलकर रख दी है। उचित वेतन और काम के ज्यादा घंटों की दिनचर्या के खिलाफ गुजरात से दस लाख की संख्या में बिहारी मजदूरों का “गांव चलो अभियान” का आह्वान ये स्पष्ट करता है कि गुजरात की बाहरी चकाचौंध केवल नरेंद्र मोदी का प्रचार स्टेट था। ये बातें बिहार कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता डॉ अजय कुमार पासवान ने बयान जारी कर कही है।डॉ. अजय पासवान ने कहा कि कमोबेश 20 वर्षों के एनडीए शासन काल में रोजी रोजगार पर काम नहीं करने को बिहार के लोग गुजरात सहित अन्य राज्यों में पलायन को मजबूर हुए हैं और आज उनका विभिन्न राज्यों में फैक्ट्रियों में शोषण हो रहा है ।

शिक्षकों-कर्मचारियों पर दर्ज मुकदमे रद्द हों : भाकपा

पटना। विशिष्ट विश्वविद्यालय अधिनियम 2026 एवं इसके तहत पाठलिपुत्र विश्वविद्यालय के महिला हहाविद्यालयों को मिला माता सीता विश्वविद्यालय बनाने के सरकार के फैसले के खिलाफ दिनांक 10 अक्टूबर को लोक भवन मार्च कर रहे शिक्षकों - कर्मचारियों पर बर्बर पुलिसिया दमन का भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने घोर निन्दा की है और उन पर दर्ज आन्तराधिक मुकदमों को अविलंब रद्द करने की मांग की है। भाकपा के राज्य सचिव मंडल सदस्य रामलला सिंह एवं पटना जिला सचिव सह बिहार राज्य कार्यकारिणी सदस्य विश्वजोत कुमार ने संयुक्त प्रेस विज्ञापित जारी कर कहा कि एक तरफ बिहार सरकार द्वारा शिक्षा के साम्प्रदायिकरण एवं निजीकरण और नई शिक्षा नीति 2020 को बिहार में लागू करने के लिए अलोकतांत्रिक तरीके से राज्य के पारंपरिक विश्वविद्यालय को ध्वस्त करने के लिए, उनकी स्वायत्तता को खत्म करने के लिए तथा विश्वविद्यालयों को राज्य सरकार के अधीन करने के लिए गोपनीय तरीके से विशिष्ट विश्वविद्यालय अधिनियम 2026 को बनाया है। जिसका दुष्प्रभाव शिक्षकों, कर्मचारियों से भी ज्यादा विद्यार्थियों एवं समाज पर पड़ने वाला है। गर इस अधिनियम का शिक्षक - कर्मचारी विरोध कर रहे हैं तो वह उनका संवैधानिक अधिकार है और ऐसे शिक्षक - कर्मचारी इस कार्रवाई के लिए अभिन्दनीय है।

जीत पर ईमानदारी का दावा, हार पर धांधली का आरोप: डॉ. पटेल

फतुहा। भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने चुनाव में हार के बाद चुनाव आयोग और मतदाता सूची पर सवाल उठाने वाले राजनीतिक दलों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने पर लोकतंत्र की जीत का जश्न और हारने पर चुनाव प्रक्रिया में धांधली का आरोप लगाना दोहरा रवैया है। डॉ. पटेल ने कहा कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है। उसकी निष्पक्षता पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन आरोपों के साथ ठोस प्रमाण भी होने चाहिए। उन्होंने कहा कि इसी चुनाव आयोग के तहत भाजपा को हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, झारखंड और जम्मू-कश्मीर में हार का सामना करना पड़ा। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा पूर्ण बहुमत हासिल नहीं कर सकी थी। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची या मतदान प्रक्रिया में गड़बड़ी की शिकायत मिलने पर निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषियों पर कार्रवाई की जानी चाहिए। हालांकि, बिना प्रमाण के चुनाव को कठघरे में खड़ा करना उचित नहीं है। डॉ. पटेल ने राजनीतिक दलों से जनादेश स्वीकार करने और चुनावी हार के कारणों पर आत्ममंथन करने की अपील की।

गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी में कलश स्थापना के साथ शारदीय नवरात्र का शुभारंभ



पटना। गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी में आज विधि-विधान के साथ कलश स्थापना कर शारदीय नवरात्र का शुभारंभ किया गया। इस पावन अवसर पर बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्व के अध्यक्ष एवं पूर्व विधान पार्षद प्रो. रणबीर नंदन ने आज से प्रारंभ शारदीय नवरात्र में गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी स्थित परमेश्वरी भवन में काशी के विद्वान आचार्यों द्वारा संपन्न होने वाले चंडी पाठ का संकल्प दिया। और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलश स्थापना की। इस मौके पर सत्यप्रकाश पाण्डेय, ऋषिकेश रंजन झा, मुकेश रंजन झा,ओम तिवारी, आचार्य डॉ नर्मदेश्वर कुमार मिश्र, ओंकार पांडेय, अभिषेक द्विवेदी, अमन दुबे,अजय मिश्रा दुर्गा सप्तशती पाठ में शामिल रहे। कलश स्थापना के पश्चात प्रो. नंदन ने माँ दुर्गा की विभिन्न पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और मंगलकामना के लिए प्रार्थना की। इस दौरान मंदिर परिसर में उपस्थित पुजारियों द्वारा दुर्गा सप्तशती का पाठ भी किया गया। इस अवसर पर प्रो. नंदन ने कहा कि नवरात्र शक्ति की उपासना का पर्व है। कलश स्थापना आत्मशुद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। माँ दुर्गा की नौ दिनों तक की आराधना से जीवन के समस्त कष्ट दूर होते हैं और शक्ति का संचार होता है। कार्यक्रम के दौरान मंदिर न्यास के सदस्य, पुजारीगण एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। पूरे मंदिर परिसर को फूलों और रोशनी से भव्य रूप से सजाया गया था।

स्वयं में हिन्दी के एक पूर्णपीठ थे पं जगन्नाथ प्रसाद चतुर्वेदी

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।खड़ी बोली हिन्दी की प्रथम पीढ़ी के महान कवियों और भाषाविदों में अग्रपांक्तेय विद्वान, पं जगन्नाथ प्रसाद चतुर्वेदी स्वयं में हिन्दी की एक पाठशाला थे। एक पूर्ण-पीठ थे, जिनके संपर्क में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की भाषा निर्मल और विमल हो जाती थी। वे बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के प्रथम सभापति थे। ‘हास्य-रसावतार’ की उपाधि से विभूषित थे, किंतु उनकी रचनाओं में कहीं भी फूहड़ता नहीं ढूँढी जा सकती थी। वे हास्य-व्यंग्य के मानक थे। यह बातें रविवार को, साहित्य सम्मेलन में आयोजित जयंती-समारोह और कवि सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए, सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कही। उन्होंने कहा कि चतुर्वेदी जी अपने अत्यंत लालित्यपूर्ण हास्य-व्यंग्य के लिए सर्वत्र समादृत होते थे। उनका मंच पर आते ही सभागार



तालियों से गुंजायमान हो उठता था। जयंती पर डा कुमार विमल को स्मरण करते हुए डा सुलभ ने कहा कि डा विमल आलोचना-साहित्य में एक विशिष्ट स्थान रखते थे। वे काव्य में सौंदर्य-शास्त्र के महान आचार्य तो थे ही, अपने समय के एक जीवित साहित्य-कोश भी थे। डा पंकज कुमार पाण्डेय, ई अशोक कुमार, अधिवक्ता संजय कुमार शुक्ल और कवि मिथिलेश कुमार सिन्हा ने भी दोनों साहित्यिक विभूतियों

» काव्य में सौंदर्य-शास्त्र के महान आचार्य थे कुमार विमल
» जयंती पर साहित्य सम्मेलन में स्मरण किए गए हिन्दी के दो महात्मा, दी गई काव्यार्जलि

को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर आयोजित कवि-सम्मेलन का आरंभ चंदा मिश्र की वाणी-वंदना से हुआ।

दुर्गापूजा के दौरान सुरक्षित एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु पटना के प्रमुख पूजा पंडालों का निरीक्षण

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।दुर्गापूजा के अवसर पर राजधानी पटना में निर्बाध, गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ऊर्जा सचिव एवं अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड, श्री अजय यादव (भा.प्र.से.) तथा साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री सौरभ जोरवाल (भा.प्र.से.) ने राजधानी के प्रमुख चौराहों पर बन रहे दुर्गा पूजा पंडालों का निरीक्षण किया।इनमें 33/11 केवी विद्युत शक्ति उपकेंद्र, श्रीकृष्ण मेमोरियल,डाकबंगला चौराहा स्थित विद्युत पूजा समिति के पंडाल,भूमि विकास बैंक, बुद्ध मार्ग स्थित दुर्गा पूजा पंडाल,बेल्ली रोड स्थित खानपुरा शिव मंदिर के समीप दुर्गा पूजा पंडाल शामिल है। निरीक्षण के दौरान पूजा पंडालों में विद्युत व्यवस्था, तारों एवं विद्युत उपकरणों की सुरक्षा, विद्युत लाइनों



की स्थिति, ट्रांसफार्मर एवं फीडर की तैयारी तथा आपातकालीन परिस्थिति में त्वरित कार्रवाई की व्यवस्था की समीक्षा की गई। पंडालों के आसपास लटके या जर्जर तारों को तत्काल दुरुस्त करने, भीड़भाड़ वाले स्थानों से गुजरने वाली लाइनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा विद्युत संबंधी किसी भी खतरे को समय रहते समाप्त करने के निर्देश दिए गए।ऊर्जा सचिव श्री अजय यादव (भा.प्र.से.) ने संबंधित अधिकारियों एवं अभियंताओं को निर्देश दिया कि

दुर्गा पूजा के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने सभी प्रमुख पूजा पंडालों एवं उनके आसपास के क्षेत्रों में विद्युत नेटवर्क का गहन निरीक्षण कर आवश्यक अनुसूक्षण कार्य निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) के अनुरूप पूरा करने को कहा। उन्होंने विशेष रूप से एचटी एवं एलटी विद्युत नेटवर्क, वितरण ट्रांसफॉर्मरों तथा संबंधित विद्युत उपकरणों का समुचित रखरखाव,

मुंगेर में YHAI की जिला इकाई गठन की तैयारी तेज



नई सोच एक्सप्रेस

» युवाओं को पर्यटन, ट्रेकिंग और सामाजिक सेवा से जोड़ने की पहल

पटना।यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (YHAI) की बिहार शाखा के तत्वावधान में मुंगेर जिला इकाई के गठन को लेकर राधा डेंटल केयर परिसर में बैठक हुई। प्रदेश उपाध्यक्ष सुधीर मथुकर के मार्गदर्शन और डॉ. उदय शंकर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में जल्द ही जिला कार्यकारिणी गठित करने का निर्णय लिया गया। सुधीर मथुकर ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र विश्वनाथ आलेंकर के निर्देश पर संगठन के विस्तार और युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का अभियान चलाया जा रहा है। YHAI के माध्यम से युवाओं और विद्यार्थियों को ट्रेकिंग, साइकिलिंग, पर्यावरण संरक्षण, रक्तदान, मेडिकल कैंप, खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। डॉ. उदय शंकर

ने बताया कि संगठन के माध्यम से कम खर्च में देश-विदेश के पर्यटन और तीर्थयात्रन की सुविधा मिल सकती है। यूथ हॉस्टल में ठहरने से विभिन्न क्षेत्रों की संस्कृति और रहन-सहन को जानने का अवसर भी मिलेगा। बैठक में मुंगेर, भागलपुर और आसपास के क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री, आयुक्त और जिलाधिकारी को ज्ञापन देने पर भी विचार किया गया। बैठक में डॉ. विजय वर्मा, राजन कुमार, अभय नाथ पाल, शांतिभूषण, नीलकमल और संतोष कुमार सहित कई लोग मौजूद थे। बिहार और विभिन्न जिला इकाइयों के पदधिकारियों ने मुंगेर इकाई के गठन में सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

प्रेम यूथ फाउंडेशन दे रहा निःशुल्क इंटरनीशिप का अवसर

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।प्रेम यूथ फाउंडेशन ने बिहार के युवाओं के लिए निःशुल्क इंटरनीशिप कार्यक्रम शुरू किया है। इसके तहत पत्रकारिता, सोशल वर्क, पर्यावरण जागरूकता, सोशल मीडिया और इवेंट मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में व्यावहारिक अनुभव के साथ प्रमाणपत्र भी दिया जाएगा। फाउंडेशन के कार्यालय में गांधीवादी प्रेम जी ने एएन कॉलेज की छात्राओं को इंटरनीशिप प्रमाणपत्र प्रदान किए। उन्होंने कहा कि आर्थिक अभाव में किसी युवा का कोशल विकास बाधित नहीं होना चाहिए। फाउंडेशन का उद्देश्य युवाओं को रोजगार योग्य बनाने के साथ उन्हें समाज में सकारात्मक बदलाव के लिए प्रेरित करना है। इस कार्यक्रम के लिए 12वीं पास तथा स्नातक और स्नातकोत्तर के छात्र-छात्राएं आवेदन कर सकते हैं। इच्छुक युवाओं को सप्ताह में दो से तीन दिन समय देना होगा।



इंटरनीशिप के दौरान रिपोर्ट लेखन, संवाद कौशल, नेतृत्व क्षमता और विभिन्न सामाजिक अभियानों का अनुभव मिलेगा। इच्छुक युवा प्रेम यूथ फाउंडेशन, पटना के कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं या मोबाइल नंबर 9934085354 पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

नफरत का अंधकार मिटाकर मोहब्बत की रोशनी बिखेरता नाटक ‘दर्द से दर्द का रिश्ता’ का प्रभावशाली मंचन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।द क्रिएटिव आर्ट थियेटर वेलफेयर सोसाइटी द्वारा प्रस्तुत तथा क़ासिम ख़ुर्रशी के लघु नाटक ‘हाय तौबा’ पर आधारित, सैयद अता करीम द्वारा लिखित एवं निर्देशित नाटक ‘दर्द से दर्द का रिश्ता’ ने दर्शकों के सामने इंसानियत, आपसी भाईचारे और हिंदू-मुस्लिम एकता का अत्यंत संवेदनशील, मार्मिक और प्रभावशाली संदेश प्रस्तुत किया। नाटक ने मनोरंजन के साथ-साथ दर्शकों को यह सोचने पर भी विवश किया कि मजहब और धार्मिक पहचान से ऊपर इंसानियत का रिश्ता सबसे बड़ा होता है। प्रेमचंद रंगशाला में आयोजित नाट्य संस्था का उद्घाटन प्रो. कमल प्रसाद बौद्ध, निदेशक, बुद्धा स्टडीज एंड एडवॉरसड रिसर्च सेंटर, पाटलिपुत्र यूनिवर्सिटी, मुश्क अतिथि डॉ. किशोरी सिन्हा, वरिष्ठ साहित्यकार, रंगकर्मी एवं पूर्व निदेशक, आकाशवाणी, पटना,



विशिष्ट अतिथि कुमार अभिषेक रंजन, महासचिव, बिहार आर्ट थिएटर, प्रसिद्ध रंगकर्मी मिथिलेश सिंह तथा वरिष्ठ रंगकर्मी नवाब आत्मन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। नाटक में पीर रहमत अली एक यतीम हिन्दू बच्चे संतोष को अपनी ओलाद की तरह हिन्दू संस्कारों से पाल-पोस कर बड़ा करता है। गांव के पंडित हरि शंकर शास्त्री अपनी बेटी का रिश्ता संतोष

से कर देते हैं। इसी बीच संतोष की शैतानी के कारण पीर अली और दोस्त दीनदयाल, धर्म और मजहब के नाम पर आपस में उलझ जाते हैं। दोनों में काफी कहासुनी होती है। अंत में संतोष दोनों से माफ़ी मांगता है और उस साजिश का पर्दाफाश करता है, जिसके तहत लोगों को धर्म और मजहब के नाम पर आपस में लड़ाया जाता है। वह बताता है कि जब इंसान धर्म के नाम पर एक-दूसरे का खून

बहाता है, तो वह खून न राम के शरीर का होता है और न रहीम के शरीर का, वह खून भारतीय का होता है। दर्शकों तक यह संदेश पहुंचाने में प्रस्तुति सफल रही। नाटक में जाने-माने वरिष्ठ रंगकर्मी सैयद रिजवानउल्लाह ने अपने सशक्त अभिनय से चरित्र को पूरी जीवंतता प्रदान की। वरिष्ठ रंगकर्मी कुमार मानव ने अपने दमदार अभिनय कौशल से दर्शकों की सराहना बटोरी। नाटक के लेखक एवं निर्देशक सैयद अता करीम ने अपने अभिनय की अलग छाप छोड़ी। अन्य कलाकारों में विजय कुमार चौधरी, भुवनेश्वर कुमार, राजकिशोर पासवान, अर्चना कुमारी, महिमा आदि ने प्रभावशाली अभिनय किया और अपने किरदारों को खूबसूरती से निभाया। संगीत अंजारूल हक़, प्रकाश राजीव राय, रूप-सज्जा जितेंद्र कुमार जीतू, मंच परिचालन सुनील कुमार शर्मा एवं बलराम कुमार ने प्रस्तुति को प्रभावशाली बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

पांचवीं सिपाही भगत कबड़ी प्रतियोगिता में पांच विद्यालयों ने मारी बाजी

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।ओपेन माईंड्स अ बिरला स्कूल, दानापुर के खेल मैदान में आयोजित पांचवीं सिपाही भगत अंतर्विद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता 2026-27 का समापन रविवार को रोमांचक फाइनल मुकाबलों के साथ हुआ। 10 और 11 अक्टूबर को आयोजित इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में करीब 18 विद्यालयों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। खिलाड़ियों ने दमदार रॉइंग, मजबूत रक्षण और बेहतरीन तालमेल से दर्शकों का उत्साह बढ़ाया। प्रतियोगिता के विभिन्न वर्गों में पांच विद्यालयों ने खिताब अपने नाम किये, अंडर-14 बालिका वर्ग में सिपाही भगत स्कूल, अंडर-14 बालक वर्ग में सेंट जेवियर स्कूल, अंडर-17 बालिका वर्ग में मेजबान ओपेन माईंड्स बिरला स्कूल, दानापुर, अंडर-17 बालक वर्ग में रॉडियंट इंटरनेशनल स्कूल और अंडर-19 बालक



वर्ग में सेंट जेवियर स्कूल विजेता बना।शनिवार को सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए, जबकि रविवार को फाइनल मैचों में खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और रणनीतिक कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता ने विद्यार्थियों को अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा में महत्व समझने का अवसर दिया। इस अवसर पर विद्यालय के सीओओ अमन कुमार, प्रधानाचार्य पलजिन्दर पाल, उप प्रधानाचार्या पूनम पांडेय और खेल विभाग के मुख्य अध्यक्ष करणधीर शर्मा ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों की खेल प्रतिभा को निखारना और उनमें खेल भावना विकसित करना था।

दानापुर मंडल में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन जागरूकता के लिए चलाया जा रहा है विशेष अभियान

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।01.10.2026 से 15.10.2026 तक चलने वाले स्वच्छता पखवाड़ा एवं 02.10.2026 से 31.10.2026 तक चलने वाले विशेष अभियान 6.0 के अंतर्गत पूर्व मध्य रेल के दानापुर मंडल में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन जागरूकता के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दानापुर मंडल में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य रेलवे स्टेशनों, ट्रेनों, रेलवे कॉलोनीयों एवं कार्यालयों में कचरे के उचित पृथक्करण, संग्रहण और निस्तारण के प्रति कर्मचारियों एवं संबंधित हितधारकों को जागरूक



करना है। अभियान के तहत रेलवे कर्मचारियों, ऑनबोर्ड हाउसकीपिंग सर्विस (OBHS) कर्मियों, पेट्रौ एवं खापान कर्मचारियों, स्टेशन विक्रेताओं तथा ठेकेदारों के लिए जागरूकता सत्र एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने पर जोर दिया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

शारदीय नवरात्र पर भक्तिमय हुआ मोतिहारी, मंदिरों और पूजा पंडालों में हुई कलश स्थापना
मोतिहारी। जिले के विभिन्न मंदिरों एवं पूजा पंडालों में रविवार को शारदीय नवरात्र के अवसर पर विधि-विधान के साथ कलश स्थापना की गई। कलश स्थापना के साथ ही मां दुर्गा की पूजा-अर्चना शुरू हो गई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने पूरे भक्तिभाव और श्रद्धा के साथ मां दुर्गा की आराधना की तथा सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। नवरात्र को लेकर जिले के विभिन्न मंदिरों और पूजा पंडालों में भक्तिमय माहौल देखने को मिला। पूजा-अर्चना के लिए मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही। वहीं, कई श्रद्धालुओं ने अपने घरों में भी कलश स्थापित कर मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की। शारदीय नवरात्र के आगमन से पूरे जिले में धार्मिक उत्साह और भक्ति का माहौल बना हुआ है।

लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती के अवसर पर आज समाहरणालय परिसर

समस्तीपुर। समस्तीपुर द्वारा जिलाधिकारी रोशन कुशावाहा द्वारा लोकनायक जयप्रकाश नारायण के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों, सिद्धांतों तथा राष्ट्र एवं समाज के प्रति उनके योगदान को याद किया। लोकनायक जयप्रकाश नारायण का संपूर्ण जीवन लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक न्याय, जनकल्याण एवं जनभागीदारी के प्रति समर्पण का प्रेरणास्रोत रहा है। माल्यार्पण कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त सूर्य प्रताप सिंह, नगर आयुक्त गौतम कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी, समस्तीपुर राकेश कुमार, नजारत उप समाहर्ता रजनीश कुमार राय, सामान्य शाखा प्रभारी सुश्री अंजली कुमारी सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

समस्तीपुर में पुलिस ने भारी मात्रा में विदेशी शराब के बरामद की



समस्तीपुर।जिले के दलसिंहसराय थाना पुलिस को शराब तस्करी के खिलाफ अभियान में एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम-बम्बैया हरलाल डीह इलाके में छापेमारी की, जहां से भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब बरामद की गई है। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने कुल 316.065 लीटर विदेशी शराब जब्त की और मौके से एक शराब तस्कर को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान विभूतिपुर थाना क्षेत्र के पंडित टोल टभका निवासी रामचंद्र पासवान के पुत्र हिमांशु कुमार के रूप में हुई है। इस बड़ी बरामदगी के बाद पुलिस प्रशासन ने दलसिंहसराय थाने में कांड संख्या 578/26 दर्ज कर ली है और आरोपी के खिलाफ आगे की कड़ी कानूनी व विधि सम्मत कार्रवाई शुरू कर दी है।

हरनौत में महागठबंधन का प्रदर्शन, मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला दहन



हरनौत।ईंडिया महागठबंधन के आह्वान पर बुधवार को हरनौत बाजार के गोनावां मोड़ पर महागठबंधन ने जोरदार प्रदर्शन किया। अध्यक्षता राजद प्रखंड अध्यक्ष संजीत कुमार उर्फ राय जी ने की।कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के खिलाफ रंगबाजी कर तीनों का पुतला दहन किया। “ज्ञानेश कुमार को भगाओ, लोकतंत्र बचाओ” के नारे लगे।नेताओं ने मतदाता सूची से बड़ी संख्या में नाम घटाए जाने को लोकतंत्र पर हमला बताया। राजद अध्यक्ष संजीत कुमार ने निष्पक्ष जांच की मांग की। भाकपा माले प्रभारी वीरेश कुमार ने कहा कि बिना जांच नाम हटाना संविधान प्रदत्त अधिकार का हनन है। प्रदर्शन में जीतू यादव, शिवजी प्रसाद, राजीव कुमार सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल थे।

नवरात्र और बालिका दिवस पर पौधारोपण कर दिया प्रकृति संरक्षण का संदेश



जमुई। नवरात्र के पहले दिन और अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर साइकिल यात्रा एक विचार, जमुई की 562वीं रविवारीय यात्रा के दौरान गड़संडा गांव में पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, बेटियों के सम्मान और सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया गया। आयोजन का नेतृत्व विकास पाण्डे ने किया। इस अवसर पर संस्था के सदस्य टिकू पासवान ने अपने पुत्र प्रिंस कुमार के जन्मदिन पर पौधा लगाकर खुशियों को प्रकृति के नाम समर्पित किया। उन्होंने कहा कि विशेष अवसरों पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सांक्षक पहल की जा सकती है। नवरात्र में मां दुर्गा की आराधना और अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस का संयोग बेटियों को सम्मान, शिक्षा और समान अवसर देने की प्रेरणा देता है। जिस तरह पौधे को सींचकर बड़ा वृक्ष बनाया जाता है, उसी तरह बेटियों को भी स्नेह और प्रोत्साहन देकर आगे बढ़ने का अवसर देना चाहिए। संस्था के सदस्य रोहित राज ने बताया कि गड़संडा में पूर्व में लगाए गए पौधे अब पेड़ों का रूप ले चुके हैं और गांव की सुंदरता बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पौधारोपण के साथ पौधों की देखभाल भी जरूरी है। आज लगाया गया पौधा भविष्य की पीढ़ियों के लिए हरियाली और स्वच्छ वातावरण का उपहार बन सकता है। कार्यक्रम में गोलू कुमार, राकेश कुमार, राम प्रवेश कुमार, हर्ष कुमार सिन्हा, विवेक कुमार, रोहित राज, टिकू पासवान, प्रिंस कुमार, विकास पाण्डे, रवि पाण्डेय सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

इलेक्ट्रॉनिक्स सामानों की व्यापक रेंज के साथ सीतामढ़ी में खुला रिलायंस डिजिटल स्टोर

नई सोच एक्सप्रेस

सीतामढ़ी।भारत का सबसे बड़ा इलेक्ट्रॉनिक रिटेलर रिलायंस डिजिटल ने दुमरा रोड में अपने नए स्टोर का अनावरण किया। इस स्टोर का उद्घाटन मुख्य अतिथि पूर्व विधायक अमित कुमार दुत्रा, विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ अधिकता रामचंद्र प्रसाद सिंह, समाज सेवक प्रियरंजन सिंह, अधिकता रितेश रमन एवं सीतामढ़ी स्टोर मैनेजर अंजन कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने रिलायंस डिजिटल के सभी कर्मचारियों को अपनी शुभकामनाएं दी और कहा कि यह स्टोर इलेक्ट्रॉनिक्स सामानों की खरीदारी के लिए उचित स्थान साबित होगा। उन्होंने कहा कि इस त्योहार ग्राहक नए इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ नई शुरुआत कर सकेंगे। सीतामढ़ी स्टोर मैनेजर अंजन कुमार ने बताया कि विशेष उद्घाटन ऑफर



और नवीनतम तकनीक की व्यापक रेंज के साथ ग्राहक यहां एक बेहतर खरीदारी अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। व्यापक क्षेत्र में फैला हुआ यह तकनीक गंतव्य सर्वोत्तम कीमतों पर नवीनतम इलेक्ट्रॉनिक्स की विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है, साथ ही इन-स्टोर सहायता के लिए एक विशेषज्ञ टेक स्क्वाड और इलेक्ट्रॉनिक्स की खरीद के बाद की देखभाल के लिए समर्पित रेस्क्यू सेवा विशेषज्ञ भी

आइसा का ताजपुर प्रखंड सम्मेलन संपन्न, 13 सदस्यीय कमिटी का गठन

नई सोच एक्सप्रेस

समस्तीपुर।ताजपुर।ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) का ताजपुर प्रखंड सम्मेलन रविवार को ताजपुर के अस्पताल चौक स्थित मॉडर्न स्कूल में संपन्न हुआ। सम्मेलन में 13 सदस्यीय प्रखंड कमिटी का गठन किया गया। इसमें विवेक कुमार को प्रखंड अध्यक्ष और यासमोन प्रवीण को प्रखंड सचिव चुना गया। सह सचिव मो० राजा, सुरज कुमार एवं उपाध्यक्ष गौरव चौधरी एवं मो० जावेद समेत चंदन कुमार, मो० सलमान, फरहादुल होदा, मो० दानिश, अल्ताफ राजा, तनवीर अख्तर, प्रियंका भारती चुनीं गईं। सम्मेलन का उद्घाटन आइसा के जिला प्रभारी सह भाकपा माले के ताजपुर प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने किया। सम्मेलन को अतिथि के रूप में संबोधित



करते हुए इंकलाबी नौजवान सभा (आरवाइए) के जिला अध्यक्ष आसिफ होदा, प्रखंड उपाध्यक्ष मोहम्मद इजाज, शाद तौहीदी, सदरे आलम आदि ने छात्र आंदोलन एवं संगठन की भूमिका पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर मनोज कुमार सिंह ने सांस्कृतिक गीत प्रस्तुत कर उपस्थित छात्र-छात्राओं में उत्साह का संचार किया। सम्मेलन का पर्यवेक्षण आइसा के

नई सोच एक्सप्रेस

जमुई। दुर्गा पूजा के दौरान अवैध शराब के निर्माण और आपूर्ति पर रोक लगाने के लिए जमुई और लखीसराय जिले की सीमा से सटे जगुआजोर के जंगलों में रविवार को पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाया। मलयपुर और चानन थाने की पुलिस ने छापेमारी के दौरान आठ अवैध शराब भंडियों को ध्वस्त कर दिया। मौके से करीब दो किबटल फुला हुआ जावा महुआ बरामद कर नष्ट किया गया। हालांकि, पुलिस की कार्रवाई के दौरान शराब कारोबारी भागने में सफल रहे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, दुर्गा पूजा को देखते हुए सीमावर्ती जंगलों में बड़े पैमाने पर अवैध शराब तैयार किए जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद लखीसराय के पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर दोनों थानों की पुलिस ने संयुक्त रूप से सचं अभियान चलाया। अभियान

वैज्ञानिक विमर्श के साथ संपन्न हुआ सीजिप्स-2026



नई सोच एक्सप्रेस

बोधगया।बोधगया स्थित आईटीसी वेलकम में ईस्ट जोन इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी का 51वां वार्षिक तीन दिवसीय सम्मेलन ‘सीजिप्स-2026’ रविवार को संपन्न हो गया। अंतिम दिन युवा चिकित्सकों के बीच क्विज सहित विभिन्न अकादमिक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। सोसाइटी के निवर्तमान अध्यक्ष डॉ. उदय कुमार सिन्हा ने बताया कि सम्मेलन में देशभर से आए मनोचिकित्सकों, विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों ने

भाग लिया। इस दौरान मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियों, आधुनिक उपचार पद्धतियों और नवीनतम शोध पर चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने मानसिक बीमारियों की समय पर पहचान, जागरूकता और बेहतर उपचार सेवाओं की आवश्यकता पर जोर दिया। आयोजन सचिव डॉ. निस्का सिन्हा ने सम्मेलन की सफलता के लिए सभी प्रतिभागियों और आयोजन से जुड़े सदस्यों के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन चिकित्सकों के ज्ञान और कौशल को विकसित करने तथा मरीजों को बेहतर मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में सहायक हैं।

जमुई-लखीसराय सीमा पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, आठ अवैध शराब भट्टियां ध्वस्त



में मलयपुर थानाध्यक्ष शेखर सौरव, एसआई अंजन कुमार समेत मलयपुर पुलिस की टीम और चानन थानाध्यक्ष अपने जवानों के साथ शामिल रहे। तलाशी के दौरान पुलिस को जंगल की झाड़ियों में छिपाकर रखा गया फुला हुआ जावा महुआ मिला। टीम ने शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री और भट्टियों को नष्ट कर दिया। घने जंगल और दो जिलों की सीमा से सटे होने के कारण यह इलाका अवैध शराब कारोबारियों के लिए अनुकूल ठिकाना माना जाता

» जगुआजोर के जंगलों में संयुक्त छापेमारी
 » दो किबटल जावा महुआ नष्ट, कारोबारी फरार

है। मलयपुर थानाध्यक्ष शेखर सौरव ने बताया कि त्योहार को देखते हुए सीमावर्ती क्षेत्रों में सचं अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा कि थाना क्षेत्र में अवैध कारोबार को पनपने नहीं दिया जाएगा और इसके खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

पंचायत में चुनैं कर्तव्यनिष्ठ और ईमानदार जनप्रतिनिधि - विनय कुमार सिंह

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। महापरिवर्तन आंदोलन के प्रणेता एवं सेवानिवृत्त वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी विनय कुमार सिंह ने कहा कि पंचायतों के समुचित विकास के लिए ग्रामीणों को जागरूक होकर ईमानदार, कर्मठ और जनता के प्रति जवाबदेह जनप्रतिनिधियों का चयन करना होगा। उन्होंने कहा कि गांवों का विकास किए बिना देश को विकसित बनाने की कल्पना नहीं की जा सकती। भ्रष्टाचार पर रोक, प्रशासनिक पारदर्शिता और जनहितकारी व्यवस्था स्थापित करने के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी जरूरी है। काको प्रखंड मुख्यालय में आयोजित महापरिवर्तन आंदोलन से जुड़े कार्यक्रम को संबोधित



करते हुए उन्होंने ग्रामीणों से पंचायत चुनाव में सोच-समझकर प्रतिनिधियों का चयन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि मुखिया और सरपंच जैसे पदों पर ऐसे लोगों को मौका मिलना चाहिए, जिनमें सेवा भाव हो और जिनकी छवि स्वच्छ हो। उन्होंने ग्रामीणों से अपने-अपने क्षेत्रों

में लोगों के साथ संवाद स्थापित कर पंचायतों के विकास और जनजागरूकता को लेकर पहल करने का आह्वान किया। इससे पूर्व काको बाजार स्थित मयूर पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विनय कुमार सिंह ने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए लक्ष्य निर्धारित करना और उसके प्रति पूरी लगन, मेहनत तथा अनुशासन के साथ आगे बढ़ना आवश्यक है। विद्यार्थियों को समय का सदुपयोग करते हुए निरंतर प्रयास करना चाहिए और जीवन में कुछ बड़ा करने की सोच रखनी चाहिए। विद्यालय पहुंचने पर निदेशक शशि कुमार ने अतिथियों को काको के प्रसिद्ध सूर्य मंदिर का प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। हुलासगंज प्रखंड में महापरिवर्तन आंदोलन के प्रखंडस्तरीय शिष्टमंडल

की बैठक को संबोधित करते हुए विनय कुमार सिंह ने कहा कि भारत गांवों का देश है और गांवों की तरक्की से ही देश की वास्तविक प्रगति संभव है। उन्होंने लोगों से अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने तथा भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि महापरिवर्तन आंदोलन के माध्यम से सरकारी कामकाज में पारदर्शिता लाने, प्रशासन को जवाबदेह बनाने और आम लोगों की समस्याओं को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा सकता है। समाज में जाति, धर्म और आपसी मतभेदों से ऊपर उठकर भाईचारा बढ़ाने तथा जनहित के मुद्दों पर एकजुट होने की जरूरत है। उन्होंने आगामी पंचायत चुनाव को लेकर ‘अबकी बार ईमानदार’ का नारा देते हुए ग्रामीणों से स्वच्छ छवि

की भावना वाले प्रत्याशियों को प्राथमिकता देने की अपील की। इस अवसर पर महापरिवर्तन आंदोलन के जिला समन्वयक डॉ. रंजीत कुमार भारतीय, काको के प्रखंड समन्वयक सुरेंद्र मोहन तथा हुलासगंज के प्रखंड समन्वयक रोशन कुमार ने भी अपने विचार रखे। वक्ताओं ने शिक्षा, जनजागरूकता और पंचायतों के विकास में सामूहिक भागीदारी को महत्वपूर्ण बताया। इधर, राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय में ‘बिहार के भविष्य को आकार देने में युवाओं की भूमिका’ विषय पर आयोजित संवाद कार्यक्रम में विनय कुमार सिंह ने छात्र-छात्राओं से नैकी की तलाश तक सीमित रहने के बजाय उद्यमिता अपनाकर रोजगार के नए अवसर पैदा करने की अपील की। उन्होंने कहा कि बिहार में रोजगार

के सीमित अवसरों की चुनौती से निपटने के लिए युवाओं को आत्मनिर्भर बनने और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन की दिशा में आगे आना होगा। उन्होंने युवाओं को अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखने, नए विचारों के साथ काम करने और समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। संवाद सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और आत्मनिर्भरता तथा उद्यमिता से जुड़े विचारों पर चर्चा की। महाविद्यालय प्रशासन की ओर से अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में समन्वयक डॉ. जहीर अब्बास और जिला समन्वयक डॉ. रंजीत कुमार भारतीय ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। समापन पर धन्यवाद ज्ञापन कर अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

राष्ट्रीय लोक मोर्चा में शामिल हुए अखिलेश ठाकुर, जहानाबाद में समाज के लोगों ने किया स्वागत

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। राष्ट्रीय कर्पूरी सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अखिलेश ठाकुर के राष्ट्रीय लोक मोर्चा की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण करने के बाद रविवार को जहानाबाद पहुंचने पर समाज के लोगों ने उनका स्वागत किया। गया जाने के क्रम में जहानाबाद में रुके अखिलेश ठाकुर से पहले के लोगों ने मुलाकात की। इस दौरान उन्हें माला पहनाकर और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। लोगों ने उनके नए राजनीतिक सफर के लिए शुभकामनाएं दीं।इस अवसर पर अखिलेश ठाकुर ने कहा कि उनका समाज हमेशा सभी वर्गों के हित और सम्मान की बात करता है। समाज की पहचान बदभाव नहीं, बल्कि आपसी भाईचारे और विकास की राजनीति है। उन्होंने कहा कि वे जननायक कर्पूरी ठाकुर के विचारों और आदर्शों से प्रेरित हैं। कर्पूरी ठाकुर ने हमेशा बिहार के हित में काम किया और समाज को जोड़ने का संदेश दिया। उनके बताए रास्ते पर चलकर ही समाज और प्रदेश का विकास संभव



है। अखिलेश ठाकुर ने कहा कि राजनीति में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, लेकिन इससे घबराने या अपने उद्देश्य से पीछे हटने की जरूरत नहीं है। समाज के लोगों को एकजुट रहना चाहिए, ताकि आने वाले चुनावों में अपनी भागीदारी और हिस्सेदारी को मजबूती से रख सकें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक मोर्चा में मिली जिम्मेदारी उनके लिए खुशी की बात है, लेकिन जहानाबाद में समाज के लोगों से मिला सम्मान और स्नेह उनके लिए विशेष मायने रखता है। वे अपनी इस खुशी को समाज के लोगों के

साथ साझा करना चाहते थे। उन्होंने कहा कि संख्या कम होने से इरादे कमजोर नहीं होते। जरूरत है कि समाज के लोग आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट रहें और शिक्षा, विकास तथा जनसेवा के क्षेत्र में आगे बढ़ें। उन्होंने भिखारी ठाकुर और जननायक कर्पूरी ठाकुर का उदाहरण देते हुए कहा कि इन महापुरुषों ने समाज को जोड़ने और बिहार को आगे बढ़ाने का काम किया। अखिलेश ठाकुर ने अंत में समाज के लोगों से एकजुट रहने और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की अपील की।

कलश स्थापना के साथ नवरात्र पूजा शुरू, दुर्गा पाठ से भक्तिमय हुआ हरनौत

नई सोच एक्सप्रेस

हरनौत।शारदीय नवरात्र के अवसर पर कलश स्थापना के साथ रविवार को हरनौत बाजार सहित ग्रामीण इलाकों विभिन्न गांवों में मां दुर्गा की पूजा-अर्चना शुरू हो गई। पूजा पंडालों में दुर्गा सप्तशती पाठ और वैदिक मंत्रोच्चार से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया है।पहले दिन श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। हरनौत बाजार के तेरहा मोड़ स्थित बड़ी काली स्थान, बीच बाजार स्थित दुर्गा मंदिर ,गोनावां रोड और चूड़ी मोड़ पर काली माता की भव्य प्रतिमा स्थापित कर पूजा की जा रही है। पंडाल में देशभक्ति से जुड़ी आकर्षक झांकियां बनाई गई हैं, जिसे देख श्रद्धालु काफी खुश नजर आ रहे हैं। इन सभी स्थानों पर पिछले कई वर्षों से दुर्गा पूजा समारोह का आयोजन होता आ रहा है।इसके अलावा प्रखंड



के श्रीचंद्रपुर, बीरमपुर, चरे, दैली, बोधनगर बाजार, गोनावां ,पोआरी,लंचौरा सहित अन्य गांवों में भी श्रद्धालुओं ने भक्ति और उत्साह के साथ नवरात्र पूजा की शुरुआत की है। पूजा समितियों द्वारा सभी धार्मिक अनुष्ठानों की तैयारी पूरी कर ली गई है।नवरात्र

को लेकर पूरे क्षेत्र में श्रद्धा और उत्साह का माहौल बना हुआ है। बाजारों में पूजा सामग्री की दुकानें सजी हुई हैं और खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है। आने वाले दिनों में पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ और बढ़ने की उम्मीद है।

संक्षिप्त समाचार

वेना रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की चपेट में आने से अज्ञात व्यक्ति की मौत

हरनौत।बख्तियारपुर-राजगीर रेल खंड पर वेना रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की चपेट में आने से करीब 40 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में चर्चा का माहौल है। पुलिस ने बताया कि रविवार को वेना रेलवे स्टेशन के पास एक व्यक्ति की चलती ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस और रेल पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल भेज दिया।मृतक की उम्र लगभग 40 वर्ष बताई जा रही है। समाचार लिखे जाने तक उसकी पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस मृतक की पहचान के लिए प्रयासरत है। बिहारशरीफ रेल थानाध्यक्ष लक्ष्मण कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पहचान के लिए सोशल मीडिया का भी सहारा लिया जा रहा है, ताकि परिजनों तक सूचना पहुंचाई जा सके। पुलिस आपसी समन्वय के साथ मामले की छानबीन कर रही है।

इंस्पायर-मानक में मुजफ्फरपुर लगातार दूसरे वर्ष देश में प्रथम

मुजफ्फरपुर। इंस्पायर-मानक योजना के तहत सिनॉप्स अपलोड करने में मुजफ्फरपुर जिले ने वर्ष 2025 और 2026 में लगातार दो बार पूरे देश में प्रथम स्थान हासिल किया है। इस उपलब्धि पर जिला शिक्षा पदाधिकारी कुमार अरविंद सिन्हा और जिला कार्यक्रम पदाधिकारी आयुष कुमार ने संबंधित तकनीकी दलों, आईसीटी कोऑर्डिनेटर्स, प्रशानाध्यापकों एवं शिक्षकों को बधाई दी। अधिकारियों ने इसे सभी के सामूहिक प्रयास और बेहतर समन्वय का परिणाम बताया। डिस्ट्रिक्ट टेक्निकल टीम लीड केशव कुमार ने बताया कि प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग (पीबीएल) आधारित माइक्रो इम्पूवमेंट प्रोजेक्ट के क्रियाव्ययन में भी मुजफ्फरपुर कई महीनों से बिहार में प्रथम स्थान पर बना हुआ है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों, तकनीकी दलों और शिक्षकों के सामूहिक प्रयासों को दिया।

पलानवा पुलिस की बड़ी कार्रवाई: चोरी, हत्या के प्रयास समेत विभिन्न मामलों में 6 आरोपी गिरफ्तार

पलानवा।**पूर्वी चंपारण।** पलानवा थाना की पुलिस ने अपराध नियंत्रण को लेकर कार्रवाई करते हुए चोरी, हत्या के प्रयास और अन्य मामले में कुल छह लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में बोलेरो चोरी के मामले में तीन, हत्या के प्रयास के मामले में दो तथा एक अन्य मामले में एक व्यक्ति शामिल है। इसकी जानकारी पलानवा थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने दी। **बोलेरो चोरी के मामले में तीन गिरफ्तार:**पुलिस के अनुसार, कांड संख्या 198/26 के तहत बोलेरो गाड़ी चोरी के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। चोरी की गई गाड़ी का रजिस्ट्रेशन नंबर BR-29-R-9619 बताया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 1अजय कुमार यादव, पिता अवधेश यादव, निवासी सीनाहा, थाना पलानवा, जिला पूर्वी चंपारण। 2. राजू कुमार, पिता शम्भू साह, निवासी पखनहिया, थाना पलानवा, जिला पूर्वी चंपारण। 3. बिशारी मुखिया, पिता चन्द्रदेव मुखिया, निवासी गाढ़ गम्हरिया, थाना कंगली, जिला पश्चिम चंपारण। के रूप में हुई है। **वहीं हत्या के प्रयास के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार:**कांड संख्या 71/26 में हत्या के प्रयास के आरोप में पुलिस ने सिसवनिया गांव निवासी दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। इनमें मनोस गदी, पिता मोताब गदी, और करीम गदी, पिता नन्हक गदी शामिल हैं। दोनों पलानवा थाना क्षेत्र के सिसवनिया गांव के निवासी बताए गए हैं। **अन्य मामले में भी एक व्यक्ति गिरफ्तार:**इसके अतिरिक्त, ट्रायल नंबर 8159/22 से संबंधित मामले में पुलिस ने राजनंदन साह उर्फ भूटी साह को गिरफ्तार किया है। वह पलानवा थाना क्षेत्र के लौकरिया गांव का निवासी बताया गया है। थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने गिरफ्तारियों की जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस विभिन्न मामलों में कार्रवाई कर रही है। इन गिरफ्तारियों को क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराध नियंत्रण की दिशा में पुलिस की कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है।

2501 महिलाएं व कन्याओं ने निकाली कलश यात्रा, गूंज उठा जय माता दी की नारे

मोतिहारी। शारदीय नवरात्र की शुरूआत में श्रद्धा और भक्ति के साथ बरियारपुर दुर्गा चौक मां दुर्गा पूजा समिति के सौजन्य से कलश यात्रा निकाली गई। जिसमे 2501 महिलाएं और कन्यायों ने अपने माथे पर कलश रख माता रानी का जयकारा लगाते, गाजे बाजे के साथ जल बोझी के लिए प्रस्थान किया। कलश यात्रा दुर्गा चौक से शुरू हो कर बड़ा बरियारपुर होते हुए सेत्रुरिया घाट पर पहुंचा। यात्रा में सामिल महिलाएं एवम कन्याओ के लिए के जगह जगह ग्रामीणों द्वारा शबंत, फल, आदि फलहार का व्यवस्था किया गया था। घाट पर पहुंच पुजारी, ठाकुर एवम कलश यात्रा में शामिल महिलाएं व कन्याओं को आचार्य सत्येन्द्र कुमार मिश्रा द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ जल बोझी किया गया। वहीं आचार्य सत्येन्द्र कुमार मिश्रा ने बताया कि इस साल माता का आम्रमन हाथी पर हो रही है और विदाई मुर्गी पर हो रही है। यह विदाई अशुभ माना गया है। पूजा समिति के अध्यक्ष भोला पासवान ने बताया कि 24 बघो से दुर्गा पूजा के हम लोग धूमधाम से दुर्गा पूजा मनाते हैं इस साल भी दुर्गा पूजा धूमधाम से मनाया जाएगा और प्रशासन के तरफ से पूरा सहयोग मिल रहा है वहीं सचिव पप्पू राम ने बताया की पंडाल के अंदर सीसीटीवी कैमरा लगाए जा रहा हैं। जिस पर नजर बनाए रखी जाएगी।

नवरात्रि में भक्त ने सीने पर स्थापित की कलश



केसरिया, पू.च। प्रखंड क्षेत्र के फूलतकिया स्थित मां दुर्गा पूजा समिति के प्रांगण में इन दिनों श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना हुआ है। यहां भक्त मुकेश दास ने अपने सीने पर कलश स्थापित कर मां दुर्गा की आराधना शुरू की है। बताया गया कि दुर्गा पूजा के समापन तक कलश स्थापित रहेगा। मां दुर्गा के प्रति मुकेश दास की श्रद्धा, आस्था और साधना पूजा परिसर में श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

लोक नगर में चोरी की कोशिश, भागने के दौरान बालकनी से गिरा संदिग्ध

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। नगर थाना क्षेत्र के लोक नगर मोहल्ले में चोरी की घटनाओं को लेकर स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ती जा रही है। रविवार को स्वयंवर मैरिज हॉल में बिजली के तार चोरी करने की कोशिश के दौरान एक संदिग्ध को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। मैरिज हॉल के मालिक लक्ष्मण साहू के अनुसार, कुछ दिन पहले भी उनके प्रतिष्ठान में बिजली के तार काटने की घटना हुई थी। जानकारी के अनुसार, रविवार की शाम स्वयंवर मैरिज हॉल के मालिक लक्ष्मण साहू रोज की तरह अपने प्रतिष्ठान का जायजा लेने पहुंचे थे। इसी दौरान उन्हें कुछ आवाज सुनाई दी। आवाज की ओर ध्यान देने पर उन्होंने आसपास के लोगों को बुलाया। लोगों के पहुंचने पर एक संदिग्ध भागने लगा। बताया जाता है कि वह एक छत से दूसरी छत



पर होते हुए भागने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान स्थानीय लोगों ने शोर मचाया और उसे पकड़ने की कोशिश की। भागने के दौरान संदिग्ध बालकनी से नीचे गिर पड़ा, जिसके बाद लोगों ने उसे पकड़ लिया। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस दौरान एक महिला ने भी उसे पकड़ने का प्रयास किया। महिला का कहना है कि संदिग्ध ने उनके साथ हाथपाई की और उन्हें दांत काटकर घायल कर दिया। हालांकि, महिला के साथ हुई घटना और अन्य संबंधित आरोपों की पुलिस की ओर से फिलहाल आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। घटना की सूचना मिलने पर

नगर थाना पुलिस और मोबाइल टाइगर की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस संदिग्ध को हिरासत में लेकर पृछताछ के लिए अपने साथ ले गई। मामले में पुलिस की ओर से आगे की जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लोक नगर में दुकानों, घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के आसपास चोरी की घटनाएं सामने आती रही हैं। बिजली के तारों को निशाना बनाए जाने से दुकानदारों और प्रतिष्ठान संचालकों में चिंता है। लोगों को आशंका है कि इस तरह की घटनाओं में अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं। हालांकि, इस संबंध में पुलिस जांच के बाद

सीएमएस स्कूल के पास से छह जिंदा कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

भागलपुर। शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने और आपराधिक गतिविधियों पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए भागलपुर पुलिस लगातार एक्शन मोड में है। इसी कड़ी में पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है, जहां आदमपुर थाना क्षेत्र स्थित सीएमएस स्कूल के पास से एक संदिग्ध युवक को छह जिंदा कारतूस के साथ दबांचा गया है। सिटी डीएसपी हेमंत कुमार सिंह ने रविवार को प्रेस वार्ता का आयोजन कर इस पूरे मामले का खुलासा किया। सिटी डीएसपी ने बताया कि पुलिस टीम इलाके में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी और गश्त कर रही थी। इसी दौरान सीएमएस स्कूल के पास पुलिस की नजर एक संदिग्ध युवक पर पड़ी। पुलिस टीम ने जब उसे रोककर उसकी अमली-जामा तलाशी ली, तो उसके पास से भारी मात्रा में कारतूस बरामद हुए। गिरफ्तार युवक की पहचान नवगछिया पुलिस जिला के



बिहपुर प्रखंड अंतर्गत अमरी बिशनपुर निवासी विष्णु देव कुमार के पुत्र मिथुन कुमार के रूप में की गई है। पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर आदमपुर थाने में सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। ,सिटी डीएसपी हेमंत कुमार सिंह ने कहा कि आरोपी के पास यह कारतूस कहा से आए और वह किस बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में

यहां आया था, यह अभी गहन जांच का विषय है। पुलिस बरामद मोबाइल फोन के कॉल हिस्टेक्स और मोटरसाइकिल के कागजातों को खंगाल रही है, ताकि इस गिरोह से जुड़े अन्य अपराधियों का भी पता लगाया जा सके। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि शहर के संवेदनशील और सार्वजनिक स्थानों पर पुलिस की विशेष पेनी नजर है और संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त किसी भी शख्स को बख्शा नहीं जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर मेधावी छात्राओं और साहसी बालिकाओं को किया गया सम्मानित

नई सोच एक्सप्रेस

सुपौल। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर रविवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार, सुपौल की ओर से बालिकाओं के सम्मान एवं विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा, खेलकूद और साहस के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाली बालिकाओं को सम्मानित कर उनका उत्साह बढ़ाया गया। इस दौरान बालिकाओं को शिक्षा के महत्व, आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास और कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) और बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष राजेश कुमार बच्चन के निर्देशन तथा प्राधिकार के सचिव अमित गौरव के पर्यवेक्षण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाली चान्दनी कुमारी, करिश्मा कुमारी, कृति कुमारी और स्वाति कुमारी को सम्मानित किया



गया। वहीं, खेलकूद के क्षेत्र में हाई जंप में उपलब्धि हासिल करने वाली भवानी कुमारी तथा एथलेटिक्स में बेहतर प्रदर्शन करने वाली लक्ष्मी कुमारी को सम्मान प्रदान किया गया। इसके अलावा साहस और बहादुरी का परिचय देने वाली दो अन्य बालिकाओं में भी सम्मानित किया गया। सम्मान मिलने से बालिकाओं का उत्साह बढ़ा और उनकी उपलब्धियों को समाज के सामने प्रोत्साहित करने का अवसर मिला। कार्यक्रम में महिला न्यायिक पदाधिकारियों ने बालिकाओं से संवाद कर उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के

लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा बालिकाओं के सशक्तीकरण का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। शिक्षित और जागरूक बालिकाएं न केवल अपने अधिकारों को बेहतर ढंग से समझ सकती हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। संवाद के दौरान बालिकाओं को आत्मविश्वास बनाए रखने, अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने और जीवन में आने वाली चुनौतियों का साहसपूर्वक सामना करने के लिए प्रेरित किया गया। उन्हें बताया गया

स्वच्छता अभियान से जुड़ रहे शहरवासी, स्कूलों से बाजार तक जागरूकता की पहल

नई सोच एक्सप्रेस

बगहा। शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के उद्देश्य से नगर परिषद बगहा की ओर से स्वच्छता ही सेवा— 2026 अभियान के तहत जागरूकता गतिविधियां चलाई जा रही हैं। घरों से लेकर विद्यालयों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों तक लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। अभियान के जरिए नागरिकों को कचरे का सही निस्तारण करने, प्लास्टिक के इस्तेमाल से बचने और अपने आसपास साफ-सफाई रखने का संदेश दिया जा रहा है। **घर पर गीले कचरे से खाद बनाने के लिए कर रहे प्रेरित:**नगर परिषद की स्वच्छता टीम और स्वच्छता साथी



घर-घर पहुंचकर लोगों को होम कंपोस्टिंग और चार स्तरीय कचरा

स्रोत पथक्करण के बारे में जानकारी दे रहे हैं। लोगों को गीले कचरे से

लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती मनी, उनके अरमानों को पूरा करने का लिया संकल्प

नई सोच एक्सप्रेस

नवादा।संपूर्ण क्रांति के प्रणेता और महान स्वतंत्रता सेनानी लोकनायक जयप्रकाश नारायण की 124वीं जयंती रविवार को नवादा के प्रजातंत्र चौक स्थित जेपी स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने उनके विचारों और आदर्शों को आत्मसात करते हुए उनके अरमानों को पूरा करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नेताजी सुभाष चंद्र बोस बिगड के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी मनीष कुमार सिन्हा ने की। उन्होंने कहा कि जयप्रकाश नारायण चाहते तो प्रधानस्थित लोगों ने उनके विचारों, लेकिन उन्होंने कभी सत्ता और पद का लोभ नहीं किया। जनता पाटी की सरकार बनने पर भी उन्होंने प्रधानमंत्री पद स्वीकार करने के बजाय मोरारजी देसाई को प्रधानमंत्री बनाने में भूमिका निभाई।अधिवक्ता अवलोक कुमार ने कहा कि जेपी संघर्ष और सादरी की प्रतिमूर्ति थे। उनके विचार हमेशा जीवित रहेंगे। निजाम खान उर्फ कल्लू नेता ने कहा कि जेपी के संपूर्ण क्रांति आंदोलन ने देश की राजनीति को नई दिशा दी। नेटोरी अधिवक्ता भरत भूषण सिन्हा उर्फ फनी जी ने कहा



कि आज जेपी के संघर्ष और आदर्शों को याद रखने की जरूरत है। उनकी पाठशाला से निकले लालू प्रसाद यादव, नीतीश कुमार और रामविलास पासवान जैसे नेताओं ने राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दौरान नवीन कुमार ने ‘जेपी अमर रहे’ के नारे लगाए। मौके पर लालजी प्रसाद सिन्हा, संजय भोजपुरी, सुरेंद्र प्रसाद सिन्हा, अभिषेक सिन्हा, अनिल सिन्हा, नसीम भट्ट, खोखा सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

रूईधारा महाकाल मंदिर में कलश स्थापना के साथ शारदीय नवरात्र शुरू, मां शैलपुत्री की हुई पूजा-अर्चना

नई सोच एक्सप्रेस

किशनगंज। शहर के रूईधारा स्थित महाकाल मंदिर में रविवार को कलश स्थापना के साथ शारदीय नवरात्र की पूजा-अर्चना शुरू हुई। नवरात्र के पहले दिन मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की विधि-विधान से पूजा की गई। मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का रिलसिला शुरू हो गया, जबकि संध्या में मां की आरती का आयोजन किया गया। यहां मां दुर्गा के साथ महाकाल बाबा की भी पूजा-अर्चना की जाती है। मंदिर के पुरोहित गुरु साकेत ने वैदिक मंत्रों के साथ मां शैलपुत्री की आराधना कराई। उन्होंने बताया कि नवरात्र के प्रथम दिन शुभ मुहूर्त में घटस्थापना यानी कलश स्थापना कर श्रद्धालु नौ दिनों तक चलने वाले व्रत और पूजा को संकल्प लेते हैं। धार्मिक मान्यता है कि मां शैलपुत्री की उपासना से जीवन में सुख, शांति, साहस और स्थिरता प्राप्त होती है। गुरु साकेत ने बताया कि मां शैलपुत्री को मां दुर्गा



का प्रथम स्वरूप माना जाता है। पर्वतराज हिमालय की पुत्री होने के कारण उनका नाम शैलपुत्री पड़ा। उनका वाहन वृषभ है। माता अपने दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल धारण करती हैं। इसी कारण उन्हें वृषारूढ़ा के नाम से भी जाना जाता है। पार्वती और हेमवती उनके अन्य नाम हैं। पौराणिक मान्यता के अनुसार, मां शैलपुत्री पूर्वजन्म में प्रनुषा और अग्रसेन के पुत्री सती हैं। दश द्वारा आयोजित यज्ञ में भगवान शिव को आर्पित नहीं किया गया था। पति के समझाने के बावजूद सती यज्ञ में पहुंचीं, जहां उन्हें अपने पिता और

अन्य परिजनों की ओर से अपमान का सामना करना पड़ा। भगवान शिव के अपमान से आहत होकर सती ने योगगिनि में अपने प्राण त्याग दिए। इसके बाद उन्होंने पर्वतराज हिमालय के घर पुत्री के रूप में जन्म लिया और शैलपुत्री कहलाईं। बाद में उनका विवाह भगवान शिव से हुआ और वे उनकी अद्विगिनी बनीं। नवरात्र के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा के साथ मंदिर में नौ दिनों तक चलने वाली देवी आराधना का शुभारंभ हुआ। श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की।

अग्रसेन जयंती पर निकली शोभायात्रा, महाराज के जयकारों से गूंजा नगर

नई सोच एक्सप्रेस

भागलपुर। महाराज अग्रसेन जी की जयंती के पावन अवसर पर रविवार को भागलपुर शहर में एक एवं भव्य शोभा यात्रा अत्यंत



और धूमधाम के साथ निकाली गई। इस शोभायात्रा में मारवाड़ी हिस्सा लिया। महाराज अग्रसेन के जयकारों और पारंपरिक भजनों से पूरा भागलपुर नगर भक्तिमय हो उठा। यह शोभायात्रा शहर के देवी बाबू धर्मशाला से प्रारंभ हुई। इसके बाद यह नगर के प्रमुख और व्यस्ततम मार्गोंकोतवाली चौक, अग्रसेन चौक और स्टेशन चौक होते हुए वापस देवी बाबू धर्मशाला पहुंचकर संपन्न हुई। यात्रा के दौरान रास्ते में जगह-जगह पर स्थानीय नागरिकों और विभिन्न व्यापारिक और सामाजिक संगठनों द्वारा तोरण द्वार बनाकर और पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया। पारंपरिक वेशभूषा में सजे श्रद्धालु, गगनभेदी जयकारे और मनमोहक झांकियां इस रैली का

मुख्य आकर्षण रहीं। शोभायात्रा के समापन पर देवी बाबू धर्मशाला में एक सभा का आयोजन किया गया, जिसे समाज के मुख्य गणमान्य अतिथियों और प्रबुद्ध वक्ताओं ने संबोधित किया। मुख्य वक्ताओं ने अपने संबोधन में महाराज अग्रसेन जी के जीवन दर्शन और उनके सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में समाज के वरिष्ठ जनों और शोभायात्रा को सफल बनाने वाले कार्यकर्ताओं को अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। सामूहिक आरती और महाप्रसाद वितरण के साथ इस जन्मोत्सव कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर अग्रसेन समाज और मारवाड़ी समाज की कार्यकारिणी के पदाधिकारी, विभिन्न वर्गों के सदस्य और बड़ी संख्या में स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

घर पर खाद तैयार कर उसका इस्तेमाल पौधों में करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके साथ ही पौधारोपण के महत्व को बताते हुए घर और आसपास हरियाली बढ़ाने की अपील की जा रही है। **स्कूली बच्चों को दिलाई स्वच्छता की शपथ:**अभियान में विद्यार्थियों की भागीदारी बढ़ाने के लिए विभिन्न विद्यालयों में पेंटिंग, विक्ज, नाटक, भाषण और खेलकूद प्रतियोगिताओं के साथ शैक्षणिक वीडियो दिखाए जा रहे हैं। बच्चों को स्वच्छता की शपथ दिलाकर अपने घर, विद्यालय और आसपास के क्षेत्रों को साफ रखने का संकल्प कराया गया। उन्हें परिवार के सदस्यों और समाज के अन्य लोगों को भी स्वच्छता के

प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।रैलवे स्टेशन के आसपास चलाया सफाई अभियान सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता को लेकर बगहा रेलवे स्टेशन और रेलवे ट्रैक के आसपास सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान लोगों को रेलवे परिसर और पटरियों के आसपास कचरा नहीं फेंकने के प्रति जागरूक किया गया। नगर परिषद ने नागरिकों से सार्वजनिक स्थानों को साफ रखने और स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है। ठेला-खोमचा संचालकों को भी किया जा रहा जागरूक बाजारों में ठेला-खोमचा लगाने वाले दुकानदारों को प्रतिबंधित प्लास्टिक प्लांतीयन और सिंगल यूज प्लास्टिक का

उपयोग नहीं करने की सलाह दी जा रही है। इसके स्थान पर पर्यवरण के अनुकूल विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। साथ ही, दुकानों के पास डस्टबिन रखने और कचरे को सड़क या नालियों में फेंकने के बजाय उसमें डालने की समझाइश दी जा रही है। नगर परिषद का उद्देश्य स्वच्छता को केवल अभियान तक सीमित नहीं रखना, बल्कि इसे लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बनाना है। इसके लिए नागरिकों, विद्यार्थियों और दुकानदारों से स्वच्छता ही सेवा—2026 अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की जा रही है, ताकि शहर को स्वच्छ, स्वस्थ और हरित बनाया जा सके।

राम और शिव को बांटने की राजनीति कितनी उचित?

आस्था को उत्तर-दक्षिण के विभाजन से जोड़ना भारतीय संस्कृति की मूल भावना के विपरीत



आरती कुमारी

भारत की सभ्यता और संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता उसकी विविधता में एकता है। यहां भाषा, वेशभूषा, खानपान, पूजा-पद्धति और क्षेत्रीय परंपराओं में भिन्नता होने के बावजूद सांस्कृतिक चेतना की एक गहरी धारा पूरे देश को जोड़ती है। भगवान श्रीराम और भगवान शिव इस सांस्कृतिक एकता के ऐसे प्रतीक हैं, जिनकी आराधना उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक होती है। ऐसे में यदि राजनीतिक विमर्श में भगवान श्रीराम को उत्तर भारत और भगवान शिव को दक्षिण भारत की धार्मिक पहचान के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, तो यह केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं रह जाता, बल्कि देश की सांस्कृतिक एकता और राजनीतिक की दिशा पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से जुड़े राम और

शिव की क्षेत्रीय पहचान वाले बयान ने इसी बहस को जन्म दिया है। यदि इन देवताओं की आराधना को उत्तर और दक्षिण के खांचों में रखकर राजनीतिक संदेश देने की कोशिश की जाती है, तो यह समझना आवश्यक है कि भारतीय परंपरा किसी एक क्षेत्र, जाति या भाषा तक सीमित नहीं है। भगवान श्रीराम और भगवान शिव करोड़ों लोगों की श्रद्धा के केंद्र हैं। उनकी महत्ता को क्षेत्रीय विभाजन के चरम से देखना भारतीय धार्मिक परंपराओं की व्यापकता को सीमित करने जैसा है।

राजनीति में धार्मिक प्रतीकों का इस्तेमाल: लोकतंत्र में राजनीतिक दलों को अपनी नीतियों, विचारधारा और उपलब्धियों के आधार पर जनता के बीच जाना चाहिए। सरकारों का मूल्योंकन रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, विकास, कानून-व्यवस्था, भ्रष्टाचार पर नियंत्रण और जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन जैसे मुद्दों पर होना चाहिए। लेकिन जब राजनीतिक बहस धार्मिक प्रतीकों और आस्थाओं के इर्द-गिर्द केंद्रित हो जाती है, तब वास्तविक जनमस्पर्धा पीछे छूटने लगती हैं। रेवंत रेड्डी के बयान को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच आपाप-प्रत्यारोप का दौर तेज होना इसी प्रवृत्ति की ओर संकेत करता है। भाजपा इसे हिंदू आस्था और राष्ट्रीय एकता से जोड़कर देख रही है, जबकि कांग्रेस की ओर से ऐसे बयानों की व्याख्या राजनीतिक संदर्भ में की जा सकती है। लेकिन किसी भी दल के लिए यह उचित नहीं होगा कि वह धार्मिक आस्था को राजनीतिक लाभ का साधन बनाए। धार्मिक प्रतीकों का उपयोग तभी तक स्वीकार्य है, जब तक उससे समाज

में संवाद और समझव मजबूत हो। यदि उनका इस्तेमाल समुदायों, क्षेत्रों या सांस्कृतिक परंपराओं के बीच दूरी पैदा करने के लिए किया जाता है, तो उस पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

श्रीराम और शिव किसी एक क्षेत्र के नहीं: भगवान श्रीराम को उत्तर भारत और भगवान शिव को दक्षिण भारत तक सीमित करना ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक वास्तविकताओं की अधूरी व्याख्या होगी। उत्तर भारत में काशी विश्वनाथ, केदारनाथ और महाकालेश्वर जैसे शिवधाम श्रद्धा के प्रमुख केंद्र हैं। श्रावण मास में शिवभक्ति, कांवड़ यात्रा और शिवालयों में होने वाली पूजा-अर्चना उत्तर भारत की धार्मिक पहचान का अभिन्न हिस्सा हैं। दूसरी ओर दक्षिण भारत में भी भगवान श्रीराम की आराधना की समृद्ध परंपरा है। रामायण की कथाएं, रामभक्ति के साहित्यिक रूप और रामेश्वरम जैसे तीर्थ उत्तर-दक्षिण के सांस्कृतिक संबंधों को प्रमाणित करते हैं। रामेश्वरकामा धार्मिक महत्व विशेष रूप सेउल्लेखनीय है। भगवान श्रीराम से जुड़ी मान्यताओं और भगवान शिव की आराधना का यहां ऐसा संपम दिखाई देता है, जो क्षेत्रीय विभाजन की अवधारणा को ही कमजोर करता है। इसी प्रकार उत्तर भारत के अनेक मंदिरों और धार्मिक परंपराओं में शिव और राम दोनों के प्रति समान श्रद्धा व्यक्त की जाती है।

भारतीय धार्मिक परंपरा में भगवान शिव को संहार और सृजन के व्यापक दार्शनिक स्वरूप में देखा जाता है, जबकि भगवान श्रीराम मर्यादा, कर्तव्य, त्याग और आदर्श शासन के प्रतीक माने जाते हैं। दोनों की आराधना के अपने-अपने आध्यात्मिक अर्थ हैं, लेकिन उन्हें परस्पर विरोधी

बनाकर प्रस्तुत करने का कोई औचित्य नहीं है। रामभक्त शिव की पूजा करते हैं और शिवभक्त राम के प्रति श्रद्धा रखते हैं। भारतीय संस्कृति की शक्ति इसी सह-अस्तित्व में निहित है।

आर्य-द्रविड़ बहस को धार्मिक टकराव का आधार न बनाया जाए: दक्षिण भारत की भाषाओं, परंपराओं और सांस्कृतिक विशिष्टताओं का अपना समृद्ध इतिहास है। इन विशिष्टताओं का सम्मान करना आवश्यक है। लेकिन क्षेत्रीय पहचान को धार्मिक विरोध का आधार बनाना अलग बात है। आर्य और द्रविड़ जैसी ऐतिहासिक एवं भाषाई अन्वधारणाओं को आधुनिक राजनीतिक विमर्श में इस प्रकार प्रस्तुत करना कि एक पक्ष भगवान श्रीराम और दूसरा भगवान शिव का प्रतिनिधि बन जाए, इतिहास को सरल राजनीतिक खांचों में बांटने का प्रयास होगा। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में धार्मिक मान्यताओं का विकास परस्पर संवाद, सहित्य, तीर्थयात्राओं और सामाजिक संपर्क के माध्यम से हुआ है। रामायण की विविध क्षेत्रीय परंपराएं इसका उदाहरण हैं। तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और हिंदी सहित अनेक भाषाओं में रामकथा के अलग-अलग रूप मिलते हैं। इसी तरह शिवभक्ति की परंपरा भी देश के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग रूपों में विकसित हुई है। इन विविधताओं को टकराव के बजाय महत्वपूर्ण होता है। भावनाएं अपनी जगह हैं, लेकिन तथ्य समय की कसौटी होते हैं। 2026 के परिणामों को केवल किसी एक व्यक्ति की हार या जीत के रूप में देखना शायद पर्याप्त नहीं होगा। लोकतंत्र में चुनाव परिणाम कई सामाजिक, राजनीतिक, संगठनात्मक और स्थानीय कारकों के सम्मिलित प्रभाव का परिणाम होते हैं। तृणमूल कांग्रेस का विधानसभा में 215 से 80 सीटों पर आ जाना निश्चित रूप से बहुत बड़ा राजनीतिक परिवर्तन है। दूसरी ओर भाजपा का 77 से 207 सीटों तक पहुंचना भी बंगाल के चुनावी इतिहास में असाधारण बदलाव है। लेकिन यह कहना कि किसी दल का अस्तित्व समाप्त हो गया, तथ्यात्मक रूप से सही नहीं होगा। 2026 के विधानसभा परिणामों में तृणमूल कांग्रेस ने 80 सीटें जीती और लगभग 40.7 प्रतिशत मत हासिल किए अर्थात सत्ता चली गई, लेकिन संगठन और उसका

कमतर बताने की आवश्यकता नहीं है। उसी प्रकार उत्तर भारत की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने के लिए दक्षिण भारत की विशिष्टताओं पर प्रश्न उठाना भी उचित नहीं है।

कांग्रेस की राजनीति और उसके सामने सवाल: कांग्रेस लंबे समय से भाजपा पर धर्म और राजनीति को मिलाने का आरोप लगाती रही है। दूसरी ओर भाजपा कांग्रेस पर तुष्टिकरण और धार्मिक मुद्दों पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाती है। राम मंदिर, काशी विश्वनाथ धाम और अन्य धार्मिक स्थलों से जुड़े मुद्दों पर दोनों दलों के बीच राजनीतिक मतभेद सार्वजनिक रहे हैं। इन विषयों पर कांग्रेस और भाजपा के रुख का मूल्यांकन उनके बयानों, निर्णयों और संबंधित ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर होना चाहिए। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण और काशी विश्वनाथ धाम के विकास और विश्व को कांग्रेस की राजनीतिक स्थिति पर भाजपा लगातार सवाल उठाती रही है। सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के बाद तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के मंदिर जाने को लेकर तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की आपत्तियां भी भारतीय राजनीतिक इतिहास का हिस्सा हैं। इन घटनाओं की व्याख्या करते समय उनके ऐतिहासिक संदर्भ और उपलब्ध अभिलेखों को ध्यान में रखना चाहिए। इसी तरह आज के नेताओं के बयानों का मूल्यांकन भी प्रमाणों और पूरे संदर्भ के आधार पर किया जाना चाहिए। कांग्रेस के सामने चुनौती यह है कि वह अपनी राजनीतिक आलोचना को केवल भाजपा विरोध तक सीमित न रखे। यदि कोई कांग्रेसी नेता ऐसा बयान देता है, जिससे धार्मिक या क्षेत्रीय विभाजन का संदेश

निकलता है, तो पार्टी को स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह उस विचार से सहमत है। लोकतांत्रिक राजनीति में अपनी बात रखने का अधिकार सभी को है, लेकिन राष्ट्रीय एकता और धार्मिक सद्भाव से जुड़े प्रश्नों पर जिम्मेदार राजनीतिक प्रतिक्रिया भी जरूरी है। साथ ही भाजपा को भी यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी नेता के बयान की आलोचना करते हुए वह स्वयं धार्मिक भावनाओं को चुनावी धुवीकरण का माध्यम न बनाए। किसी एक दल की कथित गलती दूसरे दल को गैर-जिम्मेदार आचरण की छूट नहीं देती। भारतीय लोकतंत्र में राजनीतिक जवाबदेही का सिद्धांत सभी दलों पर समान रूप से लागू होना चाहिए।

जनता को विकास के सवालों के जवाब चाहिए: तेलंगाना सहित देश के सभी राज्यों में जनता को सरकारों से रोजगार, किसानों की आय, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, बुनियादी ढांचे, महंगाई और भ्रष्टाचार जैसे सवालों पर जवाब चाहिए। चुनावों के दौरान किए गए वादों की समीक्षा और उनके क्रियान्वयन का मूल्यांकन लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है। यदि किसी राज्य में आर्थिक कठिनाइयों, प्रशासनिक कमियों या वादों को पूरा करने में देरी को लेकर सवाल उठते हैं, तो सरकार को अंकड़ों और तथ्यों के साथ जवाब देना चाहिए। लेकिन यह भी आवश्यक है कि आर्थिक स्थिति या प्रशासनिक विफलता के आरोप प्रमाणों के आधार पर लगाए जाएं। केवल राजनीतिक विरोध के कारण किसी सरकार को भ्रष्ट या विफल घोषित कर देना निष्पक्ष विमर्श नहीं कहा जा सकता। इसी प्रकार विकास संबंधी सवालों से ध्यान हटाने के लिए

धार्मिक विवाद खड़ा करना भी उचित नहीं है। सरकार और विपक्ष, दोनों की जिम्मेदारी है कि वे जनता के वास्तविक मुद्दों को प्राथमिकता दें। यथिरे रेवंत रेड्डी के बयान को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ है, तो सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या इस बहस से तेलंगाना की जनता की समस्याओं का कोई समाधान निकलेगा? क्या इससे युवाओं को रोजगार मिलेगा, किसानों की स्थिति सुधरेगी या स्वास्थ्य और शिक्षा की सुविधाएं बेहतर होंगी? जाहिर है, इन प्रश्नों का उत्तर धार्मिक प्रतीकों के राजनीतिक इस्तेमाल में नहीं, बल्कि ठोस नीतियों और प्रभावी प्रशासन में निहित है।

संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल और लोकतांत्रिक मर्यादा: कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल चुनाव आयोग तथा दूसरी संवैधानिक संस्थाओं के कामकाज पर सवाल उठाते रहे हैं। लोकतंत्र में इन संस्थाओं की आलोचना करना अपने आप में गलत नहीं है। यदि किसी निर्णय पर आपत्ति है, तो राजनीतिक दलों को तथ्य प्रस्तुत करने, कानूनी प्रक्रिया अपनाने और पारदर्शिता की मांग करने का अधिकार है। लेकिन आलोचना प्रमाणों और तर्कों पर आधारित होनी चाहिए। इसी तरह संवैधानिक संस्थाओं को भी निष्पक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही के उच्चतम मानकों पर खरा उतरना चाहिए। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार और विपक्ष दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण है। विपक्ष का काम सरकार से सवाल पूछना है, जबकि सरकार की जिम्मेदारी उन सवालों का उत्तर देना है। दोनों पक्षों को अपने राजनीतिक मतभेदों के बीच राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सद्भाव और संवैधानिक मर्यादाओं का सम्मान करना

चाहिए। चुनावी लाभ के लिए संस्थाओं या धार्मिक प्रतीकों को विवाद का विषय बनाना लोकतांत्रिक विश्वास को कमजोर कर सकता है।

आस्था जोड़ने का माध्यम बने, बांटने का नहीं: भारत का इतिहास बताता है कि यहां अनेक भाषाओं, परंपराओं और धार्मिक मान्यताओं ने मिलकर एक साझा सांस्कृतिक संसार बनाया है। भगवान श्रीराम और भगवान शिव इस संसार के ऐसे प्रतीक हैं, जिनके प्रति श्रद्धा किसी भौगोलिक सीमा में कैद नहीं है। उत्तर भारत का व्यक्ति शिवभक्त होने के साथ रामभक्त भी हो सकता है और दक्षिण भारत का व्यक्ति दोनों आराध्यों के प्रति समान श्रद्धा रख सकता है। इसमें कोई विरोधाभास नहीं है।

राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि धार्मिक आस्था जनता के जीवन का संवेदनाशील हिस्सा है। इसका सम्मान करना सभी की जिम्मेदारी है। किसी बयान से यदि समाज में विभाजन का संदेश जाता है, तो उसकी आलोचना होनी चाहिए; लेकिन उन आलोचना का उद्देश्य भी सद्भाव को मजबूत करना होना चाहिए, न कि नया विवाद खड़ा करना।

रेवंत रेड्डी के बयान से जुड़ी बहस का सार यही है कि भगवान श्रीराम और भगवान शिव को उत्तर और दक्षिण के राजनीतिक प्रतीकों में बदलने की कोशिश नहीं करनी चाहिए; लेकिन उन आलोचना को अनुरूप नहीं है। कांग्रेस हो या भाजपा, किसी भी दल को यह अधिकार नहीं होना चाहिए कि वह धार्मिक आस्था को अपने राजनीतिक हितों के अनुसार परिभाषित करे। जनता को नारा और आरोपों से अधिक विकास, सुशासन और जवाबदेही चाहिए।

सत्ता कितनी भी मजबूत हो - वक्त से बड़ी नहीं होती



जितेन्द्र कुमार मिश्रा, पटना

इतिहास के पन्नों में कुछ राजनीतिक घटनाएं केवल सत्ता परिवर्तन नहीं होती है, वे समय की उस करवट का प्रमाण बन जाती हैं, जो वर्षों से दिखाई न देने के बावजूद भीतर ही भीतर आकार ले रही होती हैं। पश्चिम बंगाल की राजनीति में वर्ष 2026 का घटनाक्रम भी ऐसी ही एक करवट के रूप में दर्ज हुआ है। एक जनवरी 1998 को ममता बनर्जी ने कांग्रेस से अलग होकर अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस की स्थापना की। इसके बाद लगभग एक दशक से अधिक समय तक उन्होंने पश्चिम बंगाल में

34 वर्षों से जड़ जमाए वाम मोर्चे के शासन को चुनौती दी। आधिकार 20 मई 2011 को वह दिन आया, जब ममता बनर्जी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर वाम मोर्चे के लंबे शासन का अंत कर दिया। इसके साथ बंगाल की राजनीति में एक नया अध्याय शुरू हुआ। 2011 से 2026 तक तृणमूल कांग्रेस ने राज्य की सत्ता संभाली। तीन विधानसभा चुनावों में लगातार जीत ने ममता बनर्जी की राजनीतिक पकड़ को मजबूत किया। धीरे-धीरे तृणमूल बंगाल की राजनीति का केंद्रीय ध्रुव बन गई। लेकिन राजनीति का सबसे बड़ा सत्य यही है कि सत्ता स्थायी नहीं होती है और कोई भी राजनीतिक दुर्ग अभेद्य नहीं होता है। 2011 में जब वाम मोर्चे का शासन समाप्त हुआ, तब शायद बहुत कम लोगों ने कल्पना की होगी कि बंगाल की राजनीति में अगली बड़ी करवट कितनी नाकरीश होगी। वाम मोर्चा 34 वर्षों तक सत्ता में रहा था। उसने पंचायत से लेकर विधानसभा तक एक ऐसा संगठनात्मक ढांचा खड़ा किया था, जिसे लंबे समय तक चुनौती देना कठिन माना जाता था। लेकिन जनता के राजनीतिक मन

में परिवर्तन आया और 2011 में वही मजबूत किला ढह गया। उस समय यह घटना एक संदेश लेकर आई थी कि कोई भी सत्ता जनता की स्वीकृति के बिना स्थायी नहीं रह सकती है। 2026 में इसी इतिहास ने एक अलग रूप में खुद को दोहराया। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने 207 सीटें जीती, जबकि तृणमूल कांग्रेस 80 सीटों पर सिमट गई। 2021 में तृणमूल के पास 215 सीटें थी और भाजपा के पास 77 यानि पांच वर्ष के भीतर विधानसभा में दोनों दलों की स्थिति में अच्यंत बड़ा उलटफेर हुआ। यह केवल सीटों की संख्या का अंतर नहीं था। यह उस राजनीतिक परिवर्तन का परिणाम था, जिसमें बंगाल की मतदाता राजनीति ने सत्ता के समीकरण को पूरी तरह बदल दिया। चुनाव परिणाम मई के पहले सप्ताह में स्पष्ट हो चुके थे। 4 मई को अधिकांश सीटों ने परिणाम सामने आ गए और इसके बाद सरकार गठन की प्रक्रिया आगे बढ़ी। 9 मई को नई सरकार के शपथ ग्रहण के साथ सत्ता परिवर्तन औपचारिक रूप से सामने आया। इसलिए 9 मई को बंगाल के राजनीतिक

इतिहास में एक महत्वपूर्ण तारीख के रूप में देखा जा सकता है, लेकिन वास्तविक चुनावी फैसला उससे कुछ दिन पहले मंगलगुरु के दौरान सामने आ चुका था। यही अंतर इतिहास लिखते समय महत्वपूर्ण होता है। भावनाएं अपनी जगह हैं, लेकिन तथ्य समय की कसौटी होते हैं। 2026 के परिणामों को केवल किसी एक व्यक्ति की हार या जीत के रूप में देखना शायद पर्याप्त नहीं होगा। लोकतंत्र में चुनाव परिणाम कई सामाजिक, राजनीतिक, संगठनात्मक और स्थानीय कारकों के सम्मिलित प्रभाव का परिणाम होते हैं। तृणमूल कांग्रेस का विधानसभा में 215 से 80 सीटों पर आ जाना निश्चित रूप से बहुत बड़ा राजनीतिक परिवर्तन है। दूसरी ओर भाजपा का 77 से 207 सीटों तक पहुंचना भी बंगाल के चुनावी इतिहास में असाधारण बदलाव है। लेकिन यह कहना कि किसी दल का अस्तित्व समाप्त हो गया, तथ्यात्मक रूप से सही नहीं होगा। 2026 के विधानसभा परिणामों में तृणमूल कांग्रेस ने 80 सीटें जीती और लगभग 40.7 प्रतिशत मत हासिल किए अर्थात सत्ता चली गई, लेकिन संगठन और उसका

जनाधार पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ। यही लोकतंत्र की विशेषता है कि आज सत्ता में रहने वाला दल कल विपक्ष में हो सकता है और आज विपक्ष में बैठा दल कल सत्ता में। तृणमूल कांग्रेस का चुनाव-चिह्न “दो फूल और घास” पश्चिम बंगाल की राजनीति में लंबे समय से एक पहचाना हुआ प्रतीक रहा है। यह प्रतीक केवल चुनावी पहचान नहीं बल्कि एक राजनीतिक आंदोलन की दृश्य पहचान भी बन चुका था। लेकिन सितंबर 2026 में पार्टी के भीतर उत्पन्न विवाद ने इस पहचान को भी कानूनी और संगठनात्मक प्रश्नों के घेरे में ला दिया है। निर्वाचन आयोग ने 17 सितंबर को अंतिम आदेश के तहत ‘All India Trinamool Congress’ नाम और पारंपरिक चुनाव-चिह्न को प्रीज कर दिया तथा दोनों प्रतियर्द्धि गुटों को अलग-अलग नाम और चुनाव-चिह्न दिया। ममता बनर्जी के गुट को ‘Mamata All India Trinamool Congress’ नाम और पुटबॉल खिलाड़ी का प्रतीक दिया गया। यह घटनाक्रम बताता है कि राजनीतिक दल केवल चुनाव जीतने से मजबूत नहीं

होते हैं। संगठनात्मक एकता, नेतृत्व, कार्यकर्ता-तंत्र और आंतरिक अनुशासन भी उतने ही महत्वपूर्ण होते हैं। ममता बनर्जी का राजनीतिक समर्थ स्वयं इस सिद्धांत का उदाहरण है। 1998 में एक नई पार्टी का निर्माण, 2011 में 34 वर्षों के वाम शासन का अंत, फिर लगातार तीन विधानसभा चुनावों में सत्ता की वापसी, यह यात्रा किसी सामान्य राजनीतिक घटनाक्रम की तरह नहीं देखी जा सकती है। लेकिन 2026 ने उसी यात्रा का दूसरा पक्ष सामने रखा। जिस राजनीतिक शक्ति ने कभी तीन दशक पुराने सत्ता तंत्र को चुनौती देकर इतिहास बदला था, उसे स्वयं मतदाताओं के निर्णय के सामने सत्ता से बाहर होना पड़ा। यही लोकतंत्र की सच्चाई है। लोकतंत्र इसी परिवर्तन का नाम है। पश्चिम बंगाल ने 1977 में सत्ता परिवर्तन देखा। 2011 में उसने 34 वर्षों के वाम शासन को समाप्त किया। 2026 में उसने एक बार फिर सत्ता का बड़ा परिवर्तन किया। इन घटनाओं के बीच एक समान सूत्र है ‘जनता का निर्णय’। राजनीतिक दल अपनी रणनीति बनाते हैं, नेता भाषण देते हैं, संगठन चुनाव लड़ते हैं और

है। जब पार्टी और नेता का अंतर मिटने लगता है, जब संगठन की जगह व्यक्ति केंद्र में आ जाता है, जब आलोचना को शत्रुता समझा जाने लगता है और जब जनता की चुप्पी को स्थायी समर्थन मान लिया जाता है, तभी पतन की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। यह किसी एक दल के लिए नहीं है, हर राजनीतिक संगठन के लिए एक सामान्य सबक है। सत्ता में बैठे व्यक्ति को यह समझना चाहिए कि कुर्सी उसके व्यक्तित्व का स्थायी हिस्सा नहीं है। कुर्सी संविधान की व्यवस्था है और जनता का विश्वास उसका आधार। आज जो व्यक्ति मुख्यमंत्री है, कल वह विपक्ष में बैठ सकता है। आज जो दल बहुमत में है, कल उसे विपक्ष की भूमिका निभाना पड़ सकती है। लोकतंत्र इसी परिवर्तन का नाम है। पश्चिम बंगाल ने 1977 में सत्ता परिवर्तन देखा। 2011 में उसने 34 वर्षों के वाम शासन को समाप्त किया। 2026 में उसने एक बार फिर सत्ता का बड़ा परिवर्तन किया। इन घटनाओं के बीच एक समान सूत्र है ‘जनता का निर्णय’। राजनीतिक दल अपनी रणनीति बनाते हैं, नेता भाषण देते हैं, संगठन चुनाव लड़ते हैं और

समर्थक अपने-अपने तर्क रखते हैं। लेकिन मतदान के दिन अंतिम निर्णय मतदाता करता है। इसलिए किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सत्ता को अधिकार से अधिक जिम्मेदारी समझना चाहिए। सत्ता जनता द्वारा दिया गया एक अवसर है, स्थायी संपत्ति नहीं। किसी राजनीतिक दल की हार को केवल पराजय की भाषा में देखना भी इतिहास को छोटा करना है। हार के भीतर भी कई प्रश्न छिपे होते हैं। क्या संगठन जमीन से जुड़ा रहा? क्या कार्यक्रमों और नेतृत्व के बीच संवाद बना रहा? क्या जनता की बदलती अपेक्षाओं को समय पर समझा गया? क्या नई पीढ़ी की आकांक्षाओं को राजनीतिक भाषा मिली? क्या सत्ता में रहते हुए प्रशासन और संगठन के बीच उचित दूरी बनी रही? क्या विपक्ष की आलोचनाओं को पर्याप्त गंभीरता से लिया गया? इन सवालों के उत्तर किसी एक चुनाव परिणाम से नहीं मिलेंगे। उनका उत्तर समय देता है और यही कारण है कि 2026 का बंगाल केवल सत्ता परिवर्तन की कहानी नहीं है, बल्कि राजनीतिक संगठनों के लिए आत्ममंथन का अवसर भी है।

गिरता रुपया, महँगा होता तेल और भारतीय अर्थव्यवस्था की अनिपरीक्षा : वैश्विक संकट के बीच भारत की आर्थिक रणनीति का परीक्षण



आचार्य अशोक चौधरी 'प्रियदर्शी' कटिहार, बिहार

विश्व राजनीति और वैश्विक अर्थव्यवस्था का इतिहास इस सत्य का साक्षी है कि किसी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी सैन्य क्षमता, प्राकृतिक संसाधनों अथवा जनसंख्या से नहीं मापी जाती, बल्कि उसकी आर्थिक स्थिरता, मुद्रा की विश्वसनियता, उत्पादन क्षमता, ऊर्जा सुरक्षा और संकटों से उबरने की सामर्थ्य से निर्धारित होती है। इस्कीसर्वो सदी का भारत आज इसी कसौटी पर स्वयं को स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है। पाँच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य, वर्ष 2047 तक विकसित भारत का संकल्प, तीव्र गति से विकसित हो रहा आधारभूत ढाँचा, डिजिटल क्रांति, विनिर्माण क्षेत्र का विस्तार और वैश्विक निवेश का बहुता विश्वास भारत को नई ऊँचाइयों की ओर ले जा रहा है। किन्तु दूसरी ओर डॉलर की निरंतर मजबूती,

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, पश्चिम एशिया सहित अनेक क्षेत्रों में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं में व्यवधान तथा वित्तीय अनिश्चितताओं ने भारत जैसी उपभूती अर्थव्यवस्थाओं के सामने गंभीर चुनौतियाँ भी खड़ी कर दी हैं। भारतीय रुपया केवल लेन-देन का माध्यम नहीं है, वह देश की आर्थिक प्रतिष्ठा और निवेशकों के विश्वास का प्रतीक भी है। जब रुपया कमजोर होता है तो उसका प्रभाव केवल विदेशी मुद्रा बाजार तक सीमित नहीं रहता, बल्कि आयात, निर्यात, पेट्रोल-डीजल, परिवहन, उद्योग, कृषि, निर्माण, महंगाई और अंततः प्रत्येक नागरिक के घरेलू बजट तक पहुँचता है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा भाग आयातित कच्चे तेल से पूरा करता है। परिणामस्वरूप अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेज महँगा होने और डॉलर के मजबूत होने का संयुक्त प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव उत्पन्न करता है। यह समझना भी आवश्यक है कि किसी मुद्रा का मूल्य केवल सरकार की इच्छा से निर्धारित नहीं होता। उस पर वैश्विक वित्तीय बाजार, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतियाँ, विदेशी निवेश, आयात-निर्यात का संतुलन, चालू खाते का घाटा, विदेशी मुद्रा भंडार तथा अंतरराष्ट्रीय निवेशकों की धारणा जैसे अनेक कारक प्रभाव डालते हैं। इसलिए रुपये में होने वाले प्रत्येक उतार-चढ़ाव को केवल

घरेलू राजनीति का परिणाम मान लेना न तो आर्थिक दृष्टि से उचित है और न ही तथ्यपरक। फिर भी यह उतना ही सत्य है कि किसी भी सरकार की आर्थिक क्षमता का वास्तविक परीक्षण संकट के समय ही होता है। अनुकूल परिस्थितियों में विकास करना अपेक्षाकृत सरल होता है, किन्तु प्रतिकूल वैश्विक वातावरण में विकास की गति बनाए रखना ही कुशल आर्थिक नेतृत्व का परिचायक होता है। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में इसी दिशा में अनेक सरचनात्मक सुधारों के माध्यम से अपनी आर्थिक नौव को सुदृढ़ करने का प्रयास किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वित्तीय समावेशन को राष्ट्रीय विकास की आधारशिला बनाया गया। प्रधानमंत्री जन-धन योजना के माध्यम से करोड़ों गरीब परिवार पहली बार औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े। इसके परिणामस्वरूप प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्रणाली को गति मिली और सरकारी सहायता योजनाें लाभार्थियों के खातों तक पहुँचने लगी। इससे पारदर्शिता बढ़ने, विचोर्तियों की भूमिका कम करने तथा कल्याणकारी योजनाओं की प्रभावशीलता में सुधार लाने का प्रयास हुआ। इसी प्रकार डिजिटल भुगतान क्रांति की दिशा में अग्रणी देशों की श्रेणी में ला खड़ा किया। आज छोटे दुकानदार से लेकर बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठान तक डिजिटल भुगतान को अपनाने दिखाई देते हैं। यूफ़िनकाइड पेमेंट्स इंटरफ़ेस (यूपीआई)

ने वित्तीय लेन-देन की संस्कृति में व्यापक परिवर्तन किया है। यह परिवर्तन केवल तकनीकी नहीं, बल्कि आर्थिक औपचारिकता और पारदर्शिता की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) ने देश को एकीकृत राष्ट्रीय बाजार प्रदान करने का प्रयास किया। दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आइबीसी) ने बैंकिंग व्यवस्था में फ़ैसी परिसंपत्तियों के समाधान की नई व्यवस्था प्रस्तुत की। मेक इन इंडिया, उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाएँ और आत्मनिर्भर भारत अभियान के माध्यम से विनिर्माण क्षेत्र को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया गया, ताकि भारत केवल उपभोक्ता बाजार न रहकर वैश्विक उत्पादन केंद्र के रूप में भी स्थापित हो सके। आर्थिक विकास की यह यात्रा केवल उद्योगों तक सीमित नहीं रही। इस सामाजिक सुरक्षा से भी जोड़ा गया। आयुष्मान भारत योजना से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने का प्रयास किया। उज्ज्वला योजना ने करोड़ों महिलाओं को स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पदल की। प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत अभियान, पीएम किसान सम्मान निधि, मुद्रा योजना और स्टार्टअप इंडिया जैसी योजनाओं ने विकास को समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुँचाने का प्रयास किया। आर्थिक रूप से कमजोर

सामान्य वर्ग (इंडब्ल्यूएस) के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण ने सामाजिक न्याय के विमर्श को भी नया आयाम दिया। आज भारत की आर्थिक यात्रा केवल योजनाओं के विस्तार से नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन की कसौटी पर भी परखी जा रही है। किसी भी कल्याणकारी योजना का वास्तविक मूल्यांकन उसके बजट से नहीं, बल्कि अंतिम पॉक्त में खड़े नागरिक के जीवन में आए परिवर्तन से होता है। यदि जन-धन खाते के माध्यम से गरीब परिवार बैंकिंग व्यवस्था से जुड़ता है, आयुष्मान भारत के कारण किसी निधन परिवार का उपचार संभव होता है, उज्ज्वला योजना के माध्यम से ग्रामीण महिला धुरें से मुक्ति पाती है, किसान सम्मान निधि से छोटे किसान को समय पर आर्थिक सहायता मिलती है और जल जीवन मिशन के माध्यम से घर-घर स्वच्छ पेयजल पहुँचता है, तो यह केवल प्रशासनिक उपलब्धि नहीं, बल्कि सामाजिक पूंजी का निर्माण भी है। इसी कारण पिछले वर्षों में शासन की प्राथमिकता केवल आर्थिक विकास दर तक सीमित न रहकर समावेशी विकास की अवधारणा को आगे भी बढ़ी है। इसके साथ ही भारत ने आधारभूत संरचना के विकास से आर्थिक प्रगति का केंद्रीय आधार बनाया। राष्ट्रीय रामगणों का तीव्र विस्तार, एक्सप्रेस-वे, आधुनिक रेलवे स्टेशन, बंदे भारत ट्रेनें, समर्पित माल गलियारों, नए हवाई अड्डे, अंतर्राष्ट्रीय जलमार्ग, बंदरगाहों का आधुनिकीकरण

तथा औद्योगिक कॉरिडोर जैसी परियोजनाएँ केवल निर्माण कार्य नहीं हैं, बल्कि भविष्य की उत्पादन क्षमता में निवेश हैं। विकसित देशों का अनुभव बताता है कि मजबूत आधारभूत संरचना निवेश आकर्षित करती है, परिवहन लागत कम करती है, उद्योगों की प्रतियोगात्मक क्षमता बढ़ाती है और रोजगार के नए अवसर उत्पन्न करती है। भारत भी इसी दीर्घकालिक रणनीति पर आगे बढ़ने का प्रयास कर रहा है। ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में भी भारत ने केवल तत्कालीन आवश्यकताओं पर ध्यान नहीं दिया, बल्कि भविष्य की तैयारी भी प्रांभ की है। एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम, सौर ऊर्जा मिशन, हरित हाइड्रोजन, पवन ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन, सामरिक पेट्रोलियम भंडार तथा घरेलू गैस उत्पादन में वृद्धि के प्रयास इस बात का संकेत हैं कि भारत आयातित ऊर्जा पर अपनी निर्भरता को धीरे-धीरे कम करना चाहता है। यदि यह रणनीति सफल होती है तो न केवल विदेशी मुद्रा की बचत होगी, बल्कि रुपये की स्थिरता और ऊर्जा सुरक्षा दोनों को दीर्घकालिक मजबूती मिलेगी। आज वैश्विक परिस्थितियाँ भी भारत के लिए नए अवसर लेकर आई हैं। अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ अपनी उत्पादन इकाइयों का विविधीकरण कर रही हैं। विश्व की आपूर्ति शृंखला एक ही देश पर निर्भर रहने के बजाय नए साझेदारों की तलाश में है। ऐसी स्थिति में यदि भारत स्थिर नीतियों, विश्वसनिय

प्रशासन, कुशल मानव संसाधन, आधुनिक आधारभूत संरचना और निर्यात-अनुकूल वातावरण उत्पन्न करेता है, तो वह वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त कर सकता है। सेमीकंडक्टर, रक्षा उत्पादन, इलेक्ट्रॉनिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष विज्ञान, जैव-प्रौद्योगिकी और हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में भारत के पास असाधारण संभावनाएँ हैं। यही वे क्षेत्र हैं जो जाने वाले दशकों में भारत की आर्थिक दिशा निर्धारित करेंगे। हालाँकि चुनौतियाँ अभी भी कम नहीं हैं। रोजगार सृजन की गति बढ़ाना, कृषि की आय में स्थायी वृद्धि सुनिश्चित करना, विनिर्माण क्षेत्र की वैश्विक प्रतिस्पर्धा को मजबूत करना, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को सशक्त बनाना, निर्यात में विविधता लाना तथा शिक्षा और कौशल विकास को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाना अभी भी नीति-निर्माणों के सामने प्रमुख दायित्व हैं। विकसित भारत का सपना केवल सरकारी घोषणाओं से साकार नहीं होगा; उसके लिए उत्पादन, नवाचार, अनुसंधान और कौशल आधारित अर्थव्यवस्था का निर्माण आवश्यक होगा। इस संदर्भ में विपक्ष की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र में स्वस्थ आर्थिक बहस आवश्यक है। किसी भी राष्ट्र की शक्ति होती है। सरकार की आर्थिक नीतियों की रचनात्मक समीक्षा, वैकल्पिक सुझाव और दीर्घकालिक नीति-विमर्श

लोकतंत्र को समृद्ध बनाते हैं। किंतु यदि आर्थिक विषय केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित रह जाएँ, तो उससे न तो निवेशकों का विश्वास बढ़ता है और न ही आम नागरिक को दिशा मिलती है। भारत जैसे उपभूते राष्ट्र में आर्थिक मुद्दों पर राष्ट्रीय सहमति और रचनात्मक विमर्श सत्य की आवश्यकता है। यह भी स्मरण रखना होगा कि किसी राष्ट्र की आर्थिक शक्ति उसकी मुद्रा के प्रतिदिन के उधार परिणाम से नहीं आती जाती। यदि ऐसा होता, तो वैश्विक आर्थिक संकटों के समय अनेक विकसित देशों की अर्थव्यवस्थाएँ भी असफल मानी जाती। वास्तविक शक्ति इस बात में निहित होती है कि संकट की घड़ी में कोई राष्ट्र कितनी शीघ्रता से स्वयं को संभालता है, अपनी संस्थाओं को किनारा प्रभावों बनाए रखता है और भविष्य की चुनौतियों के लिए कितनी दूरदृष्टि के साथ तैयारी करता है। भारत ने पिछले वर्षों में अनेक वैश्विक संकटों के बीच भी विकास दर, विदेशी निवेश, डिजिटल अर्थव्यवस्था और आधारभूत संरचना के क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति बनाए रखने का प्रयास किया है। यही उसकी सबसे बड़ी पूँजी है। आज आवश्यकता निराशा या अति-उत्साह, दोनों से बचने की है। गिरता रुपया और महँगा होता तेल निश्चित रूप से गंभीर आर्थिक चुनौतियाँ हैं, किन्तु इन्हें केवल संकट मान लेना भी उचित नहीं होगा।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड में SIR के तहत फॉर्म-6 के 7.75 लाख से अधिक आवेदन डिजिटाइज, अंतिम मतदाता सूची 30 नवंबर को होगी जारी

रांची। झारखंड में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के तहत मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन के लिए प्राप्त आवेदनों के डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया जारी है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के कार्यालय से जारी बुलेटिन के अनुसार, फॉर्म-6 के माध्यम से अब तक 7,75,527 आवेदन डिजिटाइज किए गए हैं। इनमें 10 अक्टूबर को 12,571 आवेदन डिजिटाइज हुए। वहीं, फॉर्म-6A के तहत 117 आवेदन, फॉर्म-7 के तहत नाम विलोपन से संबंधित 17,764 आवेदन एवं आपत्तियां और फॉर्म-8 के माध्यम से सुधार एवं स्थानांतरण के लिए 5,10,221 आवेदन डिजिटाइज किए गए हैं। 10 अक्टूबर को फॉर्म-7 के 541 और फॉर्म-8 के 5,184 आवेदन डिजिटाइज हुए, जबकि फॉर्म-6A का कोई आवेदन डिजिटाइज नहीं हुआ। मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने के लिए फॉर्म-6 और फॉर्म-6A, नाम हटाने के लिए फॉर्म-7 तथा विवरण में सुधार या स्थानांतरण के लिए फॉर्म-8 के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है। दावा-आपत्ति के तहत आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2026 निर्धारित है। वहीं, झारखंड की अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 30 नवंबर 2026 को किया जाएगा।

राजनीतिक नौटंकी छोड़ अपने बीएलए

को सक्रिय करे कांग्रेस : अजय साह

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने झारखंड में SIR के विरोध में कांग्रेस के आंदोलन को राजनीतिक अवसरवाद का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को आंदोलन करने के बजाय अपने बूथ लेवल एजेंट (BLA) को सक्रिय कर मतदाता सूची को दुरुस्त करने में सहयोग करना चाहिए। अजय साह ने कहा कि झारखंड में SIR की प्रक्रिया प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के माध्यम से संचालित हो रही है। कांग्रेस और झामुमो के कार्यकर्ता भी BLA के रूप में इस्में भाग ले रहे हैं। ऐसे में SIR की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाने कांग्रेस अपनी ही सरकार और कार्यकर्ताओं की भूमिका पर प्रश्नचिह्न लगा रही है। उन्होंने कहा कि BLO घर-घर जाकर मतदाताओं के नाम जोड़ने और सूची दुरुस्त करने का काम कर रहे हैं। जिन लोगों की मैपिंग नहीं हो पाई है, उन्हें फॉर्म-6 के माध्यम से नाम जुड़वाने का अवसर दिया जा रहा है, जबकि फॉर्म-8 से पता परिवर्तन की प्रक्रिया जारी है। भाजपा प्रवक्ता ने कांग्रेस से सवाल किया कि उसके कितने BLA सक्रिय हैं और कितने नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए आवेदन दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस मतदाता सूची से नाम कोट जाने का आरोप लगा रही है, तो उसे ठोस आंकड़ों और प्रमाणों के साथ सामने आना चाहिए। अजय साह ने कहा कि राजनीतिक प्रदर्शन करने के बजाय कांग्रेस को अपने BLA के माध्यम से पात्र मतदाताओं की मदद करनी चाहिए और वास्तविक अनियमितताओं को प्रमाणों के साथ उठाना चाहिए।

हेमंत सोरेन की माता को विधायकों ने दी श्रद्धांजलि



रामगढ़। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की माता स्व. रूपी सोरेन के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए रविवार को विधायक प्रदीप प्रसाद, शत्रुघ्न महतो और रोशन लाल चौधरी ने रामगढ़ जिले के नेपरा स्थित मुख्यमंत्री के पैतृक आवास पर उनसे मुलाकात की। इस दौरान विधायकों ने स्व. रूपी सोरेन की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। उन्होंने मुख्यमंत्री एवं उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए इस कठिन समय में उन्हें दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

अपने खर्च से मुखिया ने संवार दी गांव की राहः शहरजाम के बेला भीड़ पर चल रहा समतलीकरण » कीचड़ और गड़्ढों से जूझ रहे ग्रामीणों के लिए मसीहा बनीं मुखिया बीना देवी, त्योहारों से पहले राहगीरों को मिली बड़ी राहत

इटखोरी।भद्रकाली नगरी क्षेत्र के शहरजाम गांव में बेला भीड़ के पास का मुख्य मार्ग लंबे समय से उबड़-खाबड़ और कीचड़मय होने के कारण ग्रामीणों के लिए मुसीबत का सबब बना हुआ था। बरसात के बाद तो स्थिति और भी नारकीय हो गई थी, जहां लोगों का पदेल चलना भी दूधर था। ग्रामीणों की इस पीड़ा को देखते हुए पंचायत की मुखिया बीना देवी एवं मुखिया प्रतिनिधि जितेंद्र रजक ने एक सराहनीय पहल की है। उन्होंने सरकारी फंड का इंतजार किए बिना अपने निजी जेब खर्च से इस मार्ग के समतलीकरण का कार्य शुरू करवा दिया है। वर्तमान में मौके पर मजदूरों द्वारा मिट्टी भराई और समतलीकरण का कार्य तेजी से किया जा रहा है। आगामी दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ पर्व को देखते हुए यह कार्य समय पर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि त्योहारों के दौरान श्रद्धालुओं और ग्रामीणों को कीचड़ व गड़्ढों से निजात मिल सके। मुखिया प्रतिनिधि जितेंद्र रजक ने बताया कि “त्योहारों में इस रास्ते से हजारों लोगों का आवागमन होता है। लोगों को परेशानी न हो, इसलिए हमने अपने स्तर से यह छोटा प्रयास किया है।” ग्रामीणों ने मुखिया बीना देवी और प्रतिनिधि जितेंद्र रजक के इस नेक कार्य की जमकर सराहना की है।

लावालौंगः शिवराजपुर सहित कई गांवों में धूमधाम से निकली कलश यात्रा, भक्तिमय हुआ माहौल

लावालौंग / चतरा। नवरात्र के पहले दिन रविवार को लावालौंग प्रखंड के शिवराजपुर, आत्मपुर, करमा, लमटा और बानुदु सहित कई गांवों में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। सुबह से ही गांवों में उत्साह का माहौल रहा। सैकड़ों महिलाएं सिर पर कलश लेकर जय माता दी के जयकारे लगाते हुु करमा नदी तट तक पहुंचीं और विधि-विधान से जल भरकर वापस फंडाल लौटीं। यात्रा के दौरान ढोल-नगाड़े और भक्ति गीतों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। शिवराजपुर में कलश यात्रा गांव के मुख्य मार्गों से होते हुए दुर्गा मंदिर पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के आचार्य राजेंद्र पाण्डेय भक्तों के साथ कलश स्थापित किये अन्य गांवों में भी इसी तरह श्रद्धा और भक्ति के साथ कलश स्थापना की गई। ग्रामीणों ने बताया कि नि दिनों तक मां दुर्गा की विशेष पूजा, आरती और भजन-कीर्तन का आयोजन किया जाएगा। सुरक्षा को लेकर स्थानीय युवकों की टोली भी सक्रिय रही। कलश यात्रा के साथ ही क्षेत्र में दुर्गा पूजा की रौनक शुरू हो गई है। मौके पर लमटा पंचायत मुखिया अमित चौबे,पंचायत समिति रूबी देवी,समाजसेवी पवन साव,राहुल कुमार,मुकेश राम,रमेश,राम,सुरेश पाण्डेय,कटिया पंचायत मुखिया पति सह समाजसेवी मिथलेश चौबे, एवम् अनेकों युवक युवतियां बुजुर्ग सभी शामिल रहे।

भद्रकाली मंदिर परिसर में शिवगुरु महोत्सव में उमड़ी शिष्यों का जन सैलाब, साहब श्री हरींद्रानंद जी के विचारों से गूंजा आध्यात्मिक संदेश

नई सोच एक्सप्रेस

इटखोरी।शिव को गुरु मानकर उनकी शिष्यता ग्रहण करने और जन-जन तक शिवगुरु की अवधारणा पहुंचाने के उद्देश्य से 10 अक्टूबर को झारखंड के चतरा जिला अंतर्गत इटखोरी स्थित मां भद्रकाली मंदिर के समीप मैदान में विराट शिवगुरु महोत्सव का आयोजन किया गया. उपस्थित शिव से सब परिवार को संबोधित करते हुए कार्यक्रम का मुख्य आयोजन करता इंजीनियर अखिलेश प्रसाद ने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से इस कालखंड के महामानव श्रद्धेय साहब श्री हरींद्रानंद जी के विचारों, उनके आध्यात्मिक संदेशों और शिष्यता के तीन सूत्रों को व्यापक स्तर पर लोगों तक पहुंचाने की तैयारी है.उन्होंने कहा



कि शिव शिष्यता के प्रवर्तक साहब श्री ने शिव को गुरु मानने का सहज मार्ग बताते हुए तीन सूत्र दिए हैं. पहला सूत्र है अपने गुरु शिव से मन ही मन दया मांगना. शिष्य को भावपूर्वक कहना है, ‘हे शिव, आप मेरे गुरु हैं और मैं आपका शिष्य हूं, मुझ शिष्य पर दया कर दीजिए. यह सूत्र गुरु के

प्रति समर्पण, श्रद्धा और दया की कामना का संदेश देता है.दूसरा सूत्र है,लोगों को बताना और समझाना कि शिव उनके गुरु हैं तथा वे भी शिव को अपना गुरु बना सकते हैं. इस सूत्र के माध्यम से शिव शिष्यता के विचार को जन-जन तक पहुंचाने और लोगों को आध्यात्मिक रूप से शिव से जुड़ने के

भूमि पेडनेकर ने हजारीबाग में किया सेन्को गोल्ड एंड डायमंड्स के नए स्टोर का उद्घाटन

नई सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग।सेन्को गोल्ड एंड डायमंड्स ने झारखंड में अपने कारोबार का विस्तार करते हुए हजारीबाग में नए स्टोर की शुरुआत की। अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने रविवार को नए स्टोर का भव्य उद्घाटन किया। इस स्टोर में पारंपरिक भारतीय कारीगरी और आधुनिक डिजाइन के संगम से तैयार सोने तथा प्राकृतिक हीरों के आभूषणों की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध होगी। ब्रांड की 87 वर्षों की विरासत से जुड़े इस स्टोर में शादी-विवाह, त्योहारों, उपहार और रोजमर्रा में पहनने के लिए विभिन्न डिजाइन के आभूषण मिलेंगे। कंपनी के अनुसार, नए स्टोर का उद्देश्य हजारीबाग और आसपास के क्षेत्रों के ग्राहकों को आभूषणों की विविध रेंज उपलब्ध कराना तथा झारखंड में अपनी खुदरा उपस्थिति को मजबूत करना है। उद्घाटन समारोह में अभिनेत्री भूमि पेडनेकर



» 87 वर्षों की विरासत के साथ झारखंड में कारोबार का विस्तार, सोने और प्राकृतिक हीरों के आभूषणों की मिलेगी विस्तृत रेंज

का विशेष महत्व है। हजारीबाग में नए स्टोर की शुरुआत राज्य में कंपनी की खुदरा उपस्थिति मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि कंपनी गुणवत्ता, आकर्षक डिजाइन और ग्राहकों के विश्वास को प्राथमिकता देते हुए आए बढ़ रही है। कंपनी के मुताबिक, नए स्टोर में ग्राहकों को उनकी पसंद और जरूरत के अनुरूप आभूषण चुनने के लिए व्यक्तिगत सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी। यहां पारंपरिक ब्राइडल कलेक्शन से लेकर आधुनिक डिजाइन के आभूषणों तक कई विकल्प मिलेंगे।

झारखंडी अस्मिता की लड़ाई को तेज करेगी आजसू पार्टी : सुदेश महतो

नई सोच एक्सप्रेस

गिरिडीह। गिरिडीह विधानसभा क्षेत्र के पीरटांड में आजसू पार्टी की ओर से आयोजित ‘युवा जनसंवाद’ कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा, महिलाएं और पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं आजसू प्रमुख सुदेश महतो ने कहा कि झारखंडी अस्मिता, अधिकार और स्वाभिमान की लड़ाई को पार्टी और तेज करेगी। उन्होंने कहा कि झारखंड आंदोलन को हमने सिर्फ पढ़ा नहीं, बल्कि झारखंड को गढ़ा है। सुदेश महतो ने कहा कि झारखंड की राजनीति सोशल मिडिया के दिखावे से नहीं, बल्कि जनता के बीच संघर्ष, सेवा और समर्पण से तय होगी। उन्होंने कहा कि राज्य की असली ताकत युवा हैं और उन्हें ही झारखंड के भविष्य की दिशा तय करनी है। आजसू का उद्देश्य केवल सत्ता की राजनीति करना नहीं, बल्कि राज्य की अस्मिता, अधिकार और



विकास के सवालों को मजबूती से उठाना है। उन्होंने कहा, “हम रील वाले नहीं, रियल वाले हैं। हम सोशल मिडिया की गर्भ से नहीं, सोशल वर्क से पैदा हुए हैं।” उन्होंने झारखंड आंदोलन की विरासत को संघर्ष, बलिदान और जनभागीदारी की विरासत बताते हुए जनता के सुख-दुख में साथ खड़े रहने और उनके अधिकारों की लड़ाई लड़ने की जरूरत पर जोर दिया। महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर सरकार को घेरते हुए महतो ने कहा कि चुनाव के दौरान महिलाओं से किए गए वादों पर सरकार को जवाब देना चाहिए। उन्होंने योजना से 50

वर्ष की आयु पूरी करने वाली महिलाओं के नाम कटने की शिकायतों और 18 वर्ष की पात्र युवतियों के नाम नहीं जुड़ पाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने सरकार से स्थिति स्पष्ट करने और पात्र महिलाओं को योजना का लाभ सुनिश्चित करने की मांग की। आजसू प्रमुख ने कहा कि चुनावी वादों से झारखंड का भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता। राज्य को ऐसी राजनीति की जरूरत है, जो युवाओं को रोजगार, शिक्षा और अवसर उपलब्ध कराए तथा यहां के संसाधनों का लाभ स्थानीय लोगों तक पहुंचाए। पीरटांड और पारसनाथ क्षेत्र का उल्लेख करते

हुए उन्होंने कहा कि यहां का विकास स्थानीय जरूरतों और जनभागीदारी के आधार पर होना चाहिए। युवाओं से गांव-पंचायत की समस्याओं को समझने और जनहित के मुद्दों पर आगे आने का आह्वान करते हुए महतो ने कहा कि भ्रष्टाचार और माफियाराज के खिलाफ संघर्ष में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने सरकार की जवाबदेही तय करने और जनता के अधिकारों की रक्षा को लोकतंत्र की बुनियादी जरूरत बताया। कार्यक्रम को गिरिडीह के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी, गोमिया के पूर्व विधायक डॉ. लंबोदर महतो और आजसू पार्टी के केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष गड्डु यादव, जिला उपाध्यक्ष शंभू शरण सिंह, पीरटांड प्रखंड अध्यक्ष मेराज आलम, प्रखंड सचिव प्रकाश पंडित, यशोदा देवी, वीणा देवी, प्रियंका शर्मा सहित प्रखंड के 17 पंचायतों के अध्यक्ष, केंद्रीय नेता और पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

गांगपुर में गाजे-बाजे के साथ निकली भव्य कलश यात्रा, 301 महिलाओं ने उठाया कलश

नई सोच एक्सप्रेस

गिब्डौर (चतरा)।गिब्डौर प्रखंड के गांगपुर गांव में रविवार को शारदीय नवरात्र के शुभारंभ पर भक्ति और आस्था का अनूठा संगम देखने को मिला। दुर्गा पूजा के अवसर पर गांगपुर स्थित शिव मंदिर से गाजे-बाजे के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा में 301 महिलाओं ने कलश उठाया, जबकि बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस धार्मिक आयोजन में सिमरिया विधायक उज्ज्वल दास भी शामिल हुए। कलश यात्रा गांगपुर शिव मंदिर से प्रारंभ होकर गाजे-बाजे और भक्तिमय जयकारों के बीच दूधपनिया के समीप पहुंची। को विशेष बना दिया। दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष राकेश कुमार गुप्ता ने बताया कि कलश यात्रा में कुल 301 महिलाओं ने कलश उठाया। कलश स्थापना के साथ ही दुर्गा पूजा के धार्मिक अनुष्ठानों का शुभारंभ हुआ। ग्रामीणों के सहयोग में विधिवत पूजा-अर्चना के बाद कलश की स्थापना की गई। कलश



» सिमरिया विधायक उज्ज्वल दास हुए शामिल, पूजा-अर्चना के साथ कलश स्थापना कर शारदीय नवरात्र का हुआ शुभारंभ

बना हुआ है। मौके पर समाजसेवी प्रणेश कुमार गुप्ता, बिसुन साव, महानंद यादव, राजू दास, सुरेंद्र प्रसाद गुप्ता, प्रमोद यादव, अशोक गुप्ता, बीरेंद्र साव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

चतरा के लावालौंग में अफीम तस्करी का बड़ा खुलासा, 2.5 किलो अफीम के साथ चार गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

लावालौंग (चतरा)।चतरा जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। लावालौंग थाना क्षेत्र के हेडुम गांव में छापेमारी कर पुलिस ने 2.5 किलोग्राम अवैध अफीम, चार लाख रुपये नकद, एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू और तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इस मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक अन्य आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस के अनुसार, बरामद अफीम को पंजाब ले जाने की तैयारी की जा रही थी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 10 अक्टूबर को वरीय पुलिस पदाधिकारियों को गुप्त सूचना मिली थी कि लावालौंग थाना क्षेत्र के हेडुम गांव निवासी मुनेश्वर कुमार यादव और दिनेश कुमार यादव अवैध अफीम की खरीद-बिक्री में संलिप्त हैं। सूचना में यह भी बताया गया था कि अफीम लेकर कुछ लोग पंजाब जाने की तैयारी कर रहे



हैं। सूचना के आधार पर लावालौंग थाना प्रभारी पु.अ.नि. चंदन कुमार के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हेडुम गांव में छापेमारी की और मौके से चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान एक व्यक्ति फरार होने में सफल रहा। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 2.5 किलोग्राम अवैध अफीम के साथ चार लाख रुपये नकद जब्त किए। इसके अलावा तस्करी में इस्तेमाल की आशंका के मद्देनजर एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू और तीन मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। पुलिस बरामद सामान और नकदी के संबंध में जांच कर रही है, ताकि अवैध कारोबार के नेटवर्क तथा इसमें शामिल अन्य लोगों का पता लगाया जा सके। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार

को भी इस मार्ग से परिचित कराना है। विराट शिव गुरु महोत्सव इसी आध्यात्मिक संदेश को व्यापक स्वर देने का अवसर बननेा. आयोजकों और शिव शिष्यों को उम्मीद है कि इस आयोजन के माध्यम से साहब श्री के विचारों तथा शिव शिष्यता के तीन सूत्रों का संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचेगा. कार्यक्रम का संचालन स्थानीय गुरु भाई संतोष जी के द्वारा किया गया जबकि इस अवसर पर मुख्य रूप से संजय सिंह, शारदा सिंह, भोपाल से माया गुप्त बहन, ममता गुरु बहन छत्तीसगढ़ से वीरेंद्र कुमार सिंह, नरेश सिंह, भद्रेश सिंह, अर्जुन सिंह, चंद्रकांता, बंटी, संध्या, रूबी, अतला, दुर्गा, डॉ। बिमला सहित लाखों की संख्या में शिव शिष्य परिवार उपस्थित थे.

मतदाता अधिकार पर सवाल उठने से भाजपा को परेशानी क्यो : राकेश सिन्हा

नई सोच एक्सप्रेस

रांची।झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने SIR को लेकर कांग्रेस के आंदोलन पर भाजपा के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा सवालों का जवाब देने के बजाय सवाल उठाने वालों को बदनाम करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की पारदर्शिता और पात्र नागरिकों के मतदान के अधिकार की सुरक्षा लोकतंत्र से जुड़ा गंभीर विषय है। राकेश सिन्हा ने कहा कि भाजपा कांग्रेस से बूथ लेवल एजेंट (BLA) की संख्या पूछ रही है, लेकिन मतदाता सूची से जुड़ी शिकायतों के समाधान और पारदर्शिता को ठोस जवाब नहीं दे रही है। सरकारी अधिकारियों के माध्यम से SIR की प्रक्रिया संचालित होने का अर्थ यह नहीं है कि उसमें त्रुटियों की आशंका नहीं हो सकती। यदि प्रक्रिया पारदर्शी है, तो भाजपा को तथ्यों के साथ सवालों का जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के आंदोलन को राजनीतिक नौटंकी बनाने से मतदाताओं की समस्याएं समाप्त नहीं होंगी। पात्र मतदाताओं के नाम छूटने, आवेदन के निपटारे में परेशानी और मतदाता सूची में सुधार जैसे मुद्दों पर निष्पक्ष जांच एवं उचित समाधान जरूरी है। भाजपा को इन मामलों में जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग का



समर्थन करना चाहिए। सिन्हा ने कहा कि सोनिया गांधी और बांग्लादेशी घुसपैठियों से जुड़े पुराने आरोपों को दोहराने के बजाय भाजपा को वर्तमान SIR से संबंधित सवालों का तथ्यात्मक जवाब देना चाहिए। फॉर्म-6 और फॉर्म-8 की सुविधाओं का उल्लेख पर्याप्त नहीं है, बल्कि पात्र मतदाताओं को सही जानकारी और शिकायतों का समय पर समाधान मिलना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची किसी राजनीतिक दल की निजी संपत्ति नहीं है। प्रत्येक पात्र नागरिक के मताधिकार की रक्षा निर्वाचन प्रक्रिया की जिम्मेदारी है। कांग्रेस लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा और मतदाता सूची में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए अपनी आवाज उठाती रहेगी। भाजपा को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप छोड़कर तथ्यों के आधार पर जवाब देना चाहिए।

मयूरहंड में कलश स्थापना के साथ शारदीय नवरात्र शुरु, कई गांवों में होंगे भव्य आयोजन



नई सोच एक्सप्रेस

मयूरहंड (चतरा)।मां दुर्गा के जयकारों और भक्तिमय माहौल के बीच रविवार को मयूरहंड प्रखंड में शारदीय नवरात्र का शुभारंभ हुआ। प्रखंड मुख्यालय समेत ढोढ़ी मंथनिया, मयूरहंड पथरा सोकी सहित विभिन्न गांवों में विधि-विधान के साथ कलश स्थापना कर मां दुर्गा की पूजा-अर्चना शुरू की गई। नवरात्र को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। ढोढ़ी -मंथनिया दुर्गा पूजा समिति के जानकारी दिनेश पांडेय ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य मेले का आयोजन

किया जाएगा। मेले में मनोरंजन के लिए विभिन्न प्रकार के व्यवस्था लगाए जा रहे हैं। इसके अलावा डांडिया कार्यक्रम, वाराणसी से आए कलाकारों द्वारा महाअरती तथा वाराणसी के जागरण ग्रुप द्वारा भव्य जागरण का आयोजन किया जाएगा। वहीं, सोकी दुर्गा पूजा समिति के सदस्य पंकज मेहता ने बताया कि इस वर्ष पूजा के अवसर पर भव्य डांडिया कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके लिए समिति की ओर से तैयारियां की जा रही हैं। नवरात्र के दौरान विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों से क्षेत्र का माहौल भक्तिमय बना रहेगा।



संक्षिप्त समाचार

घरेलू विवाद में मारपीट, रंजीत रजक घायल



मयूरहंड (चतरा)। मयूरहंड थाना क्षेत्र के मझगवां पंचायत अंतर्गत मर्धानिया गांव में घरेलू विवाद को लेकर दो भाइयों के बीच मारपीट हो गई। घटना में रंजीत रजक घायल हो गया। घायल को इलाज के लिए इटखोरी उप स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहां उसका उपचार किया गया। मिली जानकारी के अनुसार, छकोड़ी रजक के पुत्र नेपाली रजक और रंजीत रजक के बीच किसी घरेलू मामले को लेकर विवाद हुआ था। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और मारपीट शुरू हो गई। इसमें रंजीत रजक घायल हो गया। घटना की सूचना मिलने पर मयूरहंड थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नेपाली रजक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले की जांच कर आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

खड़े ट्रक ने ली युवक की जान, सड़क सुरक्षा पर उठे सवाल

दुमका। जिला के हंसडीहा-गोड्डा मुख्य मार्ग पर सड़क किनारे खराब होकर खड़े ट्रक से टकराने के कारण रविवार की सुबह रोशन कुमार (22) नामक युवक की जान चली गई। गंगवारा गांव के समीप हुए इस हादसे ने एक बार फिर सड़क पर खड़े खराब भारी वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उल्लेखनीय है कि महज 17 दिनों पूर्व 24 सितंबर को जमशेदपुर में ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह की पुत्री तुषा सिंह की कार भी सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई थी। उस हादसे में तुषा सहित चार लोगों की मौत हुई थी। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाएं सड़क सुरक्षा के इंतजामों पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। जानकारी के अनुसार रोशन कुमार रविवार सुबह स्कूटी से पौडैयाहाट जा रहा था। इसी दौरान हंसडीहा थाना क्षेत्र के गंगवारा गांव के समीप सड़क किनारे खराब होकर खड़े ट्रक के पिछले हिस्से से उसकी स्कूटी टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि रोशन के सिर में गंभीर चोट लगी व घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। रोशन पिछले दो वर्षों से गोड्डा के एक निजी क्लिनिक में कंपाउंडर के पद पर काम कर रहा था। वह दो भाइयों में सबसे छोटा था। उसके पिता भुवनेश्वर मंडल हंसडीहा में मिठाई की दुकान चलाकर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। जवान बेटे की असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। हादसे के बाद पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक व स्कूटी जब्त कर ली। शव को पोस्टमार्टम के लिए फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल, दुमका भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सड़क हादसे में एक की मौत, जांच में जुटी पुलिस

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर थाना क्षेत्र में शनिवार की रात सड़क हादसे में करीब 42 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। संत अगस्तीन कॉलेज के समीप मुख्य सड़क पर अज्ञात वाहन ने पैदल जा रहे व्यक्ति को टक्कर मार दी। हादसा इतना गंभीर था कि व्यक्ति ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। रविवार तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार रात एक व्यक्ति मनोहरपुर के पैदल उधन गांव की ओर जा रहा था। इसी दौरान संत अगस्तीन कॉलेज के पास तेज रफ्तार से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। दुर्घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने मनोहरपुर थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची व शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल भेज दिया। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान करने के लिए पुलिस स्थानीय लोगों से पूछताछ कर रही है। साथ ही, आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि दुर्घटना में शामिल वाहन व उसके चालक का पता लगाया जा सके।

ट्रक में मिला चालक का शव, मौत की वजह स्पष्ट नहीं

जमशेदपुर। मानगो के पारडीह चौक के समीप रविवार सुबह एक खड़े ट्रक के अंदर चालक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान तमिलनाडु निवासी मरियप्पन एमके (46) रूप में हुई है। वह ट्रक संख्या टीएन 52 एसी 5655 का चालक था। घटना की सूचना मिलने पर मानगो थाना की पुलिस मौके पर पहुंची व जांच शुरू की। जानकारी के अनुसार, मरियप्पन शनिवार रात आदित्यपुर में ट्रक पर माल लोड करने के बाद बालिगुमा स्थित अपने कार्यालय के लिए रवाना हुआ था। रास्ते में पारडीह चौक के पास ट्रक का ब्रेक खराब हो गया। इसके बाद उसने ट्रक को सड़क किनारे खड़ा कर दिया। आशंका जताई जा रही है कि रात होने के कारण चालक ट्रक के अंदर ही सो गया था। रविवार सुबह वह वाहन के अंदर अचेत अवस्था में मिला। चालक के बारे में जानकारी नहीं मिलने पर कार्यालय के कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। वहां चालक को अचेत अवस्था में देखकर उन्होंने मानगो थाना की पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की व मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी दी। मरियप्पन तमिलनाडु के राजीव गांधी स्ट्रीट स्थित इंडस्ट्रियल कॉलोनी का निवासी था। परिजनों के जमशेदपुर पहुंचने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। फिलहाल उसकी मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

मां सबकी रक्षा करें, सबका कल्याण करे: हेमंत सोरेन

रामगढ़। मां का साथ सिर से उठ जाना जीवन का ऐसा दुख है, जिसे शब्दों में बयां करना आसान नहीं। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी मां रूपी सोरेन के निधन के बाद सोशल मीडिया पर भावनाएं व्यक्त करते हुए मां की ममता, आशीर्वाद व उनके प्रति अपनी श्रद्धा को शब्दों में पिरोया। उनके संदेश में मां के प्रति सम्मान के साथ-साथ सबके कल्याण की कामना भी झलकती है। **‘मां सबकी रक्षा करें, सबका कल्याण करें’** इन शब्दों में केवल एक बेटे की भावना ही नहीं, बल्कि हर मां के प्रति श्रद्धा व समस्त समाज के सुख-शांति की कामना भी समाहित है। मां के निधन के गहरे दुख के बीच यह प्रार्थना उनके प्रति अटूट विश्वास व व्यापक मानवीय संवेदना का भाव प्रस्तुत करती है।

शारदीय नवरात्र पर भव्य कलश यात्रा का आयोजन, जिला परिषद उम्मीदवार सिकंदर सिंह खरवार ने रिबन काटकर किया शुभारंभ

नई सोच एक्सप्रेस

कान्हाचट्टी (चतरा)। कान्हा चट्टी प्रखंड क्षेत्र के तुलबुल पंचायत के तुलबुल दुर्गा मंडप में शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर प्रखंड क्षेत्र में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा का शुभारंभ जिला परिषद उम्मीदवार सिकंदर सिंह शेखरवार ने फीता काटकर किया। इस दौरान पूरा क्षेत्र माता रानी के जयकारों से गुंज उठा।रविवार को ग्राम तुलबुल में शारदीय नवरात्र को लेकर भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे जिला परिषद उम्मीदवार की सिकंदर खेरवार को पूजा समिति के सदस्यों ने फूल-माला एवं अंगवस्त्र



देकर जोरदार स्वागत किया। इसके बाद श्री खेरवार ने विधिवत रिबन काटकर कलश यात्रा का शुभारंभ किया और स्वयं माता रानी की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-शांति की कामना की,कलश यात्रा मंदिर प्रांगण से शुरू होकर गांव के मुख्य मार्गों से

होते हुए मुहाने नदी से जल लेकर पुनः पूजा स्थल पहुंची। यात्रा में 101 से अधिक महिलाएं एवं युवतियां सिर पर कलश लेकर शामिल हुईं। सभी महिलाएं लाल-पीली साड़ी में एक समान दिख रही थीं, जो यात्रा की शोभा बढ़ा रही थीं। आगे-आगे

एमजीएम अस्पताल में मरीज की मौत के बाद हंगामा, परिजनों ने की तोड़फोड़

नई सोच एक्सप्रेस

जमशेदपुर। डिमना स्थित कोल्हान कॉलेज अस्पताल में शनिवार देर रात 70 वर्षीय मरीज की मौत के बाद परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया। इस दौरान मरीज बढ़ने पर अस्पताल की एक महिला भी क्षतिग्रस्त कर दी गई। घटना की सूचना मिलने पर एमजीएम थाना पुलिस व मौके पर मौजूद होमगार्ड जवानों ने हस्तक्षेप किया, जिसके बाद स्थिति पर काबू पाया जा सका। जानकारी के अनुसार, बागबेड़ा निवासी जयप्रकाश ठाकुर को शनिवार रात



करीब नौ बजे पेट दर्द व पेशाब नहीं होने की शिकायत पर एमजीएम अस्पताल की इमरजेंसी में लाया गया था। परिजनों के अनुसार, अस्पताल में डॉक्टरों ने मरीज का एक्स-रे कराया व दो इंजेक्शन देने के साथ सिरप चलाया। इसके बाद रात करीब 10 बजे परिजन मरीज को लेकर घर जाने लगे। बताया जाता है कि घर लौटने के दौरान जयप्रकाश ठाकुर की तबीयत अचानक बिगड़ गई व उन्हें उल्टियां होने लगीं। इसके बाद परिजन उन्हें दोबारा एमजीएम अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां

चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मरीज की मौत की खबर मिलते ही परिजन आक्रोशित हो गए व इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। इसी दौरान अस्पताल की एक मशीन को नुकसान पहुंचाया गया। मृतक के पुत्र विनय ठाकुर ने आरोप लगाया कि ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों ने मरीज को घर ले जाने के लिए कहा था। वहीं, अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि मरीज को छुट्टी नहीं दी गई थी व परिजन बिना जानकारी दिए अस्पताल से चले गए थे। इस तरह घटना को लेकर परिजनों व अस्पताल प्रबंधन के बीच अलग-अलग दावे सामने आए हैं। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ।

श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत के कुरुक्षेत्र में आयोजित अग्रसेन जयंती समारोह में पहुंचे सांसद नवीन जिंदल एवं श्री जयराम संस्थाओं के परमाध्यक्ष ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी

नई सोच एक्सप्रेस

कुरुक्षेत्र।श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत कुरुक्षेत्र द्वारा अग्रसेन जयंती समारोह के चौथे दिन अग्रसेन धर्मशाला कुरुक्षेत्र में भव्य आयोजन किया गया। इस शुभ अवसर पर आयोजित समारोह में सांसद नवीन जिंदल एवं देशभर में संचालित श्री जयराम संस्थाओं के परमाध्यक्ष ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी का कार्यक्रम स्थल में पहुंचने पर ढोल नगाड़े बजा भव्य स्वागत किया गया। सांसद नवीन जिन्दल ने इस मौके पर अग्रवाल समाज के सभी लोगों से मुलाकात की। इस मौके पर श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत कुरुक्षेत्र द्वारा सांसद नवीन जिंदल एवं श्री जयराम संस्थाओं के परमाध्यक्ष ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी को सम्मानित किया गया। सांसद नवीन जिंदल ने इस मौके पर अग्रवाल समाज के सभी लोगों से मुलाकात की। इस मौके पर श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत कुरुक्षेत्र द्वारा सांसद नवीन जिंदल एवं श्री जयराम संस्थाओं की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने महाराजा अग्रसेन की को नमन करते हुए कहा कि महाराजा अग्रसेन

» **महाराजा अग्रसेन के दिखाए मार्ग पर चलकर समाज और देश को समृद्ध बनाएं : सांसद नवीन जिंदल**

» **महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह में सांसद नवीन जिंदल एवं परमाध्यक्ष ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी का हुआ भव्य स्वागत**

जी ने समाज को आदर्श समाजवाद का सिद्धांत दिया। उनका एक रुपया और एक ईंट का सिद्धांत सामाजिक समानता, सहयोग और बंधुत्व की अनूठी मिसाल है, जो आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि महाराजा अग्रसेन के दिखाए मार्ग पर चलकर समाज और देश को समृद्ध बनाएं। अग्र समाज ने सदैव समाज के कल्याण, दान, सेवा और युवाओं को रोजगार देने के क्षेत्र में सबसे आगे बढ़कर काम

किया है। सांसद नवीन जिंदल ने श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत और समाज का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी ने मुझे सदा अपना आशीर्वाद और अपार प्यार दिया है। मैं आपका बेटा और भाई बनकर हमेशा आपका नाम ऊंचा रखूंगा और आपके मान-सम्मान के लिए निरंतर कार्य करूंगा। श्री जयराम संस्थाओं के परमाध्यक्ष ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी ने आशीर्वाद देते हुए कहा कि अग्रवाल समाज ने हमेशा समाज एवं देश को मजबूत करने का कार्य किया है। महाराजा अग्रसेन की प्रेरणा अग्रवाल समाज ने आपसी प्रेम एवं भाईचारे के साथ एक दूसरे का सहयोग करने की प्रेरणा दी। आज देश अर्थव्यवस्था को मजबूत करने तथा विकास की गति को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाने का कार्य किया है। कुरुक्षेत्र के प्रधान विशाल सिंगला ने सांसद नवीन जिंदल एवं परमाध्यक्ष ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सांसद नवीन जिंदल हमारे समाज के रत्न

हैं। उनके मार्गदर्शन में कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र में जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है जिनसे समाज का प्रत्येक वर्ग लाभान्वित हो रहा है। उन्होंने उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों से अपने पूर्वजों के दिखाए मार्ग पर चलने का आह्वान किया तथा समाज में स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की विशेष अपील की। इस अवसर पर जितेंद्र गोयल उप प्रधान, नवकेतन गोयल महासचिव, विशेष गर्ग, अभय मिश्रा मास्टर सतपाल गुप्ता, राजीव गर्ग, जयपाल गोयल, कुलवंत गर्ग, गौरव मित्तल, डा. अनीश सिंगला, गौरव तायल, साया के प्रधान नवीन बंसल, समाजसेवी खरेती लाल सिंगला, अर्जुन गर्ग, राजेश्वर गोयल, हिमांशु बंसल, सत्यनारायण सिंगला, निधित गोयल, शशीन गोयल, माणिक गोयल, गोपाल गोयल, अश्विनी जिंदल, विशाल जिंदल, रामेश्वर दास जिंदल, प्रमोद बंसल और समाज के अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

अमरा खैरा नट बस्ती में बच्चों को शिक्षा के प्रति किया जागरूक

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी।उज्ज्वल किरण जनकल्याण ट्रस्ट की ओर से अमरा खैरा नट बस्ती में बच्चों और महिलाओं के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान बच्चों को कपड़े वितरित किए गए और उन्हें नियमित रूप से विद्यालय जाने तथा मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया गया। वहीं, महिलाओं ने खुले में शौच और स्नान के लिए उचित व्यवस्था नहीं होने की समस्याएं उठाईं। ट्रस्ट ने इनके समाधान की दिशा में प्रयास करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डब्ल्यूएच स्मिथ मेमोरियल स्कूल, वाराणसी की प्रधानाचार्य डॉ. अनीता डे ने बच्चों को शिक्षा का महत्व बताया। उन्होंने गणितीय क्रियाओं के दैनिक जीवन में उपयोग की जानकारी दी। एल-वन कोचिंग के निदेशक बृजेश कुमार सिंह ने बच्चों से पढ़ाई, महानों और सप्ताह के दिनों से



संबंधित सवाल पूछकर उनका उत्साह बढ़ाया। इस दौरान बच्चों ने गीत-नृत्य प्रस्तुत किए। कुछ बच्चों ने मिट्टी से भगवान शिव की मूर्ति बनाई, जबकि अन्य ने फूलों और पत्तियों से गुलदस्ते तैयार किए। ट्रस्ट ने चर्यानित प्रतिभाशाली बच्चों को स्कूल बैग उपलब्ध कराने की योजना भी बनाई। कार्यक्रम के दूसरे चरण में महिलाओं की समस्याएं सुनी गईं। महिलाओं ने शौचालय और स्नान के लिए सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराने की आवश्यकता

बताई। ट्रस्ट के सदस्यों ने इन समस्याओं के समाधान के लिए पहल करने की बात कही। साथ ही, लोगों को स्वच्छता अपनाने और नशे से दूर रहने के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में ट्रस्ट के अध्यक्ष अरविंद कुमार, डॉ. अनीता डे, प्रदीप कुमार डे, आकाश बौरा, मनीष राज, बृजेश कुमार सिंह, अंबर कुमार, प्रधानाध्यापक सतीम बक्शी, अध्यापिका अशिका यादव, धर्मेन्द्र कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

शारदीय नवरात्र का हुआ आगाज 501श्रद्धालुओं लिया कलश

नई सोच एक्सप्रेस

गिद्धौर।प्रखंड में शारदीय नवरात्र का आगाज रविवार से हो चुका है। प्रखण्ड के 11पंडालों में कलश स्थापना एक साथ किया गया है। प्रखंड के विभिन्न गांवों में कलशयात्रा के साथ कलश स्थापना कर माता शैलपुत्री की पूजा अर्चना प्रथम दिन किया गया है। गिद्धौर मुख्यालय ठाकुरबाड़ी में स्थित पंडाल में 501श्रद्धालुओं ने कलश लिया। इस बार की नवरात्र में नौ देवी का बारी-बारी से पूजा अर्चना किया जाएगा।आगे बता दें कलश स्थापना करने का पूजा समिति गिद्धौर,पहरा,केंदुआ,पेक्सा,सिंदुआ री,गोापुर,द्वारी समेत बलबल व अन्य गांवों में बाजे गाजे के साथ कलशयात्रा निकाली गई।वहीं गिद्धौर प्रखंड मुख्यालय स्थित ठाकुरबाड़ी मंदिर परिसर से कलशयात्रा निकाल कर रामसागर आहर पहुंचा।जहां ब्राह्मणों द्वारा गंगा स्तुति वंदना



एवं पूजा अर्चना शंख ध्वनि के साथ विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ कलश में जल भरा गया।तत्पश्चात कलशयात्रा कौलेश्वरी मंदिर का भ्रमण करते हुए सगंगा गांव से ब्लॉक मोड़ होते पुनः कलशयात्रा मंदिर परिसर पहुंचा।जहां कलश स्थापित किया गया।आगे बता दें की माता का आगमन इस बार रविवार से शुरू हो रहा है।माता का आगमन की सवारी हाथी माना गया है। ऐसे में इस बार मां महामाया का आगमन हाथी पर हो रहा है। शस्त्रों के अनुसार हाथी

» **नवरात्र में होगा बारी-बारी से नौ देवी की पूजा अर्चना**

पर मां का आगमन अत्यंत शुभ फलकारी है।मौके पर पूजा समिति, अध्यक्ष मनोज कुशवाहा सचिव कपिल कुमार,वरिष्ठ नेता परमेश्वर दांगी,विकास कुमार,राजेश कुमार, निरंजन दांगी पंचायत समिति सदस्य सरिता देवी,मुखिया जगदीश यादव,समेत काफी संख्या में श्रद्धालु शामिल थे।



सभी लोग स्नान कर स्वच्छता व पवित्रता के साथ पर्व की शुरुआत करते हैं। परंपरा के अनुसार, देवीगुड़ी, शिव मंदिर व ठाकुरबाड़ी सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों पर नए चूड़े व गुड़ का प्रसाद अर्पित किया जाता है। घर के हंडीसाल यानी रसोईघर में भी नए चूड़े का प्रसाद चढ़ाकर प्रणाम किया जाता है। समाज में हंडीसाल की अन्नपूर्णा देवी का स्थान माना जाता है। इसके बाद ब्राह्मणों व गुरुजनों को भोजन कराया जाता है। परिवार

के सदस्य एक साथ बैठकर चूड़ा, दही, केला, गुड़, दूध व घी ग्रहण करते हैं। शाम को पर्व के विशेष भोज का आयोजन किया जाता है। इसमें नौ प्रकार की सब्जियों के साथ नए धान के चावल का भात केले के पत्ते पर परोसने की परंपरा है। भोजन के बाद नए व पुराने चावल को मिलाकर छूना किया जाता है, जिसे समृद्धि व खुशहाली का प्रतीक माना जाता है। अंत में हंडीसाल में प्रणाम कर परिवार के बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया जाता है। नवाखानी पर्व ने घाघरा गांव में पारंपरिक संस्कृति, सामाजिक एकता व आपसी सद्भाव की भावना को मजबूत किया। यह पर्व नई फसल के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के साथ समाज की परंपराओं व सांस्कृतिक विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का संदेश भी देता है।

सड़क हादसे में युवक की मौत, दो घायल



नई सोच एक्सप्रेस

पलामू। पलामू जिले के लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के पांकी-मेदिनीनगर मुख्य पथ स्थित बसौरा में रविवार को सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। जख्मी को इलाज के लिए मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार, लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के मुंदरिया गांव के रहने वाले तीन युवक अपनी बाइक से कपड़ा खरीदने लेस्लीगंज बाजार आ रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात वाहन ने

बाइक को जोरदार टक्कर मार कर फरार हो गया। दुर्घटना में कुश सिंह, राकेश सिंह व गोल्डू सिंह घायल हो गए। इसी दौरान पांकी के पूर्व विधायक देवेन्द्र कुमार सिंह उर्फ बिट्टू सिंह वहां से गुजर रहे थे। हादसा देखकर उन्होंने अपना वाहन रोका व एंबुलेंस से घायलों को मेदिनीनगर एमएम्सीएच भेजने में मदद की। इलाज के दौरान गोल्डू सिंह, पिता सत्येंद्र सिंह को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। इधर, घटना की सूचना मिलते ही लेस्लीगंज पुलिस मौके पर पहुंची व जांच शुरू कर दी है। पुलिस फरार अज्ञात वाहन का पता लगाने में जुटी है। घटना के बाद दशहरा की खुशियां मातम में बदल गई है।

सोमवार

पटना, 12 अक्टूबर, 2026

08

संक्षिप्त समाचार

ब्राह्मण महापरिषद का सदस्यता अभियान शुरू, 20 दिसंबर को निकलेगी शोभायात्रा

पीलीभीत।अखिल भारतीय ब्राह्मण महापरिषद की ओर से सोमवार, 12 अक्टूबर से जिले में सदस्यता अभियान शुरू किया गया। नवनिर्घुक्त जिलाध्यक्ष नीलेश चतुर्वेदी ने बताया कि समाज की एकजुटता, निर्धन व मेधावी युवाओं के शैक्षणिक उत्थान और सामान्य वर्ग के अधिकारों के संरक्षण के उद्देश्य से अभियान चलाया जा रहा है। साधारण सदस्यता निःशुल्क रखी गई है। अभियान पूरा होने के बाद सदस्यों के बीच निर्वाचन प्रक्रिया से पदाधिकारियों का चयन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आगामी 20 दिसंबर 2026 को गीता जयंती के अवसर पर पीलीभीत में मां ज्वाला जी की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसमें मां ज्वाला जी से लाई गई ज्योति के दर्शन के साथ आकर्षक झांकियों शामिल होंगी। शोभायात्रा नगर के विभिन्न भागों से गुजरेगी।

ज्ञान ज्योति स्कूल में श्रीचन्द शर्मा के समर्थन में समारोह आयोजित

बागपत। आगामी शिक्षक एमएलसी चुनाव को लेकर बागपत में राजनीतिक एवं शैक्षिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में प्रहवेष्ट स्कूल प्रबंधक एसोसिएशन की ओर से ज्ञान ज्योति सीनियर सेकेंडरी स्कूल, घिटोरा में मेरठ-सहारनपुर खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्याशी एवं एमएलसी श्रीचन्द शर्मा के समर्थन में भव्य समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधकों, प्रधानाचार्यों, शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य लोगों ने भाग लेकर श्रीचन्द शर्मा के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। कार्यक्रम के आयोजक विद्यालय के डायरेक्टर रामकुमार शर्मा एवं प्रधानाचार्य मुकेश सिंघल रहे। समारोह में अतिथियों का माला एवं पटक़ा पहनाकर तथा प्रतीक चिह्न और पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। उपस्थित शिक्षकों ने आगामी शिक्षक एमएलसी चुनाव में श्रीचन्द शर्मा के साथ खड़े रहने का भरोसा जताया। इस अवसर पर श्रीचन्द शर्मा ने एसोसिएशन द्वारा जताए गए विश्वास और समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बागपत के विद्यालय प्रबंधकों एवं शिक्षकों का स्नेह उनके लिए अमूल्य है और वह सभी के प्रति हृदय से आभारी हैं। कार्यक्रम में बागपत विधायक योगेश धामा, पूर्व विधायक लोकेश दीक्षित, शिक्षक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष राजीव तोमर, एसोसिएशन अध्यक्ष परमेश, प्रोफेसर एसोसिएशन के सचिव प्रमोद चौधरी, संरक्षक दिनेश गुप्ता, राजीव शर्मा, सतीश कौशिक, वीरेंद्र यादव, यशवीर नागर, प्रवीण बैसोया, वेद सिंह प्रधान, महक सिंह हुड्डा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मंच संचालन ब्रिजेश शर्मा ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर रामकुमार शर्मा ने विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के सहयोग की सराहना करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया।

तौल केंद्रों में बदलाव के विरोध में किसानों का प्रदर्शन, आंदोलन की चेतावनी



गाजियाबाद। मोदीनगर के खिंदौड़ा गांव में किनीनी और सिंभावली चीनी मिलों के तौल केंद्रों में बदलाव के प्रस्ताव के विरोध में किसानों ने प्रदर्शन किया। छह गांवों के किसानों ने कहा कि वे पिछले करीब 14 वर्षों से इन केंद्रों पर गन्ना आपूर्ति कर रहे हैं। तौल केंद्र हटने या बदलने से उन्हें गन्ना आपूर्ति में परेशानी होगी और समय पर गन्ना नहीं बिकने से आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। खिंदौड़ा में आयोजित पंचायत में किसानों ने गन्ना समिति मोदीनगर पर उनकी समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने मांग की कि तौल केंद्रों को पूर्व की तरह संचालित रखा जाए और व्यवस्था बेहतर बनाई जाए। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर विचार नहीं किया गया और बदलाव का फैसला वापस नहीं लिया गया, तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

सीबीआई तथा ईडी, इमारत शरिया को लूटने वाले फर्जी धर्मगुरु फैसल रहमानी पर जल्द कार्रवाई करेगी :अहमद

नई दिल्ली/पटना। इमारत शरिया बचाओ अभियान के संयोजक फैसल अहमद ने कहा कि इमारत शरिया में करोड़ों रुपए का चोटाला करने वाले फर्जी धर्मगुरु फैसल रहमानी जल्द ही तिहाड़ जेल की हवा खाने वाले हैं। सीबीआई तथा ईडी बेसब्री से अमेरिकी नागरिक फैसल रहमानी का इंतज़ार कर रहा है। एक ओसीआई कार्ड होल्डर जो भारत का नागरिक ही नहीं है तो यह व्यक्ति बिहार में कोई भी गतिविधि मजहबों के नाम पर कैसे कोई कार्य कर सकता है। ओसीआई कार्ड का गलत इस्तेमाल फैसल रहमानी ने किया है।इमारत शरिया का पैसा अमेरिका भेजना तथा अमेरिका से करोड़ों रुपए बिहार भेजना और इन पैसों का दुरुपयोग करना उच्चस्तरिय जांच का विषय है। मदरसा के शिक्षकों को परेशान करना, मदरसा में कौन पढ़ाएगा कौन नहीं इसका फैसला करने वाला फैसल रहमानी कौन होता है ? इमारत शरिया के अधीन चलने वाले शिक्षण संस्था के बच्चों के साथ शोषण भी एक बड़ा मुद्दा है। भारत से अमेरिका आना-जाना खर्च इनके पास कहाँ से आता है।और अमेरिका से बिहार करोड़ों रुपए भेजने वाला कौन है इसका खुलासा फैसल रहमानी खुद करें। अजमेन में बाढ़ पीड़ित को मदद के नाम पर करोड़ रुपए का चोटाला किया गया इस मामले पर भी फैसल रहमानी अपना पक्ष रखें। इमारत शरिया में 178 मरे हुए व्यक्ति का नाम वोटर लिस्ट में डालकर सर्वे सर्वे बनने वाला फैसल रहमानी इसका जवाब दें। बिहार, झारखंड, उड़ीसा,पश्चिम बंगाल के मरिजदों, मदरसो सहित कई स्त्रोत के द्वारा चंदा लिया जाता है तथा जरूरतमंद लोगों को मुक्त पढ़ाई, मुक्त शिक्षा के मामले पर,इसका भी हिसाब फैसल रहमानी को देनी चाहिए। फैसल रहमानी के फर्जी मुंोर में जफर एवं आरिफ रहमानी को आगे रखकर हम पर दवाजी केस करने का चक्रव्यूह रचा है तथा इसे हमें कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है क्योंकि हमने सच की आवाज बुलंद की है। फैसल रहमानी पूरी कोशिश कर ले हम पर फर्जी मुकदमा करने का, लेकिन याद रखें की तिहाड़ जेल फैसल रहमानी एवं फहद रहमानी का इंतेजाम कर रहा है।

नवरात्र के पहले दिन 68 आदिवासी परिवारों को मिला अपने घर का उपहार, अदाणी फाउंडेशन ने कराया गृह प्रवेश

नई सोच एक्सप्रेस

पीरपैंती।नवरात्र के पहले दिन पीरपैंती में संधाल और पहाड़िया जनजाति के 68 परिवारों के लिए खुशियों की नई शुरुआत हुई। वर्षों से भूमिहीन और गुमनाम जिंदगी जीने को विवश इन आदिवासी परिवारों को अब अपना घर मिला है। अदाणी पावर प्लांट की सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत अदाणी फाउंडेशन द्वारा निर्मित आवासों की चाबियां लाभार्थियों को सौंपे गए। इस अवसर पर सामूहिक गृह प्रवेश कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में आदिवासी परिवारों ने अपने नए घरों में प्रवेश किया। कार्यक्रम में स्थानीय विधायक, श्री मुरारी पासवान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। जिला प्रशासन की ओर से एसडीएम श्री राकेश रंजन, अंचलाधिकारी श्री चंद्रशेखर कुमार सहित अन्य



पदाधिकारी भी मौजूद रहे। इसके बाद सभी 68 परिवारों ने अपने नवनिर्मित घरों का अवलोकन किया और गृह प्रवेश किया। **अदाणी फाउंडेशन के सहयोग से आवास:** पीरपैंती पावर प्लांट परिसर में लंबे समय से रह रहे भूमिहीन संधाल और पहाड़िया समुदाय के परिवारों को राज्य सरकार की ओर से जमीन उपलब्ध कराई गई थी। इन परिवारों को सुरक्षित आवास और बेहतर जीवन परिस्थितियां

उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अदाणी फाउंडेशन आगे आया। अदाणी पावर प्लांट के सीएसआर मद से इन परिवारों के लिए घरों का निर्माण कराया गया। इस पहल से आदिवासी परिवारों को आवास के साथ सुरक्षा और स्थायित्व का आधार भी मिला है। **महिलाओं के चेहरे पर दिखी खुशी:** अपने नए घरों की चाबियां हाथों में लेकर महिलाओं के चेहरों पर खुशी और संतोष साफ दिखाई

बंगला साहिब गुरुद्वारे में पुलिस के प्रवेश को लेकर सियासत तेज, के. एस. दुग्गल ने कांग्रेस और AAP पर साधा निशाना

नई सोच एक्सप्रेस

नई दिल्ली।10 अक्टूबर को दिल्ली में हुए प्रदर्शन के दौरान बंगला साहिब गुरुद्वारे में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के पहुंचने को लेकर राजनीतिक विवाद गहराता जा रहा है। इस मुद्दे पर आम आदमी पार्टी, भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। गुरुद्वारे से जुड़े घटनाक्रम को लेकर सिख समुदाय में भी नाराजगी की चर्चा हो रही है। इस बीच, सिख नेता एवं भाजपा नेता के. एस. दुग्गल ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन लोगों की अराजकता के कारण आज देश में ऐसे हालात पैदा हुए हैं, उन्हें अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए माफ़ी मांगनी चाहिए। के. एस. दुग्गल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी इस पूरे मामले में सिख समुदाय को निशाना बना रही हैं। उन्होंने कहा कि सिख समुदाय के इतिहास और उसकी भावनाओं को समझने की जरूरत है। सिख समुदाय 1984 के दहनाक घटनाक्रम को आज तक नहीं भूला है। दुग्गल ने कहा कि धार्मिक स्थलों और सिख समुदाय की भावनाओं से जुड़े मामलों पर राजनीति करने के बजाय सभी राजनीतिक दलों को जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ अपनी बात रखनी चाहिए। उन्होंने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी से सवाल किया कि सिख समुदाय के



पुराने जख्मों और भावनाओं को ध्यान में रखते हुए इस तरह के संवेदनशील मुद्दों पर उनका रख क्या है। उन्होंने कहा कि देश में कानून-व्यवस्था बनाए रखना जरूरी है, लेकिन धार्मिक स्थलों से जुड़े मामलों में सभी पक्षों को संयम बरतना चाहिए और किसी भी समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने से बचना चाहिए।

अंतर्राष्ट्रीय जाट धर्मशाला में ऑल ओपन नेशनल कबड्डी प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में 45 टीमें ले रही हैं भाग, एशियन गेम्स के गोल्ड मेडलिस्ट खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

नई सोच एक्सप्रेस

कुरुक्षेत्र।अंतर्राष्ट्रीय जाट धर्मशाला, कुरुक्षेत्र के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित दो दिवसीय ऑल ओपन नेशनल कबड्डी प्रतियोगिता के दूसरे दिन आज पुरुष वर्ग के मुकाबले आयोजित किए गए। प्रतियोगिता में कुल 45 टीमें भाग ले रही हैं। प्रतियोगिता की विशेष बात यह है कि इसमें एशियन गेम्स के गोल्ड मेडलिस्ट खिलाड़ियों सहित अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी भी हिस्सा ले रहे हैं, जो अपने खेल कौशल और दमखम से दर्शकों को रोमांचित कर रहे हैं। कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के शिक्षा मंत्री श्री महिपाल ढांडा मुख्य रूप से पहुंचे। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि हरियाणा को खेलों का प्रदेश कहा जाता है और यहाँ के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय जाट धर्मशाला द्वारा खेलों को बढ़ावा देने और युवाओं को मंच प्रदान करने की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस खेल परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए वे भविष्य में भी संस्था को हसंसभव

» शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने हरियाणा को बताया खेलों का प्रदेश, संस्था को भविष्य में हरसंभव सहयोग देने का दिया आश्वासन

सहयोग प्रदान करेंगे। इस अवसर पर हरियाणा कबड्डी एसोसिएशन के चेयरमैन कुलदीप दलाल भी विशेष रूप से पहुंचे। उन्होंने खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया और बेहतर प्रदर्शन के लिए आशीर्वाद एवं शुभकामनाएँ दीं। वहीं, जीएल यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति डॉ. रणपाल तहलान ने भी प्रतियोगिता में शिरकत कर खिलाड़ियों को आशीर्वाद दिया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में डॉ. नीलम छिक्कारा, स्टेट मैनेजमेंट एंड प्लानिंग ऑफिसर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। उन्होंने प्रतियोगिता के आयोजन की सराहना करते हुए खेलों को युवाओं के शारीरिक एवं मानसिक विकास तथा सकारात्मक दिशा देने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। प्रतियोगिता के प्रथम दिन 10 अक्टूबर को महिला वर्ग के मुकाबले आयोजित किए गए, जिनमें कुल 32 टीमों ने भाग

लिया। हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों की टीमों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। महिला वर्ग में प्रथम स्थान गुरुकुल मोर माजरा की टीम, द्वितीय स्थान आईटीबीपी की टीम, तृतीय स्थान हिमाचल प्रदेश की टीम तथा चतुर्थ स्थान गुरु पाई की टीम ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता में बेस्ट रेडर रुचि यादव और बेस्ट कैचर कोमल रहैं। महिला वर्ग की तरह पुरुष वर्ग में भी खिलाड़ियों को समान पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। दोनों वर्गों के लिए प्रथम पुरस्कार एक लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार 71 हजार रुपये तथा तृतीय एवं चतुर्थ पुरस्कार 21-21 हजार रुपये निर्धारित किए गए हैं। पाँचवें से आठवें स्थान तक की टीमों को 5,100-5,100 रुपये तथा बेस्ट रेडर और बेस्ट कैचर को 5,100-5,100 रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय जाट धर्मशाला, कुरुक्षेत्र में आयोजित होने वाले प्रथम अंतर्राष्ट्रीय जाट धर्मशाला, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का प्रमुख सहयोग रहा। आयोजक संस्थाओं ने कहा कि भविष्य में भी खेल, शिक्षा और सामाजिक सरोकारों से जुड़े ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएं रहेंगे, ताकि 36 बिरादरी के युवाओं को आगे बढ़ने के लिए एक साझा मंच प्रदान करना है। उन्होंने

कहा कि संस्था भविष्य में भी शिक्षा, खेल, सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों को बढ़ावा देती रहेगी तथा बुजुर्गों की परंपराओं, संस्कारों और सामाजिक एकता को भावना को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को अपनी क्षमता दिखाने का अवसर मिलता है। साथ ही युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच विकसित होती है। संस्था का प्रयास है कि युवा खेलों से जुड़ें और नशे जैसी सामाजिक बुराईयों से दूर रहकर समाज एवं देश के विकास में अपनी भूमिका निभाएँ। इस दो दिवसीय प्रतियोगिता के आयोजन में अंतर्राष्ट्रीय जाट धर्मशाला, कुरुक्षेत्र; स्वतंत्र समूह सेवा समिति; कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय पूर्व छात्र एसोसिएशन तथा महाराजा सुरजमल वेलफेयर सोसाइटी, कैथल का प्रमुख सहयोग रहा। आयोजक संस्थाओं ने कहा कि भविष्य में भी खेल, शिक्षा और सामाजिक सरोकारों से जुड़े ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएं रहेंगे, ताकि 36 बिरादरी के युवाओं को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर मिल सकें।

वीआईपी आवागमन के दौरान व्यापारियों को राहत देने की मांग, पुलिस को सौंपा ज्ञापन

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी।काशी व्यापार प्रतिनिधि मंडल (न्याय मंच) ने वीआईपी आवागमन के दौरान काशी विश्वनाथ मंदिर क्षेत्र के व्यापारियों और स्थानीय निवासियों को होने वाली परेशानियों से राहत दिलाने की मांग की है। इस संबंध में मंडल के प्रतिनिधिमंडल ने थाना चौक कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक को ज्ञापन सौंपकर आवागमन की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का आग्रह किया। मंडल ने बताया कि काशी विश्वनाथ मंदिर में वीआईपी और अति विशिष्ट व्यक्तियों के आवागमन के दौरान सुरक्षा कार्यों से मांगों पर बैरिकेडिंग और प्रतिबंध लगाए जाते हैं। इससे स्थानीय व्यापारियों को अपनी दुकानों तक पहुंचने



तथा निवासियों को अपने घरों तक आने-जाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। मंडल ने मांग की कि अधिकृत पहचान पत्र रखने वाले

व्यापारियों को सुरक्षा नियमों के तहत आवश्यकतानुसार आवागमन की अनुमति दी जाए। साथ ही, पुलिस प्रशासन इस संबंध में स्पष्ट और स्थायी दिशा-निर्देश जारी करें, ताकि सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के साथ व्यापारिक गतिविधियां और आमजन का आवागमन भी प्रभावित न हो। काशी व्यापार प्रतिनिधि मंडल (न्याय मंच) के अध्यक्ष सोनालाल सेठ ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था जरूरी है, लेकिन व्यापारियों और स्थानीय निवासियों की दैनिक समस्याओं का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। उचित समन्वय से इस समस्या का समाधान संभव है। ज्ञापन सौंपने के दौरान विजय गुप्ता, राजेश सोनी, केशरी नंदन, शैलेन्द्र कुमार सिंह, विजय पाण्डेय, ललत पाण्डेय सहित अन्य व्यापारी उपस्थित रहे।

मां दुर्गा की आराधना से जीवन में आती है सकारात्मकता और नई ऊर्जा : वर्षा प्रधान

नई सोच एक्सप्रेस



वाराणसी। मोटिवेशनल स्पीकर, मेडिटेशन ट्रेनर एवं काउंसलर वर्षा प्रधान ने शारदीय नवरात्र के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए मां दुर्गा से सभी के सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने कहा कि नवरात्र केवल पूजा-अर्चना का पर्व नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, साधना, आत्मविश्वास और अपनी आंतरिक शक्ति को पहचानने का भी अवसर है। वर्षा प्रधान ने कहा कि मां दुर्गा के नौ स्वरूप जीवन के विभिन्न गुणों और मूल्यों का संदेश देते हैं। मां शैलपुत्री दृढ़ संकल्प, मां ब्रह्मचारिणी तपस्या और संयम, मां चंद्रघंटा साहस, मां कूष्मांडा सृजनशीलता, मां स्कंदमता करुणा, मां कात्यायनी शक्ति, मां कालरात्रि निर्भयता, मां माहगौरी शांति और मां सिद्धिदात्री ज्ञान एवं आध्यात्मिक उन्नति की प्रतीक हैं। इन स्वरूपों से प्रेरणा लेकर व्यक्ति अपने जीवन को

बेहतर बना सकता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में मानसिक शांति और सकारात्मक सोच बनाए रखना बेहद जरूरी है। ध्यान, मेडिटेशन, आत्मचिंतन और नियमित साधना से व्यक्ति अपने विचारों को संतुलित कर सकता है तथा तनावपूर्ण परिस्थितियों का धैर्यपूर्वक सामना कर सकता है। वर्षा प्रधान ने लोगों से देवी आराधना के साथ नारी सम्मान, सेवा, करुणा, सद्भाव और जरूरतमंदों की सहायता जैसे मूल्यों को जीवन में अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि नवरात्र शक्ति, साधना और आत्मविश्वास के साथ सकारात्मक बदलाव लाने का संदेश देता है।

चंदेल का दावा जंतर मंतर पर धरना प्रदर्शनों में विदेशी फंडिंग का भाजपा सरकार को गिराने के लिए हो रहा इस्तेमाल

नई सोच एक्सप्रेस



नई दिल्ली।भाजपा वरिष्ठ नेता महंत गुरुजी राजू नाथ चंदेल ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि जंतर मंतर पर जितने भी बेवजह कांग्रेस में काँकरोच आम आदमी पार्टी विपक्षी दलों के धरने प्रदर्शन जितने भी किया जा रहे हैं वह बिदेसी फंडिंग पर आधारित हैं वह मोदी सरकार को गिरने के लिए किया जा रहे हैं इन सब की जांच होनी चाहिए महंत गुरुजी राजू नाथ चंदेल ने कहा कि विपक्षी दल काँकरोच पार्टी मिलकर देश के नौजवानों को गुमराह कर रहे हैं इन प्रदेशों में देखा जा रहा है की जो बिगड़े हुए नशेड़ी गंजेडी शराबी बिगड़ेले नौजवान हैं उनका सहारा लिया जा रहा है जिन्होंने प्रदर्शन के दौरान भारतीय संस्कृति का मजाक उड़ा रहे हैं ऐसी भाषा का यह नौजवान इस्तेमाल कर रहे हैं सार्वजनिक रूप से जो आज तक भारत के इतिहास में नहीं

हुआ जो भाषा प्रदर्शनकारी नौजवान बोल रहे हैं वह भारत की संस्कृति नहीं है ऐसे लोगों से शक्ति से निपट जाए अन्यथा भारत की छवि पूरे विश्व स्तर पर खत्म हो जाएगी विपक्षी दल का आज मोदी सरकार के चलते वजूद पूरी तरह खत्म हो चला है इसीलिए वह भारत को नेपाल व बांग्लादेश बनाने के मुंगेरोलाल के हसीन सपने देख रहे हैं यह भारत है उन नेपाल में बांग्लादेश की तरह सत्ता पर कब्जा नहीं किया

पुणे में विजय कुमार पंडित को सामाजिक कार्यों के लिए किया गया सम्मानित



नई सोच एक्सप्रेस

पुणे। समीक्षा फाउंडेशन की ओर से अंबेडकरवादी विचारधारा से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ता विजय कुमार पंडित को पुणे में सार्वजनिक रूप से सम्मानित किया गया। मराठवाड़ा के एक छोटे से पहाड़ी गाँव से करीब 40 वर्ष पहले रोजगार की तलाश में पुणे आए विजय कुमार पंडित ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपनी शिक्षा पूरी की और एमए तक की डिग्री हासिल की। बचपन से ही डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के विचारों से प्रभावित पंडित ने समाज सेवा और बुद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार को अपने जीवन का प्रमुख उद्देश्य बनाया। पुणे स्थित कमिंस इंडिया कंपनी के अंबेडकरवादी विचारधारा से जुड़े लोगों ने मिलकर मिलिंद सामाजिक संस्कृति प्रतिष्ठान नामक पंजीकृत संगठन की स्थापना की थी। विजय कुमार पंडित भी इसके माध्यम से सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय हुए। उनके समर्पण और

कार्यकुशलता को देखते हुए वर्ष 1996 में उन्हें संगठन का सचिव चुना गया। तत्कालीन अध्यक्ष गंगाधर सोनवणे के साथ उन्होंने पुणे शहर में सामाजिक गतिविधियों को गति दी। वर्ष 2005 में पुणे में आयोजित पहली महा धम्म परिषद के बाद उनके सामाजिक कार्य के लिए व्यापक पहचान मिली। उन्होंने बुद्ध धम्म के प्रचार-प्रसार के लिए घर-घर सप्ताहिक बुद्ध वंदना और प्रवचन की पहल को आगे बढ़ाया। इसके अलावा अरुण सकले और रविंद्र अत्रा इंगले के साथ मिलकर वारजे के मुख्य चौक का नाम डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के नाम पर रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विजय कुमार पंडित ने अंबेडकरवादी विचारधारा से जुड़े लोगों को एकजुट करने और सामाजिक गतिविधियों को मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयास किए हैं। उनके सामाजिक योगदान और संगठनात्मक सक्रियता को देखते हुए समीक्षा फाउंडेशन की ओर से उन्हें सम्मानित किया गया।

बॉम्बे हाई कोर्ट का बड़ा फैसला: शिक्षाविद डॉ. अख्तर हसन रिज़वी के खिलाफ एफआईआर रद्द

नई सोच एक्सप्रेस



मुंबई।बॉम्बे हाई कोर्ट से शिक्षाविद और जाने-माने कारोबारी डॉ. अख्तर हसन रिजवी को एक हाई-प्रोफाइल अपराधिक मामले में बड़ी कानूनी राहत मिली है। जस्टिस मिलिंद जाधव की अदालत ने डॉ. रिजवी के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने का आदेश दिया है। इस फैसले को इस मामले में एक अहम मोड़ माना जा रहा है। यह कानूनी कार्रवाई दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति (Consent Terms) दखिल किए जाने के बाद संभव हुई, जिसमें शिकायतकर्ताओं और डॉ. रिजवी के बीच विवाद को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाने पर सहमति बनी थी। इस संबंध में एफआईआर रद्द करने की याचिका (Lodging

No. 20292 of 2026) हाई कोर्ट में प्रस्तुत की गई थी। एडवोकेट रबीना अख्तर रिजवी की अहम भूमिका इस पूरे कानूनी संघर्ष के दौरान एडवोकेट रबीना अख्तर रिजवी (डॉ. अख्तर हसन रिजवी की पत्नी) ने बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कठिन समय में कानूनी रणनीतियों को संभालते, जवाब तैयार करने और समझौते से जुड़ी सभी प्रक्रियाओं को आगे बढ़ाते हुए मामले को सही दिशा देने में सक्रिय नेतृत्व किया। उनकी

कानूनी सूझबूझ के चलते ही यह मामला अदालत में आपसी सहमति के आधार पर सफलतापूर्वक समाप्त हो सका। लगभग 85 वर्षीय डॉ. अख्तर हसन रिजवी के लिए लंबे समय से चली आ रही कानूनी अनिश्चितता के बाद यह फैसला बहुत बड़ी राहत लेकर आया है। मामले के विस्तृत और अंतिम प्रभाव बॉम्बे हाई कोर्ट के आधिकारिक दिशा-निर्देशों (Operative Directions) के अनुसार तय किए जाएंगे।

भारतवर्ष में आदिकाल में उगाये जाने वाले फल बेर का पौराणिक महत्व है। अनेकों जंगली जातियां स्वतः ही उगी देखी जा सकती हैं। इनका उपयोग ताजे फल के रूप में सुखाकर छुआरे के रूप में मुरब्बा, शरबत, चटनी, अचार बना कर किया जाता है। लकड़ी ईंधन के काम तो आती ही है, साथी ही हरिस बनाने के काम भी आती है। बेर के पौधे पर लाख बनाने वाले कीड़े पाले जाते हैं। पत्तियों को पशुओं के लिये (पाला) के रूप में काम लिया जाता है।



बेर - बेर मुनाफे का बेर



जलवायु-

बेर विभिन्न प्रकार की जलवायु में उगाया जा सकता है। उष्ण तथा शुष्क जलवायु बेर के लिए उपयुक्त है। अन्य फलों की अपेक्षा बेर बहुत कम पानी में सफलतापूर्वक उगाया जा सकता है। इसी कारण राजस्थान के शुष्क व कम वर्षा वाले स्थानों के लिए बेर की फसल अत्यधिक महत्वपूर्ण है। फसल समाप्त होने के बाद गर्मियों के दिनों में बेर सुषुप्तावस्था में चले जाते हैं और पत्ते झड़ जाते हैं। गर्मियों में कम पत्तियां बेर को गर्मी सहन करने की क्षमता प्रदान करती है।

भूमि-

लगभग सभी प्रकार की भूमि में बेर उगाया जा सकता है। बेर 8.5 पी.एच. वाली क्षारीय



भूमि में भी उगाया जा सकता है। लेकिन 7.00 पी.एच. वाली बलुई दोमट भूमि बेर के लिए उत्तम रहती हैं।

संवर्धन-

साधारण रूप से बेर को बीज के द्वारा प्रसारित किया जाता है। सभी उन्नत खेती के बेरों में कलिकायन द्वारा संवर्धन किया जाता है। कलिकायन के लिये सबसे उपयुक्त जुलाई माह है। बेर के पुराने पौधों को जमीन से 1.50 से 2.0 मीटर की ऊंचाई रखकर मार्च के महीने में काट देते हैं। कटे हुए भाग से नये प्ररोह निकल आते हैं, जिन पर टी/ शील्ड बडिंग द्वारा अच्छी जाति को लगा दिया जाता है।

रोपण-

बेर वृक्षों में 6-8 मीटर की दूरी रखते हैं। जून के महीने में इस दूरी के अनुसार एक मीटर

चौड़े व इतने ही गहरे गड्ढे खोद लें। लगभग 15 दिन खुला छोड़ दें। तत्पश्चात 20-25 किलो सड़ी गोबर खाद, 2 किलो सुपर फास्फेट व 500 ग्राम म्युरेट ऑफ पोटैश प्रति गड्ढा की दर से मिट्टी में मिलाकर गड्ढे को भर दें। वर्षा के प्रारंभ में पौधों को गड्ढे के बीच में रोपण करें। रोपण के तुरंत बाद सिंचाई करें।

कटाई-छंटाई-

पहले 2-3 वर्ष तक वृक्षों को सही आकार देने के लिए 4-5 शाखायें मुख्य तने के चारों ओर छोड़कर सभी शाखाओं को काटते रहें। पहली शाखा भूमि से लगभग 30 सेमी पर रखें और प्रत्येक चयनित शाखा के बीच लगभग 30 सेमी का अंतर रखें। फलोत्पादन के बाद हर वर्ष बेर में कटाई-छंटाई की जाती है। गर्मियों का मौसम कटाई-छंटाई करने के लिए उपयुक्त समय होता है। बेर में नये प्ररोहों पर ही अच्छा फलन होता है। काट-छांट के समय रोगग्रस्त तथा सूखी डालियों को भी काट दें। तथा कटे हुए स्थानों पर ब्लू कॉपर या ब्लाइटॉक्स 50 का लेप कर दें।

खाद व उर्वरक-

बेर में खाद जुलाई व नवम्बर माह में दी जाती है। यूरिया के अतिरिक्त समस्त खाद जुलाई माह में दें। आधी यूरिया जुलाई तथा शेष नवम्बर माह में दें। बेर के वृक्षों में खाद की मात्रा प्रति वर्ष इस प्रकार दी जानी चाहिए।

कीट/ फल मक्खी-

यह बेर का सबसे हानिकारक कीट है। इसकी लटें फलों को नुकसान पहुंचाती है जिसके कारण बाजार में ऐसे फलों की उचित कीमत नहीं मिल पाती है।

नियंत्रण-

इनके नियंत्रण के लिए बेर के बाग से सभी जंगली झाड़ियों को काट कर साफ कर दें। प्रभावित फलों को इकट्ठा कर नष्ट कर दें।

उन्नत किस्में

- अगेती जनवरी के प्रथम सप्ताह में गोल एवं सेब पकती है।
- मध्यम-जनवरी के तृतीय सप्ताह से फरवरी के अन्तिम सप्ताह तक सेव मूण्डिया एवं कैथली।
- पिछेती- फरवरी के अन्तिम सप्ताह से मार्च के प्रथम सप्ताह तक-उमरान

मई-जून में बाग की मिट्टी को अच्छी तरह जुताई कर दें। फास्फोमिडान 0.5 मिली प्रति लीटर पानी के छिड़काव से भी फल मक्खी का नियंत्रण किया जा सकता है।

वेफर बीटल-

यह कीड़ा जून-जुलाई के माह में नई कोमल पत्तियों को खाता है। इसके नियंत्रण के लिए प्रकोप होते ही 0.1 प्रतिशत मैलाथियान का छिड़काव करें।

छाल भक्षक कीट-

यह कीट पेड़ों की छाल को खाकर पौधों को कमजोर कर देता है। छाल के अंदर सुरंग बनाकर छिप जाता है। रोकथाम के लिए सूखी डालियों को काट दें। फास्फोमिडान 0.5 मिली लीटर प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। सुरंगों को साफ करके इसी दवा को पिचकारी द्वारा अंदर प्रवेश करावे व मिट्टी से सुरंग बंद कर दें। कीड़े अंदर ही मर जायेंगे।



रेबीज यह रेंडो विषाणु के संक्रमण से उत्पन्न होने वाली खतरनाक जानलेवा बीमारी है। अगर मांसाहारी प्राणी हमें काटता है तो उसकी लार में मौजूद विषाणु जख्म के जरिए शरीर में प्रवेश कर इस बीमारी को उत्पन्न करते हैं। आमतौर पर यूं तो कुत्तों के काटने से यह बीमारी होती है लेकिन चमगादड़, लोमड़ी, भेड़िया तथा मृंगूस द्वारा दंश होने पर भी यह बीमारी होती हैं। इस बीमारी से ग्रसित इंसान मात्र पानी के दर्शन से या पानी की आवाज से घबराता है अतः इस बीमारी को पानी से डरने वाली (हाइड्रोफोबिया) भी कहते हैं।

लक्षण

कुत्ते द्वारा दंश होने के 2 से 5 सप्ताह बाद इस बीमारी के लक्षण शरीर में उभरने लगते हैं। लेकिन काटने के बाद 30 दिनों के बाद या उससे भी बाद में देरी से इस बीमारी के लक्षण उभरने का रिकार्ड है।



रेबीज से सावधान रहें

रेबीज के प्रकार

रेबीज बीमारी के दो प्रकार होते हैं। वे निम्नलिखित हैं-

फ्यूरियस रेबीज

फ्युरीफास का मतलब है उग्र रुपी या भयानक स्वरुप धारण किया हुआ। अतः इस प्रकार के रेबीज का संक्रमण होने पर पशु के (यानि गोवंश, भैंस, गधा, घोड़ा, ऊंट कोई भी पशु जिसे रेबीज से ग्रसित पशु ने काटा है।) व्यवहार में अचानक बदलाव आ जाता हैं। वह अकेला, एकांत में रहना पसंद करने लगता है तथा चिड़चिड़ा और मनमौजी बन जाता है। वह मक्खियों को काट खाने को दौड़ता है और अपने मालिक के प्रति गैर जिम्मेदार बन जाता है। उसका खानपान में दिल नहीं लगता। इस अवस्था में कुत्ते के गले के स्नायुओं में लकवा मार जाता है अतः उसकी आवाज भारी हो जाती है। उसे जो कुछ भी दिखता है वह उसे काटने को दौड़ता है। वह एकांत में भी बेतरतीब ढंग से बिना किसी उद्देश्य से दौड़ता रहता है और उसे लकवा मार जाता है। उसके जबड़े के स्नायुओं में लकवा मार जाने से उसका निचला जबड़ा नीचे लटकता रहता है। उसकी जीभ भी लटकती रहती है। उसकी टांगें तथा समूचा



शरीर कमजोर हो जाता है और उसकी 2 से 4 दिनों में मृत्यु हो जाती है।

उम रेबीज (बेजुबान या शांत स्वरुपी रेबीज)

इस अवस्था में कुत्ते में लकवे के साथ लक्षण उभरते हैं। कुत्ता शून्य में ताकता रहता है और किसी भी बात को समझने में असमर्थ रहता है। जल्द ही लकवा उसके गले तक फैलता है जिससे वह भौंक या काट नहीं सकता। उसका निचला जबड़ा नीचे यूं लटकता रहता है जैसे उसके गले में कोई हड्डी का टुकड़ा फंसा हुआ हो। वह जल्द ही हलचल करने में असमर्थ होकर 1 से 4 दिनों में उसकी मृत्यु हो जाती है। इसलिए इस बीमारी से ग्रसित कुत्ते को 10 से 15 दिनों के लिए निगरानी में रखा जाता है।

बिस्त्रियों तथा जंगली मांसाहारी प्राणियों में यह रोग फ्युरीयस मतलब उग्र रुप में देखा गया है। गधे, घोड़े तथा खच्चरों में पेटाशूल, लकड़ी के खम्बे या दीवार को काटना तथा लात मारना आदि लक्षण दिखाई देते हैं। जल्द ही उनके पिछले पैरों में लकवा मार जाता है और 1 हफ्ते में उनकी मृत्यु हो जाती है। गोवंश में यह रोग उग्र तथा शांत रुप में दोनों में देखा गया है। इंसान में यह बीमारी जानलेवा होती है लेकिन तुरंत समुचित, सम्पूर्ण उपचार करवायें तो जान बच सकती है।

कुत्ता काटने के बाद 10 से 20 दिन बाद और कभी-कभी तो 2 वर्ष बाद भी रोगी को सिरदर्द, उल्टी जैसी भावना (मिचली) आंखों तथा नाक में पानी आना तथा अत्यधिक गला सूखना आदि लक्षण दिखाई देते हैं। जल्द ही गले में लकाव मार जाता है जिससे कुछ खाना या पीना असंभव हो जाता है फिर समूचे शरीर में लकवा मार जाता है और रोगी 7 दिन में मर जाता है।

प्रथम उपचार

रेबीज के विषाणु कुत्ते की लार में बहुतायत में मौजूद होते हैं और संक्रमण उसी से समूचे शरीर में फैलता है। अतः शुरुआत में ही साबुन



का पानी डालकर जख्म को अच्छी तरह धोयें क्योंकि इससे विषाणु नष्ट होते हैं। इसके बाद उस जख्म पर बहुत सारा टिचर आयोडीन लगायें। यह प्रतिजैविक होने से जख्म में संक्रमण का खतरा कम होगा। अगर यह उपलब्ध नहीं है तो ताजे नींबू के रस का किसी पेय पदार्थ से जख्म धोयें।

उपचार

इसके बाद तुरंत अनुभवी डाक्टर को बुलाकर संपल रेबीज विरोधी वैक्सीन लगवायें। आजकल संबंधित अडाप्टेड अॅडन्यूएटेड टीका भी उपलब्ध है। शुद्ध, सांद्र और बचावात्मक टीके जो कुत्ते के काटने के बाद लगाये जा सकते हैं ऐसे टीके भी उपलब्ध हैं जो 2 वर्ष की अवधि तक प्रतिबंधक शक्ति प्रदान करते हैं। अतः डॉक्टर की सलाह अनुसार इलाज करवायें।

बचाव एवं सावधानियां

घर का पालतू कुत्ता हर किसी को प्रिय होता है लेकिन लाड़-प्यार एक हद तक ही ठीक है। कुत्ता घर के बाहर रखना ही ठीक हैं। उसके लिए एक छोटा या घर-आंगन में बनवायें और उसे वहीं रखें। उसे रोजाना घुमाने ले जाये। उसे समुचित खानपान प्रदान करें। उसे सहलाये प्यार करें लेकिन उसके बदन पर न जाने कितने बाह्य परजीवी कीड़े, जीवाणु, विषाणु मौजूद होते हैं। उनमें से सभी आंखों से दिखाई नहीं देते और इंसान में कई तरह के जुनोटिक रोग पैदा करते हैं। अतः सहलाने के बाद हाथ साबुन तथा पानी से अच्छी तरह धोयें। कुत्ते की लार हमारे हाथों में कतई नहीं लगनी चाहिए। अगर लग जाये तो साफ करें।



दृश्यम : द कन्क्लूजन ने एक हफ्ते बाद तोड़ा दृश्यम 2 का रिकॉर्ड, जानिए कुल कमाई



अजय देवगन की फिल्म दृश्यम: द कन्क्लूजन बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा रही है। सिनेमाघरों में 62 करोड़ रुपये से शुरुआत करने वाली यह एक्शन-थ्रिलर दुनियाभर में 400 करोड़ के क्लब में रखने के लिए पूरी तरह से तैयार है। वहीं, घरेलू स्तर पर इस फ्रेंचाइजी ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया है। यही नहीं, अजय की इस फिल्म ने मूल फिल्म मोहनलाल अभिनीत दृश्यम 3 का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। आइए देखें दृश्यम: द कन्क्लूजन की ताजा कमाई। सैकनिल्क के मुताबिक, दृश्यम: द कन्क्लूजन ने रिलीज के 7वें दिन 13 करोड़ रुपये कमाए हैं। इससे पहले, फिल्म ने 6वें दिन 15.50 करोड़, 5वें दिन 19.50 करोड़, चौथे दिन 21 करोड़ और वीकेंड से 176.5 करोड़ रुपये जुटाए थे, जिसके बाद कुल नेट कलेक्शन 245.50 करोड़ रुपये हो गया है। विदेशों में फिल्म ने 7वें दिन 4 करोड़ कमाए, जिससे कुल विदेशी कमाई 89 करोड़ रुपये हो गई है। वहीं, वैश्विक कलेक्शन 383.60 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। अजय की फिल्म ने 245.50 करोड़ के नेट कलेक्शन के साथ, 2022 में आई दृश्यम 2 के 239.67 करोड़ रुपये के लाइफटाइम भारतीय नेट कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है। इसी के साथ, यह इस फ्रेंचाइजी की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है। इसके अलावा, मोहनलाल अभिनीत दृश्यम 3 का वर्ल्डवाइड लाइफटाइम कलेक्शन (237.60 करोड़) पीछे छूट गया है। अभिषेक पाठक द्वारा निर्देशित दृश्यम: द कन्क्लूजन में तब्बू, जयदीप अहलावत, श्रिया सरन और प्रकाश झा भी हैं। अजय देवगन की बहुप्रतीक्षित फिल्म ‘दृश्यम: द कन्क्लूजन’ ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी रिलीज के साथ ही जबरदस्त सफलता हासिल की है। इस सर्पेंस-थ्रिलर ने अपनी ओपनिंग से ही सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है और दुनियाभर में यह बड़ी उपलब्धि हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। फिल्म ने पहले ही हफ्ते में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में शानदार कमाई करते हुए अपने पिछले सभी रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिए हैं। इस शानदार सफलता के साथ ही यह फ्रेंचाइजी की सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। ट्रेड एनालिस्ट्स के मुताबिक, फिल्म की यह रफ्तार आने वाले दिनों में और अधिक रिकॉर्ड तोड़ सकती है।

फिल्म ‘रामायण से लारा दत्ता और शीबा चड्ढा के पोस्टर जारी, कैकेयी और मंथरा के रूप में दिखा दमदार अंदाज

नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही महाकाव्य फिल्म दिवाली 2026 पर होगी दुनियाभर में प्रदर्शित, रणबीर कपूर निभा रहे हैं भगवान राम की भूमिका रणबीर कपूर अभिनीत बहुप्रतीक्षित पौराणिक महाकाव्य फिल्म ‘रामायण से अभिनेत्री लारा दत्ता और शीबा चड्ढा के नए पोस्टर जारी किए गए हैं। फिल्म में लारा दत्ता रानी कैकेयी और शीबा चड्ढा दासी मंथरा की भूमिका में नजर आएंगी। दोनों किरदारों की पहली झलक सामने आने के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों का उत्साह बढ़ गया है। इससे पहले निर्माताओं ने अभिनेता अरुण गोविल का पोस्टर जारी किया था। नमित मल्होत्रा द्वारा निर्मित और नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही इस फिल्म को दिवाली 2026 के अवसर पर दुनियाभर में प्रदर्शित करने की तैयारी है। फिल्म के अलग-अलग किरदारों के पोस्टर सामने आने के साथ ही इसे लेकर सामाजिक माध्यमों पर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

जारी किए गए पहले पोस्टर में लारा दत्ता रानी कैकेयी के राजसी अवतार में दिखाई दे रही हैं। उनके चेहरे पर गंभीरता, दृढ़ता और आक्रोश के भाव नजर आते हैं। पारंपरिक वेशभूषा, शाही आभूषण और आकर्षक श्रृंगार उनके किरदार की गरिमा और प्रभाव को दर्शाते हैं। कैकेयी रामायण की कथा का एक महत्वपूर्ण पात्र हैं, जिनकी इच्छाओं और निर्णयों से भगवान राम के वनवास



की घटनाएं जुड़ी हैं। दूसरे पोस्टर में शीबा चड्ढा दासी मंथरा के रूप में नजर आ रही हैं। उनके चेहरे के भाव और व्यक्तित्व का चित्रण रामायण की उस महत्वपूर्ण घटना की याद दिलाता है, जब मंथरा रानी कैकेयी को राजा दशरथ से दो वरदान मांगने के लिए प्रेरित करती हैं। कथा में मंथरा की भूमिका कैकेयी के निर्णय और राम के वनवास की घटनाओं को प्रभावित करने वाली मानी जाती है। निर्माताओं ने पोस्टर साझा करते हुए कैकेयी और मंथरा के किरदारों के महत्व को रेखांकित किया। उनके अनुसार, एक रानी की इच्छाएं और दूसरी की कुटिल सलाह ऐसी घटनाओं को जन्म देती हैं, जो राम के जीवन की

दिशा बदल देती हैं। ‘रामायण में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म में साईं पल्लवी सीता, यश रावण, रवि दुबे लक्ष्मण और सनी देओल हनुमान की भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा रकुल प्रीत सिंह सहित कई अन्य कलाकार भी फिल्म का हिस्सा हैं। निर्माता नमित मल्होत्रा और निर्देशक नितेश तिवारी इस पौराणिक कथा को बड़े पर्दे पर भव्य रूप में प्रस्तुत करने की तैयारी कर रहे हैं। फिल्म की दिवाली 2026 में दुनियाभर में प्रदर्शित होने की योजना है। अब दर्शकों को फिल्म के अन्य किरदारों की झलक और आगामी प्रचार सामग्री का इंतजार है।

सलमान खान ने लॉन्च किया अपना यूट्यूब चैनल, अब फैंस से सीधे जुड़ेंगे अभिनेता

वॉ बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान अब यूट्यूब की दुनिया में भी कदम रखने जा रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा कर अपने आधिकारिक यूट्यूब चैनल की शुरुआत की घोषणा की है। इस खबर से उनके प्रशंसकों में उत्साह है। घोषणा के कुछ ही समय बाद उनके चैनल से 13 हजार से अधिक सदस्य जुड़ गए। सलमान ने अपने चैनल की घोषणा करते हुए लिखा, “शुरु से शुरु करते हैं मेरा आधिकारिक यूट्यूब चैनल। ए से जेड तक सब यहां मिलेगा।” साझा किए गए वीडियो में अभिनेता अपने खास और मजेदार अंदाज में अंग्रेजी वर्णमाला के ए से जेड तक का उल्लेख करते नजर आ रहे हैं। सलमान खान ने अपने यूट्यूब चैनल के माध्यम से प्रशंसकों को अपनी



निजी और पेशेवर जिंदगी से जुड़ी झलकियां दिखाने का वादा किया है। चैनल के परिचय में उन्होंने खुद को फिल्म अभिनेता, कलाकार, चित्रकार और मानवतावादी बताया है। साथ ही इसे अपना आधिकारिक चैनल घोषित किया है। चैनल पर फिलहाल 10 छोटे वीडियो भी मौजूद हैं। हालांकि, प्रशंसकों को अब उनके पहले आधिकारिक ब्लॉग यानी वीडियो ब्लॉग या किसी विस्तृत वीडियो का

इंतजार है। सलमान खान लंबे समय से फिल्मों और सोशल मीडिया के जरिए अपने प्रशंसकों से जुड़े हुए हैं। यूट्यूब चैनल की शुरुआत को उनके प्रशंसकों के साथ सीधे जुड़ने की एक नई पहल के रूप में देखा जा रहा है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि अभिनेता अपने चैनल पर मनोरंजन, फिल्मी गतिविधियों, निजी अनुभवों और रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी कौन-कौन सी बातें साझा करते हैं।

लंबे समय तक काम करने वाले लोगों के लिए 5 पोषण संबंधी टिप्स



लंबे समय तक काम करने वाले लोगों के लिए सही पोषण बहुत जरूरी है। चाहे आप ऑफिस में काम करें या घर से, आपके खाने-पीने का आपके स्वास्थ्य पर बड़ा असर पड़ता है। सही आहार न केवल आपकी ऊर्जा को बनाए रखता है, बल्कि आपको तनाव से भी दूर रखता है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और असरदार पोषण सुझाव देंगे, जो आपके कामकाजी जीवन को बेहतर बना सकते हैं। नाश्ता दिन का सबसे जरूरी भोजन होता है। इसे कभी भी छोड़ना नहीं चाहिए क्योंकि यह आपके दिन की शुरुआत करता है और आपको ऊर्जा देता है। सही नाश्ते में अंडे, ओट्स, फल या दही शामिल हो सकते हैं। ये खाने की चीजें प्रोटीन, फाइबर और विटामिन्स से भरपूर होती हैं, जो आपकी सेहत के लिए फायदेमंद हैं। इससे आप पूरे दिन ताजगी महसूस करेंगे और आपकी काम करने की क्षमता भी बढ़ेगी। पानी आपके शरीर को तरोताजा रखने में मदद करता है और थकान को दूर करता है। ऑफिस में बैठकर काम करते समय लोग अक्सर पानी पीना भूल जाते हैं, जिससे शरीर में पानी की कमी हो सकती है। हर घंटे एक गिलास पानी पीने की आदत डालें। इसके अलावा आप

रात का खाना समय पर खाना बहुत जरूरी है ताकि सोने से पहले पाचन पूरा हो सके। हल्का खाना जैसे कि सूप या खिचड़ी आदि खा सकते हैं, जो आसानी से पच जाता है। इसके अलावा सोने से पहले कुछ हल्की कसरत या योगासन भी कर सकते हैं, जिससे नींद अच्छी आएगी। इन सभी सुझावों को अपनाकर आप अपने कामकाजी जीवन को स्वस्थ और संतुलित बना सकते हैं।

नारियल पानी या ताजे जूस का भी सेवन कर सकते हैं। इससे न केवल आपकी प्यास बुझती है, बल्कि शरीर में ताजगी भी बनी रहती है। काम करते समय भूख लगना सामान्य बात है, लेकिन फास्ट फूड खाने से बचें। इसके बजाय अपने पास सेहतमंद स्नैक्स रखें जैसे कि बादाम, अखरोट, मूंगफली या मखाने आदि। ये स्नैक्स न केवल स्वादिष्ट होते हैं बल्कि आपके शरीर को जरूरी पोषक तत्व भी प्रदान करते हैं। इससे आपको ऊर्जा मिलती है और आप थकान महसूस नहीं करते। सेहतमंद स्नैक्स खाने से आपका मन भी प्रसन्न रहता है और आप

पूरे दिन तरोताजा महसूस करते हैं। दोपहर के खाने का सही उपयोग करें दोपहर के खाने का सही उपयोग करना बहुत जरूरी है। इसे जल्दी-जल्दी खाने की बजाय आराम से खाएं और अपने खाने पर ध्यान दें। चबाने की आदत डालें ताकि खाना अच्छे से पच सके। खाने में सलाद, सब्जियां, दाल, वावल या रोटी शामिल करें। इससे आपका पेट भरा रहेगा और आप पूरे दिन ऊर्जावान महसूस करेंगे। इसके अलावा खाने के बाद थोड़ी टहलना भी फायदेमंद होता है, जिससे पाचन क्रिया बेहतर होती है।

अभिनेता सैफ की बहन सबा पटौंदी का खुलासा- सड़क पर गिरी तब पता चला ब्रेन ट्यूमर है

अभिनेता सैफ अली खान की बहन सबा पटौंदी ने 27 साल की उम्र में मस्तिष्क के ट्यूमर से जूझने के अपने मुश्किल अनुभव साझा किए हैं। अभिनेत्री सोहा अली खान के पॉडकास्ट में सबा ने बताया कि उन्हें बीमारी का कोई शुरुआती लक्षण महसूस नहीं हुआ था। एक दिन अचानक वह सड़क पर बेहोश होकर गिर पड़ीं। इसके बाद कराई गई चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग (एमआरआई) जांच में उनके मस्तिष्क के तीसरे निलय में एक संदिग्ध गांठ का पता चला। करीब छह महीने बाद हुई शल्य चिकित्सा में चिकित्सकों ने इसे ‘पायलोसाइटिक एस्ट्रोसाइटोमा’ नामक ट्यूमर के रूप में पहचाना। सबा ने बीमारी के शुरुआती दिनों को याद करते हुए बताया कि उन्हें पहले से किसी तरह की परेशानी नहीं थी। एक दिन घर से बाहर निकलने पर उन्हें पेट में कुछ गड़बड़ी महसूस हुई। चूंकि उनका पेट पहले से संवेदनशील रहता था, इसलिए उन्हें लगा कि शायद खाने-पीने की वजह से ऐसा हुआ है। हालांकि, कुछ ही देर में उनकी आंखों के सामने अंधेरा छाने लगा और वह सड़क पर बेहोश होकर गिर पड़ीं। सबा ने बताया कि पहले भी वह कभी-कभी बेहोशी जैसी स्थिति को रक्तचाप में बदलाव या तेज रोशनी से जोड़कर देखती थीं, लेकिन इस बार अनुभव अलग था। अचानक असहज महसूस होने पर उन्होंने अपनी दोस्त से घर लौटने के लिए कहा। इसी दौरान उन्हें सब

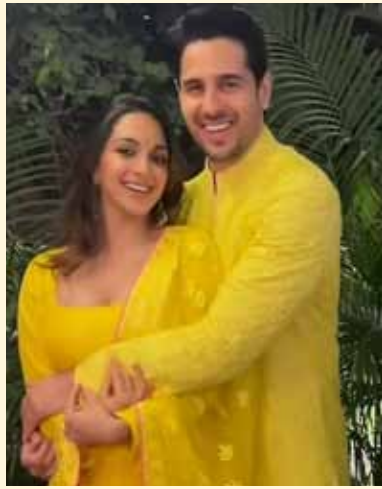


कुछ धुंधला दिखाई देने लगा और वह गिर पड़ीं। होश आने पर उन्होंने खुद को इमारत के बाहर सड़क पर पाया। वह स्थिति को समझ पातीं, उससे पहले ही दोबारा बेहोश हो गईं। सबा के मुताबिक, पूरी तरह होश में आने में करीब 20 से 25 मिनट लगे। इसके बावजूद उनके सिर में भारीपन बना हुआ था। घटना के बाद चिकित्सकों ने सबा की एमआरआई जांच कराई। इसमें मस्तिष्क के तीसरे निलय में एक संदिग्ध गांठ दिखाई दी। ट्यूमर की स्थिति को देखते हुए शुरुआती जांच में चिकित्सकों ने इसके कोलॉयड सिस्ट होने की आशंका जताई थी। इसके बाद करीब छह महीने तक जांच और उपचार की प्रक्रिया चली। अंततः सबा की मस्तिष्क की शल्य चिकित्सा की गई। ऑपरेशन के बाद चिकित्सकों ने गांठ की पहचान पायलोसाइटिक एस्ट्रोसाइटोमा के रूप में की। यह एक प्रकार का मस्तिष्क ट्यूमर है, जो आमतौर पर धीमी गति से बढ़ता है। सबा ने बताया कि महज 27 साल की उम्र में बिना किसी स्पष्ट शुरुआती लक्षण के गंभीर बीमारी का पता चलना उनके लिए बड़ा झटका था। मस्तिष्क की शल्य चिकित्सा की बात सुनकर

वह पूरी तरह टूट गई थीं। उन्हें लगने लगा था कि उनकी जिंदगी रातोंरात बदल गई है। बीमारी की जानकारी मिलने के बाद वह कई बार बिना किसी स्पष्ट वजह के रोने लगती थीं। इस कठिन दौर में उन्हें सबसे ज्यादा डर अपनी स्वतंत्रता खोने और दूसरों पर निर्भर हो जाने का था। वह अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में आत्मनिर्भर बने रहना चाहती थीं। सबा ने बताया कि शल्य चिकित्सा के दौरान चिकित्सकों ने ट्यूमर को सुरक्षित तरीके से निकालने का प्रयास किया। उनके अनुसार, ट्यूमर मस्तिष्क के उस हिस्से के पास स्थित था, जिसका संबंध अल्पकालिक स्मृति से है। इसलिए ऑपरेशन के दौरान विशेष सावधानी बरतनी जरूरी थी। चिकित्सकों ने जितना संभव हो सका, ट्यूमर को सुरक्षित रूप से बाहर निकाला। सबा का यह अनुभव बताता है कि कुछ गंभीर बीमारियों का पता अचानक चल सकता है और उनका सामना करना व्यक्ति के लिए भावनात्मक रूप से भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। उन्होंने अपने अनुभव साझा कर उस कठिन दौर के बारे में बताया, जिसने उनकी जिंदगी और सोच को गहराई से प्रभावित किया।

दूसरी बार माता-पिता बनेंगे कियारा और अभिनेता सिद्धार्थ

वॉ बॉलीवुड के हॉट कपल अभिनेत्री कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा के घर दूसरी बार किलकारी गूंजने वाली है। यह प्यारा कपल दूसरी बार माता-पिता बनने के लिए तैयार है। इससे पहले शादी के लगभग साढ़े तीन साल बाद कपल ने अपनी पहली बेटी को जन्म दिया था। दोनों ने ही स्वयं इस खबर को सोशल मीडिया पर अपने फैंस के साथ साझा किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक बेहद खूबसूरत तस्वीर पोस्ट की, जिसमें छोटे से बच्चे के सॉक्स नजर आ रहे थे, जो उनके आने वाले नन्हे मेहमान का प्रतीक थे। इस मनमोहक तस्वीर के साथ, कियारा ने लिखा, एक बार फिर सबसे बड़े तोहफे का आशीर्वाद मिला, और व्यवृत किया कि उनका दिल प्यार और आभार से भरा हुआ है। यह खबर सामने आते ही सोशल मीडिया पर बिजली की तरह फैल गई। फैंस और बॉलीवुड जगत की हस्तियों ने इस जोड़े को तुरंत बधाई देना शुरु कर दिया। जाने-माने फिल्म निर्माता करण जौहर ने लाल दिल और बुरी नजर से बचाने वाले इमोजी के



साथ अपना प्यार और शुभकामनाएं भेजीं। अभिनेत्री भूमि पेडनेकर और कारस्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने भी रेड हार्ट इमोजी शेयर कर कियारा और सिद्धार्थ को बधाई दी। फैंस इस खबर से विशेष रूप से उत्साहित नजर आए, एक यूजर ने लिखा, यहाँ सराया का नन्हा हाथ इसे और भी प्यारा बना रहा है, जबकि दूसरे ने खुशी जताते हुए कहा, सराया की छोटी बहन या छोटा भाई जल्द ही आने वाला है। कियारा

और सिद्धार्थ पहली बार जुलाई 2025 में माता-पिता बने थे, जब उनकी बेटी सराया मल्होत्रा का जन्म हुआ था। उस समय भी कपल ने सोशल मीडिया पर एक जॉईंट पोस्ट के जरिए यह खुशखबरी साझा की थी और अपनी बेटी को अपनी जिंदगी का सबसे बड़ा आशीर्वाद बताया था। अब बेटी सराया के बाद, उनका परिवार जल्द ही तीन से चार सदस्यों का हो जाएगा, जिससे उनकी खुशी दोगुनी हो गई है और उनके घर में खुशियों का माहौल बन गया है। दिलचस्प बात यह है कि कुछ समय पहले, सिद्धार्थ मल्होत्रा अपनी फिल्म द वन के प्रमोशन के लिए बिग बॉस 20 के वीकेंड का वार एपिसोड में पहुंचे थे। वहाँ सलमान खान के साथ बातचीत के दौरान, सिद्धार्थ ने पिता बनने के अनुभव पर खुलकर बात की थी और बताया था कि बेटी सराया अब लगभग 15 महीने की हो चुकी है और नई चीजें सीख रही है। इसी दौरान, सलमान खान ने मजाकिया अंदाज में सिद्धार्थ से पूछा था कि उम्मीद है कि वह जल्द एक और बच्चा करेंगे, जिस पर सिद्धार्थ ने मुस्कुराते हुए सहमति जताई थी।

